PRESS राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, बुधवार
19.02.2025
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 19

हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159
RNI : JHAHIN/2014/54374
www.rashtriyamukhyadhara.com
अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

कतर के अमीर का राष्ट्रपति भवन में भव्य स्वागत, राष्ट्रपति और पीएम करेंगे चर्चा

एजेंसी। नई दिल्ली

कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी भारत की यात्रा पर आए हुए हैं हमद अल थानी का मंगलवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में गार्ड ऑफ ऑनर देकर औपचारिक स्वागत किया गया। उनका स्वागत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी के साथ वरिष्ठ मंत्रियों ने किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अमीर के साथ आए कतर के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी सोमवार को दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से बातचीत की। पीएम मोदी ने एयरपोर्ट पर कतर के अमीर शेख तमीम का स्वागत किया। पीएम मोदी ने कतर के अमीर को अपना भाई बताया और भारत में उनके सफल प्रवास की कामना की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कतर के अमीर से मुलाकात की। कतर के अमीर के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है। कतर के अमीर इससे पहले मार्च 2015 में राजकीय यात्रा पर भारत आए थे। अपनी यात्रा के दौरान अमीर शेख तमीम ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ चर्चा करेंगे, उनके सम्मान में भोज का आयोजन जाएगा। कतर के अमीर शेख तमीम द्विपक्षीय संबंधों के कई पहलुओं पर पीएम मोदी के साथ बातचीत करेंगे। उल्लेखनीय है कि कतर में रहने वाला भारतीय समुदाय देश का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। कतर के अमीर की यात्रा दोनों देशों के बीच बढ़ती बहुमुखी साझेदारी को और गति प्रदान करेगी। भारत और कतर के बीच विविध क्षेत्रों में सहयोग ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ संबंधों और दोनों सरकारों के उच्चतम स्तरों सहित नियमित और ठोस भागीदारी द्वारा प्रदान की गई रूपरेखा में लगातार बढ़ रहा है।

'रणनीतिक साझेदारी' में बदले भारत-क़तर संबंध

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमिम बिन हमद अल-थानी के बीच मंगलवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में व्यक्तिगत और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। वार्ता में दोनों नेताओं ने आपसी साझेदारी को रणनीतिक साझेदारी में बदलने का निर्णय लिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज एक्स पोस्ट में बताया कि हैदराबाद हाउस में आज व्यापक वार्ता हुई। दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, निवेश, नवाचार, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, संस्कृति और लोगों से लोगों के संबंधों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ एक रणनीतिक साझेदारी के लिए भारत-क़तर संबंधों को बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान -प्रदान किया। इससे पहले आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कतर के अमीर शेख तमिम बिन हमद अल थानी का राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया। कतर के अमीर शेख तमिम बिन हमद अल-थानी दो दिवसीय यात्रा पर कल नई दिल्ली पहुंचे। उनकी यात्रा को एक विशेष सम्मान देते हुए स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। कतर के अमीर के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी है। इसमें मंत्री, वरिष्ठ अधिकारियों और एक व्यावसायिक प्रतिनिधिमंडल शामिल है। यह उनकी दूसरी यात्रा है। इससे पहले मार्च 2015 में वे अपने राजकीय यात्रा पर भारत आए थे।

ज्ञानेश कुमार होंगे नए मुख्य चुनाव आयुक्त, नये कानून से नियुक्त होने वाले पहले सीईसी

एजेंसी। नई दिल्ली

ज्ञानेश कुमार देश के नये मुख्य चुनाव आयुक्त होंगे। वे राजीव कुमार की जगह लेंगे। कानून मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी। राजीव कुमार का कार्यकाल आज समाप्त हो गया। पिछले साल मार्च में चुनाव आयुक्त के रूप में नामित किए गए ज्ञानेश कुमार देश के अगले मुख्य चुनाव आयुक्त होंगे। वे इस साल के आखिर में बिहार विधानसभा चुनाव और अगले साल बंगाल, असम और तमिलनाडु में होने वाले चुनावों की देखरेख करेंगे। इसके साथ ही 2027 में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में होंगे। केरल कैडर के 1988 बैच के आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार, तीन सदस्यीय पैनल में दो आयुक्तों में से वरिष्ठ हैं। इससे पहले सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त के नाम पर विचार के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नॉर्थ ब्लॉक में हुई बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हुए। पुरानी व्यवस्था के तहत तीन सदस्यी चुनाव आयोग में सबसे

वरिष्ठ चुनाव आयुक्त को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया जाता रहा है। हालांकि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून के तहत अब समिति के माध्यम से नए मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन होता है। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तों और कार्यालय की शर्तें) अधिनियम, 2023 के तहत नए मुख्य चुनाव आयुक्त वर्तमान में आयोग में शामिल चुनाव आयुक्त भी हो सकते हैं या फिर कोई नया नाम तय किया जा सकता है। अधिनियम के तहत केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री की अध्यक्षता में एक खोज समिति पांच उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करती है। उल्लेखनीय है कि मुख्य चुनाव आयुक्त रहे राजीव कुमार ने यह पदभार वर्ष 2022 में संभाला था। उनके नेतृत्व में चुनाव आयोग ने 2024 में लोकसभा चुनाव संपन्न कराया।

नए सीईसी की नियुक्ति पर भड़की कांग्रेस, कहा- यह संविधान की भावना के खिलाफ

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) पद पर ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति किये जाने को जल्दबाजी में उठाया गया कदम बताते हुए इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। पार्टी ने इसे संविधान की भावना के खिलाफ करार दिया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आज यहां जारी बयान में कहा कि बीती आधी रात को जल्दबाजी में सरकार ने नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की अधिसूचना जारी की है। यह संविधान की भावना के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह के कई मामलों में दोहराया है कि चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता के लिए सीईसी को निष्पक्ष हितधारक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संशोधित कानून ने सीईसी चयन पैनल से सीजेआई को हटा दिया और सरकार को सीईसी का चयन करने से पहले 19 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई तक इंतजार करना चाहिए था।

संक्षिप्त समाचार

तीन दुश्मन देशों के नेताओं का रियाद में हो सकता है आमना-सामना?

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की, रूसी राष्ट्रपति

व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मिलने वाले हैं। मुमकिन है कि इस दौरान तीनों नेताओं का आमना-सामना भी हो सकता है। ऐसे में इन तीनों नेताओं को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान साधने की कोशिश करेंगे यह उनके लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगा। ऐसी भी संभावना है कि तीनों नेता रूस-यूक्रेन युद्ध विराम पर चर्चा कर सकते हैं। जेलेंस्की के प्रवक्ता ने बताया कि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की बुधवार को सऊदी अरब जा रहे हैं। यह दौरा रूसी और अमेरिकी अधिकारियों के बीच नियोजित बैठकों के एक दिन बाद होगा। उन्होंने कहा कि ज़ेलेंस्की अपनी पत्नी के साथ सऊदी अरब की यात्रा करेंगे, जो कि एक लंबे समय से नियोजित यात्रा का हिस्सा है। जेलेंस्की ने पिछले सप्ताह यात्रा का ऐलान किया था, लेकिन तारीख नहीं बताई थी उन्होंने कहा कि उनकी रूसी या अमेरिकी अधिकारियों से मिलने की कोई योजना नहीं है। यूक्रेनियों की ओर से आधिकारिक घोषणा अमेरिकी और रूसी अधिकारियों द्वारा यह कहे जाने के बाद की गई है कि वे मंगलवार को रियाद में बैठक करेंगे, ताकि यूक्रेन युद्ध और इसे खत्म करने के उपायों पर चर्चा की जा सके। रूस-यूक्रेन युद्ध को शुरू हुए तीन साल हो चुके हैं। इस युद्ध में दोनों ही देशों के लाखों लोग मारे जा चुके हैं और अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है।

इलाहाबादिया को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार, गिरफ्तारी से दी राहत

मुंबई। यू-ट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।

इस बीच कोर्ट ने उन्हें जमकर फटकार लगाई। हालांकि कोर्ट ने रणवीर को गिरफ्तारी से राहत दी है और निर्देश दिया है कि वे जांच में शामिल हों। इसके अलावा संबंधित एपिसोड पर अब कोई और एफआईआर नहीं दर्ज की जाएगी। वहीं, सुप्रीम कोर्ट में रणवीर के वकील अभिनव चंद्रचूड़ ने कहा कि कई राज्यों में मामले दर्ज हैं। उनकी जान को खतरा है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आप लोगों के माता-पिता को बेइज्जत कर रहे हैं। यह गंदे दिमाग की उपज है। आपके पास भारी संपत्ति है। दो अलग एफआईआर का आप बचाव कर सकते हैं। हम एफआईआर क्यों क्लब करें। जांच और मुकदमा आपके मुताबिक नहीं चलाया जा सकता। अगर आपको खतरा है, तो यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है और आप शिकायत करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपको कैसे व्यवहार करना चाहिए, ये आपको पता है...अश्लीलता क्या है आपको पता है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि सिर्फ दो एफआईआर है। एक मुंबई में है और दूसरी गुवाहाटी में हैं। दोनों एफआईआर भी समान नहीं है। दोनों में अलग आरोप हैं। ऐसे में एकसाथ सुनवाई की मांग कैसे की जा सकती है। रणवीर के वकील चंद्रचूड़ ने जुबान काटने के एवज में 5 लाख के ईनाम का हवाला दिया।

महाकुम्भ में 25 देशों से आए श्रद्धालुओं ने लगायी डुबकी

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ में आए 25 देशों के श्रद्धालुओं ने आज संगम में आस्था की डुबकी लगायी। इन श्रद्धालुओं में प्रमुख रूप से भारत में नॉर्वे की राजदूत मे-एलिन स्टेनर और उनके पति तथा मैक्सिको के विख्यात पर्यावरणविद् अबुएलो एंटोनियो ऑक्सटे और अन्य शामिल थे। परमार्थ निकेतन आश्रम के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने बताया कि पिछले दिनों महाकुम्भ भगदड़ में शिकार हुई दिव्य आत्माएं संगम में स्नान करने आयीं थी, परन्तु स्नान नहीं कर पायीं। उनकी आत्मा की शांति, सद्गति के लिए भी डुबकी लगायी गयी। प्रभु उन सभी दिव्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा उनके परिवारजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति, धैर्य व सामर्थ्य प्रदान करें।

अरैल स्थित परमार्थ निकेतन शिविर से संगम तट तक विश्वभर से आए श्रद्धालुओं ने एक मानव श्रृंखला बनाई, जो इस बात का प्रतीक है कि जब हम एकजुट होते हैं तो दुनिया में कोई भी मुश्किल हमें तोड़ नहीं सकती। यह मानव श्रृंखला न केवल सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है, बल्कि यह विश्व की एकता, शांति और सद्भाव का संदेश भी पूरे विश्व को दे रही है। सभी श्रद्धालुओं ने एक साथ मिलकर संगम का संदेश दिया कि हम सभी का जीवन एक दूसरे से जुड़ा हुआ है।

भारत के लिए अमेरिका और ब्रिक्स दोनों में संतुलन बनाना भी चुनौती

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के लिए अमेरिका और ब्रिक्स दोनों ही महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनके साथ संबंधों का संतुलन साधना एक बड़ी चुनौती है। भारत को अमेरिका के साथ अपने आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत बनाए रखना होगा, विशेष रूप से टेक्नोलॉजी, रक्षा और व्यापार के क्षेत्रों में। वहीं, ब्रिक्स को बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था को बढ़ावा देने और विकासशील देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत की विदेश नीति के लिए यह संतुलन ही सबसे अहम कूटनीतिक रणनीति होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सख्त व्यापारिक रुख ने भारत के सामने एक नई चुनौती खड़ी कर दी है। ट्रंप ने भारत पर जवाबी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है, जिससे दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है। अमेरिका का मानना है कि भारत कई उत्पादों पर ज्यादा टैरिफ लगाता है, जबकि अमेरिकी बाजारों में भारतीय कंपनियों को विशेष रियायतें मिलती हैं। ट्रंप पहले ही स्टील और एल्युमिनियम के आयात पर शुल्क

बढ़ाकर भारतीय निर्यातकों को झटका दे चुके हैं। इस बीच, भारत ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) का भी अहम हिस्सा है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। ब्रिक्स भारत को वैकल्पिक वित्तीय तंत्र तक पहुंच देता है, जिससे पश्चिमी देशों पर उसकी निर्भरता कम होती है। इसके अलावा, ब्रिक्स भारत को नए बाजारों तक पहुंच प्रदान करता है और वैश्विक मंच पर अपनी आवाज बुलंद करने का अवसर देता है। खासकर चीन के साथ भारत के जटिल रिश्तों के बीच ब्रिक्स एक संतुलन बनाए रखने में मददगार हो सकता है। दूसरी ओर,अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2023 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 190.08 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें 123.89 अरब डॉलर का वस्तु व्यापार और 66.19 अरब डॉलर का सेवा व्यापार शामिल था। दोनों देशों ने 2030 तक इस व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। अमेरिका भारत में निवेश का एक प्रमुख स्रोत भी है और रक्षा, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में दोनों देशों का घनिष्ठ सहयोग है।

मौसम ने ली करवट, राजधानी में अगले दो दिनों तक हल्की बारिश के आसार

नई दिल्ली। पिछले कई दिनों से राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते तापमान के बीच मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के चलते राजधानी समेत राजस्थान और हरियाणा में अगले दो दिनों तक बारिश होने की संभावना है। इससे तापमान में थोड़ी गिरावट होने की संभावना है। मंगलवार को मौसम विभाग ने बताया कि अगले दो घंटे में दिल्ली के कुछ स्थानों (रोहिणी, बादिली, पीतमपुरा, मुंडाका, पश्चिम विहार, पंजाबी बाग, राजौरी गार्डन, बुद्ध जयंती पार्क, जाफरपुर, नजफगढ़, द्वारका, दिल्ली कैंट, पालम, वसंत विहार, वसंत कुंज), एनसीआर (बहादुरगढ़, गुरुग्राम, मानेसर) सोहाना, रेवाड़ी, पलवल, बावल, नूंह, औरंगाबाद, होडल (हरियाणा) जट्टारी, खैर, नंदगांव में हल्की बारिश/बूंदा बांदी होने की संभावना है। इसके साथ अगले 2 घंटों के दौरान इगलास, बरसाना, राया, हाथरस, मथुरा, सादाबाद, आगरा, जजऊ (यूपी) भिवाड़ी, तिजारा, खैरथल, नगर, डीग, नदबई, भरतपुर, बयाना, धौलपुर (राजस्थान) में भी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार राजधानी में 18 फरवरी को हल्के बादल छाए रह सकते हैं और सुबह हल्का कोहरा भी रह सकता है। 19 और 20 फरवरी को दिल्ली में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है जिसकी वजह से मौसम में ठंडक बढ़ सकती है।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस की 189वीं जयंती : पीएम मोदी ने किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान संत स्वामी रामकृष्ण परमहंस की 189वीं जयंती पर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक विशेष वीडियो पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने स्वामी रामकृष्ण परमहंस के योगदान और उनकी आध्यात्मिक शिक्षाओं को याद किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पोस्ट करते हुए, कहा सभी देशवासियों की ओर से स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। उन्होंने वीडियो संदेश में कहा, कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस एक ऐसे संत थे जिन्होंने मां काली का स्पष्ट साक्षात्कार किया था और उनके चरणों में अपना सर्वस्व समर्पित

कर दिया था। वे कहते थे कि संपूर्ण जगत, चराचर सृष्टि मां की चेतना से व्याप्त है। यही चेतना बंगाल की काली पूजा में दिखती है और यही चेतना पूरे भारत की आस्था में समाहित है। यहां पीएम मोदी ने आगे कहा, कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने अपने ज्ञान और साधना से स्वामी विवेकानंद जैसे युगपुरुष को आध्यात्मिक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने समाज में भक्ति, त्याग और सेवा की भावना को जागृत किया। मैं उनके श्री चरणों में प्रणाम करता हूँ।

राम मंदिर परिसर में ड्रोन गिरने की घटना से, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

एजेंसी। अयोध्या

मंदिर की सुरक्षा को बढ़ाया गया

अयोध्या में राम मंदिर परिसर में ड्रोन गिरने की घटना से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि यह ड्रोन 3 नंबर गेट के पास उड़ रहा था, तभी एंटी-ड्रोन सिस्टम की मदद से मार गिरा दिया गया। इस घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां ने जांच शुरू कर दी गई है। सोमवार शाम जब श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रामलला दर्शन के लिए आई थी, तभी मंदिर परिसर में एक ड्रोन गिरने की घटना सामने आई। पुलिस ने तुरंत ड्रोन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में यह आशंका है कि भीड़ में भगदड़ मचाने के मकसद से यह हरकत की गई हो। जानकारी

के अनुसार, मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है कि ड्रोन गिराने की यह घटना किसी साजिश का हिस्सा तो नहीं है। मामले की गंभीरता को देखकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी गई है।

वहीं अब मंदिर परिसर में एंटी-ड्रोन सिस्टम का ट्रायल तेज किया गया है। इसके अलावा, मंदिर की सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि घटना की गहनता से जांच हो रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इसके साथ ही, मंदिर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, ताकि भविष्य में ऐसी किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने जम्मू कश्मीर में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की

एजेंसी। नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री डॉ. उमर अबदुल्ला के साथ केन्द्रशासित प्रदेश में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की। बैठक में जम्मू और कश्मीर में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, महानिदेशक, बीपीआरएंडडी और महानिदेशक, एनसीआरबी सहित गृह मंत्रालय और जम्मू और कश्मीर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में चर्चा के दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के

नेतृत्व में लाए गए तीन नए पीड़ित-केन्द्रित आपराधिक कानूनों के माध्यम से त्वरित न्याय सुनिश्चित करने में तकनीक का अधिकतम उपयोग करना चाहिए। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू और कश्मीर में अप्रैल तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निर्मित तीनों कानूनों का पूर्ण कार्यान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि नए कानूनों के पूर्ण कार्यान्वयन के लिए पुलिसकर्मियों और प्रशासन के व्यवहार में बदलाव लाना और नागरिकों में इनके बारे में जानकारी पैदा करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद पर नियंत्रण में आई गति और सुरक्षा हालात में सुधार के बाद अब वहां के नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना जम्मू और कश्मीर पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। शाह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में ट्रायल इन एब्सेंसिया के प्रावधान को त्वरित रूप से इस्तेमाल करने की आवश्यकता है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने चार्जशीट दाखिल करने के काम में तेजी लाने के लिए पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर के हर पुलिस स्टेशन को एनएएफआईएस के अधिकतम उपयोग को व्यवहार में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जांच अधिकारियों का नए कानूनों के प्रावधानों के बारे में शत-प्रतिशत प्रशिक्षण जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए।

पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने सपरिवार संसद भवन का किया दौरा

नई दिल्ली। यूनाइटेड किंगडम के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने मंगलवार को अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति और बेटियों कृष्णा एवं अनुष्का के साथ संसद भवन का दौरा किया। राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति भी उनके साथ थीं। लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने सुनक और उनके परिवार का स्वागत किया। अपने दौरे के दौरान सुनक परिवार ने संसद भवन परिसर का दौरा किया और इसकी वास्तुकला की भव्यता की प्रशंसा की। उन्होंने गैलरी, चैंबर, संविधान हॉल और संविधान सदन जैसे प्रमुख स्थलों का दौरा किया। यह दौरा सुनक के हाल के भारतीय कार्यक्रमों का हिस्सा है। कुछ दिन पहले 15 फरवरी को उन्होंने अपने परिवार के साथ आगरा में ताजमहल का दौरा किया था।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में सीईसी चयन पर बैठक, राहुल गांधी भी हुए शामिल

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार के 18 फरवरी को रिटायर होने के बाद उनकी जगह नए सीईसी की नियुक्ति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हुए। मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करने वाली सेलेक्शन कमेटी में पीएम मोदी, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शामिल हैं। राजीव कुमार की सेवानिवृत्ति के बाद ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बनेंगे, जिनका कार्यकाल 26 जनवरी 2029 को तक रहेगा। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस ने इस चयन प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की हुई है और मांग की है कि अदालत में सुनवाई होने तक इस बैठक को स्थगित किया जाए। कांग्रेस

नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के पूर्व के फैसले के खिलाफ है। उन्होंने कहा, सीईसी की नियुक्ति में संतुलन जरूरी है। चयन प्रक्रिया में सिर्फ कार्यपालिका का दखल नहीं होना चाहिए। कांग्रेस का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले निर्देश दिया था कि सीईसी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और मुख्य न्यायाधीश की समिति बनाई जाए, लेकिन केंद्र सरकार ने इसमें बदलाव कर मुख्य न्यायाधीश को हटाकर कानून मंत्री को शामिल कर दिया, जो न्यायिक संतुलन के खिलाफ है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

रामगढ़ में बदमाशों ने लूटी कार

एजेंसीः रामगढ़ । रामगढ़ थाना क्षेत्र के नईसराय में मंगलवार शाम को कथित तौर पर एक कार लूटने का मामला सामने आया है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। नईसराय के छोटा सिंह होटल के पास मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया कि रांची रोड की तरफ से एक सफेद रंग की कार रामगढ़ शहर की तरफ आ रही थी। छोटा सिंह होटल के पास उस कार को पीछे से आ रही एक कार और बाइक पर सवार लोगों ने ओवरटेक कर रोका। कार पर सवार चार लोगों और बुलेट पर सवार एक व्यक्ति ने गाड़ी रुकते ही हो हंगामा शुरू कर दिया। पहले तो पांचों व्यक्तियों ने कार चोरी होने का आरोप लगाया। इस दौरान सफेद रंग की कार में सवार एक व्यक्ति और दो महिलाओं को जबरन उन लोगों ने उतार दिया। जब महिलाओं ने थाने को सूचना देने की बात की, तब उन पांचों व्यक्तियों में से एक ने कार स्टार्ट की और चलता बना। बाकी के लोग भी फरार हो गए। पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो लूट के शिकार व्यक्ति और दोनों महिलाएं वहां नहीं थीं। लोगों ने बताया कि उन लोगों ने बताया कि वह थाने जा रहे हैं और कार लूट की सूचना दर्ज कराएंगे। फिलहाल पुलिस अपने स्तर से अब उन पांच लोगों को ढूंढ रही है, जो सफेद रंग की क्रेटा कार को तथाकथित तौर पर लूट कर ले गए हैं।

उपायुक्त ने की सोना सोबरन धोती-साड़ी योजना की समीक्षा

एजेंसीः खूंटी। समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम छमाही के दौरान सोना सोबरन धोती-साड़ी योजना के तहत पात्र लाभुकों को वस्त्र (धोती, साड़ी एवं लुंगी) वितरण की व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उपायुक्त ने वस्त्रों का वितरण जन वितरण प्रणाली के विक्रेताओं के माध्यम से कराने का निर्देश दिया, ताकि योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र लाभुकों तक पहुंच सके। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि योग्य लाभुकों को समय पर वस्त्र प्राप्त हो। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला कोषागार पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

अफीम की खेती करने वाले पांच आरोपित गिरफ्तार

एजेंसीः पलामू । पलामू जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में कार्रवाई कर अफीम (पोस्ता) की खेती करने वाले पांच आरोपितों को मंगलवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनमें मनातू थाना एवं पांकी थाना क्षेत्र से दो-दो और नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र से एक आरोपित की गिरफ्तारी हुई है। जिले की पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन के अनुसार अफीम की खेती में लिप्त नौडीहा बाजार थाना कांड संख्या 05/2023 के आरोपित लवलेश यादव को गिरफ्तार किया गया। लवलेश छतरपुर के धोबीडीह का रहने वाला है। इसी तरह पांकी थाना कांड संख्या 12/2025 के आरोपित मुकेश यादव पिता हरदेव यादव एवं निरंजन कुमार यादव उर्फ रंजन यादव उर्फ गोला पिता राजकुमार यादव को गिरफ्तार किया गया है। दोनों केकरगढ के रहने वाले हैं। मनातू थाना कांड संख्या 17/2025 के आरोपी इंदर यादव पिता सुगा यादव एवं कांड संख्या 12/2025 के आरोपी गोविंद यादव पिता फकीरा यादव को गिरफ्तार किया गया है। इंदर तरहसी के ताल, जबकि गोविंद मनातू के बड़की नागद का रहने वाला है। एसपी ने जानकारी दी है कि नशे के अवैध व्यापार के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है।

युवक की हत्या, अपराधियों की धर पकड़ के लिए सघन छापेमारी

एजेंसीः खूंटी। कर्रा-रांची मुख्य मार्ग पर छाता नदी के पास युवक की हत्या मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने कहा है कि अपराधियों की धर पकड़ के लिए सघन छापामारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार अपराधियों ने सोमवार रात रातू थाना क्षेत्र के सुंडिल गांव निवासी संदीप टोप्पो की हत्या कर दी थी। कर्रा थाना पुलिस सोमवार को शव को बरामद कर कर्रा थाना लाई और मंगलवार को सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सौंप दिया। मृतक की पत्नी खुशबू तिर्की ने कर्रा थाना की पुलिस को बताया कि वह अपने पति संदीप टोप्पो के साथ सोमवार को ससुराल बसिया से अपनी कार से लौट रहे थे। रात करीब आठ बजे दो मोटरसाइकिलों पर सवार पांच लोगों ने गाड़ी रोकने की इशारा किया तो संदीप ने कार रोक दी। गाड़ी रुकते ही अपराधियों ने संदीप टोप्पो को खींच कर सड़क पर उतारा और धारदार हथियार से हत्या कर दी। कर्रा थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। अपराधियों की धर पकड़ के लिए पुलिस सघन छापामारी कर रही है।

अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंटः बिहार को हराकर बंगाल ने दर्ज की जीत

एजेंसीः पलामू। वीर शहीदों की पावन स्मृति में मेदिनीनगर के पुलिस लाइन स्टेडियम में हो रहे अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट में मंगलवार को एसबीएस टीसी दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल एवं आजाद क्लब समस्तीपुर, बिहार के बीच मैच खेला गया। मुकाबला शुरू होने से पहले स्कूली बच्चों के द्वारा सभी खिलाड़ियों का ग्राउंड में स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया। इस मैच में दुर्गापुर, बंगाल की टीम बहुत ही शानदार शुरुआत करते हुए शुरू से ही समस्तीपुर, बिहार की टीम पर भारी रही। मध्यांतर के बाद इस टीम ने दो अंकों से बढ़त बना ली थी और अंत में मैच में जीत दर्ज की। ओप्पू बावरी मैन ऑफ द मैच घोषित किए गए। आज के मैच के मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से देश का मान-सम्मान बढ़ता है। आयोजन समिति के सचिव मनोहर कुमार लाली ने मोमेंटो, अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर मुख्य अतिथि को सम्मानित किया। इसी प्रकार आयोजन समिति के पदाधिकारियों के द्वारा अन्य विशिष्ट अतिथियों को भी मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने 6 छात्रोपयोगी वेब पोर्टल का किया अनावरण

एजेंसीःरांची

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन सभागार में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग अंतर्गत छात्रोपयोगी वेब पोर्टल्स का अनावरण तथा रांची विज्ञान केंद्र के नव प्रवर्तन केंद्र का शुभारंभ समारोह एवं झारखंड अनुसंधान तथा नवाचार नीति-2025 हेतु आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से विकसित छह पोर्टल का अनावरण एवं रांची विज्ञान केंद्र स्थित नव प्रवर्तन केंद्र (इनोवेशन हब) का उद्घाटन किया। इन पोर्टल के अनावरण का उद्देश्य डिजिटल गवर्नेंस तथा डिजिटल इनफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने हेतु उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के डिजिटल कार्यान्वयन, वेतन निर्धारण और सत्यापन पोर्टल, निजी विश्वविद्यालय प्रबंधन पोर्टल, वित्त रहित कॉलेज अनुदान आवेदन पोर्टल जैसे कई पोर्टलों को विकसित करना है।

इन पोर्टल का हुआ अनावरण- वेतन निर्धारण पोर्टल, लर्निंग मैनेजमेंट पोर्टल, निजी विश्वविद्यालय प्रबंधन पोर्टल, मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना पोर्टल, अप्रेंटिस प्रबंधन पोर्टल, वित्त रहित कॉलेज अनुदान पोर्टल। कार्यक्रम में इनोवेशन हब के तहत क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, रांची परिसर में स्थापित इनोवेशन हब बनाने की बात कही गई। इससे रचनात्मक एवं नवाचारी विचारों का पोषण, इनोवेटिव सोच और व्यावहारिक समस्या का समाधान, इनोवेशन को प्रेरित करने के लिए उचित वातावरण मिल सकेगा। इसके अलावा रांची स्थित क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र को साइंस सिटी के रूप में अपग्रेड करने के लिए 270 करोड़ की परियोजना तैयार की बात कही गई। इस अवसर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि आने वाले समय में राज्य के बच्चों को निपुण बनाना सरकार की प्राथमिकता है। दक्षता के क्षेत्र में झारखंड के विद्यार्थियों को आगे रखने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग अंतर्गत विभिन्न पोर्टल्स का शुभारंभ होना एक सकारात्मक पहल है। इन पोर्टल्स के जरिए राज्य की शिक्षा व्यवस्था को डिजिटल मोड में ले जाने का प्रयास किया गया है। इस अवसर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार, मुख्य सचिव अलका तिवारी, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग राहुल कुमार पुरवार, मैनेजिंग डायरेक्टर-सह-सीईओ सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विस इंडिया लि. के संजय कुमार राकेश और राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपति सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

श्री कृष्ण प्रणामी ट्रस्ट ने कराया दिव्यांगों को भोजन

एजेंसीःरांची

स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में श्री कृष्ण प्रणामी ट्रस्ट के तत्वावधान में मंगलवार को रांची के पुंदाग स्थित राधिका सदानंद सेवाधाम में सदुरु कृपा अपना घर आश्रम में रहे दिव्यांगों को भोजन कराया गया। समाज के धर्मप्रेमी श्रद्धालु और प्रणामी ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने 37 निराश्रित दिव्यांगों को अन्नपूर्णा सेवा के तहत भोजन कराया। अपना घर आश्रम के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि संस्था ने पिछले 12 दिनों में लगभग 2540 निराश्रितों एवं उनकी देखभाल करने वाले सेवादारों में अन्नपूर्णा सेवा भोजन बांटा है। उन्होंने कहा कि इस पुनीत कार्य में संस्था के रिशी टाक, राकेश कुमार, नरेश डालमिया, निर्मल अग्रवाल, दिनेश कुंवर, आलोक कुमार, प्रमोद प्रसाद, अशोक नारसरिया, अशोक अग्रवाल, सरिता केजरीवाल, अशोक कुमार ने सहयोग किया। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज कुमार चौधरी, संस्था के वरिष्ठ सदस्य पुर्णमल सर्राफ, चिरंजीलाल खंडेलवाल, सुरेश अग्रवाल, सज्जन पाड़िया, नंद किशोर चौधरी समेत संस्थाा के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रैपिडो कर्मी को घायल कर मोबाइल लूटने वाला आरोपित गिरफ्तार

एजेंसीःरांची

पुलिस ने जगरनाथपुर थाना इलाके में रैपिडो कर्मी को घायल कर उसका मोबाइल लूटने के आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान केशव सिंह के रूप में हुई है। इस संबंध में पीड़ित ने जगरनाथपुर थाना में मामला दर्ज कराया था। दर्ज प्राथिमिकी के अनुसार 22 जनवरी को रैपिडो कर्मी हिनु चौक के पास सवारी के इंतजार में खड़ा था। उसके पास रैपिडो ऐप पर हटिया रेलवे स्टेशन रोड से हरमू चौक की बुकिंग का मैसेज आया। पिकअप लोकेशन पर पहुंचने पर वहां एक लड़की खड़ी मिली। उसने रैपिडो कर्मी से उसका मोबाइल फोन अपने परिवार से बात करने के लिए मांगा। थोड़ी देर बाद वहां एक लड़का पहुंचा और रैपिडो कर्मी पर लड़की से छेड़छाड़ का आरोप लगाने लगा। इसमें लड़की भी उसका साथ देने लगी। जब रैपिडो कर्मी ने अपना मोबाइल मांगा तो वह लड़का रैपिडो कर्मी से मारपीट करने लगा और चाकू निकाल कर उसे जख्मी कर दिया। उसने कहा कि भाग जाओ नहीं तो जान से मार देंगे। इसके बाद रैपिडो कर्मी वहां से भागकर नजदीक होटल के पास पहुंचा जहां स्थानीय लोगों के सहयोग से उसे अस्पताल पहुंचाया गया। घटना को लेकर पुलिस ने टीम गठित कर जाल बिछाया और आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। लड़की के संबंध में आरोपित ने बताया कि वह उसकी पत्नी है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है

किसान मेला 19 को, उपायुक्त शशि रंजन ने तैयारियों का लिया जायजा

एजेंसीः पलामू

डालटनगंज के शिवाजी मैदान में 19 फरवरी को प्रमंडल स्तरीय किसान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन होना है। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) की ओर से आयोजित होने वाले इस किसान मेला को लेकर पलामू उपायुक्त शशि रंजन ने मंगलवार को आयोजन स्थल शिवाजी मैदान का निरीक्षण किया। उन्होंने मेला के सफल आयोजन को लेकर चल रही तैयारियों का जायजा लिया। उपायुक्त ने किसान मेला आयोजन के मुख्य मंच, मंच पर अतिथियों की बैठने की सुविधा, बैकड्रॉप, जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ व्यक्तियों तथा आगंतुकों के बैठने आदि की व्यवस्था, विभिन्न विभागों द्वारा लगाये जा रहे स्टॉल, पार्किंग की व्यवस्था, महिला एवं पुरुष किसानों के आगमन को लेकर तैयारी, उनके बैठने की व्यवस्था, खाना, शुद्ध पेयजल, शौचालय आदि के प्रबंध किये जाने की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने समय रहते सभी कमियों को दूर करते हुए तैयारी पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्टॉल पर बैनर-पोस्टर के माध्यम से संबंधित विभाग का नाम एवं प्रदर्शनी से संबंधित जानकारी भी प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। किसान मेला में पलामू प्रमंडल क्षेत्र के तीनों जिले पलामू, लातेहार एवं गढ़वा के विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाये जाएंगे। स्टॉलों के माध्यम से लाभुकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जायेगा। साथ ही उन्हें योजनाओं को लेकर जागरूक किया जायेगा। वहीं विभिन्न विभागों की ओर से लाभार्थियों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण भी किया जायेगा।

समीक्षा बैठक आयोजित की

एजेंसीःरांची

होटल रेडिशन ब्लू में मुख्य आयकर आयुक्त शांतनु धमीजा भा.रा.से की अध्यक्षता में मंगलवार को राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास, केका) रांची की छह माह में होने वाली समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक इस वित्तीय वर्ष की द्वितीय एवं नराकास की 28वीं बैठक थी। रांची स्थित नराकास समिति के सदस्य कार्यालयों में से लगभग 130 सदस्य इस बैठक में शामिल हुए, जिसमें 45 कार्यालयों के कार्यालय और विभागाध्यक्ष भी शामिल हुए। बैठक का संचालन करते हुए समिति के सचिव डॉ सूर्यकांत सामल ने मौजूद लोगों का स्वागत किया। स्वागत संबोधन के बाद बैठक में शामिल सभी विभागों के प्रतिनिधियों ने अपना परिचय दिया। सचिव ने अध्यक्ष के साथ, नराकास बैठक की महत्ता एवं सदस्य कार्यालयों से प्राप्त तिमाही रिपोर्टों की समीक्षा की। मौके पर समिति के अध्यक्ष शांतनु धमीजा ने कहा कि यदि अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी में कार्य करना व करवाना है तो हमें इस प्रकार से योजना बनानी पड़ेगी कि लोग हमारे पास आएं और कहें कि मैं हिंदी में कार्य करना चाहता हूं।

किसानों को वैकल्पिक खेती के लिए करें प्रेरित : उपायुक्त

एजेंसीः रामगढ़

उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामसभा से अपील की है कि वे खूंटी जिले में अफीम की अवैध खेती के दुष्प्रभावों पर अंकुश लगाने, अफीम विनष्टीकरण तथा किसानों को वैकल्पिक खेती की ओर प्रेरित करने में सहयोग करें। उपायुक्त अफीम की खेती को लेकर मंगलवार को मुरहू प्रखंड कार्यालय के सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में सभी पंचायत स्तरीय जनप्रतिनिधि, मुखिया, ग्राम प्रधान, प्रखंड प्रमुख, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य आदि उपस्थित थे। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, उप परियोजना निदेशक आत्मा, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी, अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी भी मौजूद थे। बैठक में वैकल्पिक खेती को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए ड्रैगन फ्रूट, टमाटर, बैंगन समेत अन्य फसलों की खेती को अपनाने पर जोर दिया गया, जिससे किसान अच्छा मुनाफा कमा सकें। उपायुक्त ने क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों से जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे अफीम विनष्टीकरण कार्य में सहयोग करने एवं वैकल्पिक खेती को लेकर लोगों को प्रेरित करने की अपील की। उपायुक्त ने पंचायत स्तर पर ग्राम सभाओं का आयोजन कर क्षेत्र के अनुसार वैकल्पिक खेती की योजना तैयार करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन किसानों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। मौके पर किसानों को वैकल्पिक खेती की ओर प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा मूंग बीज समेत अन्य बीजों का वितरण किया गया।

प्रयागराज महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई, दो की मौत

एजेंसीः रामगढ़

रामगढ़ जिले के मांडू थाना क्षेत्र में मंगलवार को प्रयागराज महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार खड़े ट्रक में टकरा गई। दुर्घटना में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। श्रद्धालु महाकुंभ में स्नान कर पश्चिम बंगाल के झालदा लौट रहे थे। लौटने के क्रम में मांडू थाना क्षेत्र के सेमरा जंगल के समीप कार चालक को झपकी आई और कार एनएच 33 के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। मांडू पुलिस ने सभी घायलों को सदर अस्पताल रामगढ़ भेज दिया है। मृतकों में एक महिला का नाम बिंदु महतो बताया जा रहा है जबकि दूसरी महिला का नाम अभी तक पता नहीं चल पाया है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

आठ सूत्री मांगों को लेकर हिमकियू ने एचओपी को लिखा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो थर्मल : हिंद मजदूर किसान यूनियन ने आठ सूत्री मांगों को लेकर डीवीसी बोकारो थर्मल के एचओपी को मंगलवार को पत्र सौंपा है। एचओपी को सौंपे गए पत्र पर यूनियन के अध्यक्ष हेमलाल महतो,सचिव खेमलाल महतो तथा संगठन सचिव रघुनाथ मिर्धा ने हस्ताक्षर किये हैं। यूनियन के मांग पत्र में लिखा गया है कि पावर प्लांट में कार्य करनेवाली कंपनियों में स्थानीय एवं ग्रामीण मजदूरों को काम पर रखने की बजाय कंपनियां बाहर के मजदूरों से कार्य करवा रही है और राज्य सरकार के नियोजन संबंधी नीति की अवहेलना की जा रही है।पूर्व में भी यूनियन के द्वारा नौ सूत्री मांग पत्र दिया गया था, जिसपर वार्ता के बाद भी उसे अमल में नहीं लाया गया। लिखा कि यूनियन की मांगों को पूरा नहीं किया गया, तो चरणबद्ध आंदोलन के तहत 19 से दो दिवसीय धरना तथा 21 को पावर प्लांट गेट पर प्रदर्शन एवं गेट जाम आंदोलन के साथ ऐश पौंड को भी ठप किया जाएगा। मांग पत्र की प्रतिलिपि डीवीसी चेयरमैन, बोकारो डीसी, एसपी, बेरमो एसडीएम, डीजीएम, यूनियन के प्रदेश महासचिव सहित थाना को दी गई है।

स्वास्थ्यकर्मियों को चार महीने से मानदेय नहीं, रोष

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : जरीडीह प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और उप केंद्रों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों को विगत चार माह से मानदेय नहीं मिलने के कारण कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। 17 पंचायतों वाले इस प्रखंड में 60 कर्मी कार्यरत हैं। मनोज दास, लोकनाथ महतो, विधान महतो, दीपक कुमार, जयराम महतो, ममता कुमारी, शीला शांडिल्य, रेखा कुमारी आदि ने बताया कि मानदेय नहीं मिलने की जानकारी उपायुक्त, सिविल सर्जन तथा रेफरल प्रभारी को भी है, लेकिन वे भी सरकार से दिलाने के बजाय चुप्पी साधे हुए हैं। कर्मियों ने ईपीएफओ व ईएसआई कटौती में पारदर्शिता, बीमा, आवास की सुविधा, सीएल व इएल की व्यवस्था, ड्रेस कोड भुगतान आदि का नहीं मिलना दुर्भाग्य है। बता दें कि सुदूर पंचायतों संचालित केंद्रों में जाकर काम करने के लिए रोज आर्थिक स्थिति उत्पन्न होती है। सरकार मानदेय जल्द दे, अन्यथा जिले के आउटसोर्सिंग कर्मी हड़ताल करने को बाध्य होंगे। इधर, प्रभारी डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि मानदेय नहीं मिलने से कर्मचारी नाखुश और मायूस हैं। जिले को जानकारी दी गई है।

हल्का क्षेत्रों में राजस्व शिविर लगाया गया, 03 तक रहेगा जारी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर जिले के सभी अंचलों के विभिन्न हल्का क्षेत्रों में विशेष राजस्व शिविर का आयोजन किया गया, जो आगामी 03 मार्च 2025 तक अलग-अलग हल्का क्षेत्रों में जारी रहेगा। पहले दिन मंगलवार को जिले के चास अंचल के रानीपोखर, पुपुनकी, चास, जरीडीह अंचल के टांड़ बालीडीह, कसमार अंचल के पोंडा, सोनपुरा, मंजुरा, पेटरवार अंचल के पतकी,मर्दाना,सदमाकला, बेरमो अंचल के अरमो, नावाडीह अंचल के मूंगो रांगामाटी,चिरूडीह एवं चंद्रपुरा अंचल के तुरियो पंचायत भवन (हल्का क्षेत्र) में शिविर का आयोजन किया गया। जहां खतियानी रैयत के उत्तराधिकारियों एवं आपसी बंटवारा के आधार पर दाखिल-खारिज के लिए आवेदन प्राप्त किए गए। शिविर में भूमि संबंधित अन्य समस्याओं का भी निराकरण संबंधित अंचल के अंचलाधिकारियों द्वारा किया गया। साथ ही, अग्रतर कार्रवाई के लिए आवेदन प्राप्त किया गया। शिविर में काफी संख्या में आमजन शामिल हुए। वहीं, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी उक्त विशेष राजस्व शिविरों की निगरानी करते हुए संबंधित अंचलाधिकारियों को शिविर के सफल आयोजन को लेकर स्थानीय स्तर पर प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया।

बोकारो विधायक की अध्यक्षता में चास प्रखंड की समीक्षा बैठक आयोजित

बोकारो : बोकारो परिसदन में आज बोकारो विधायक स्वेता सिंह की उपस्थिति में चास प्रखंड के पदाधिकारियों और पंचायत सचिवों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड में चल रही योजनाओं की समीक्षा की गई और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निर्देश दिए गए।

विधायक ने कहा कि पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर जमीन दाखिल-खारिज, दस्तावेजों से जुड़ी समस्याओं का ऑन-स्पॉट समाधान किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को राज्य सरकार की योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने का निर्देश दिया, ताकि ये जन-जन तक पहुंचे और क्षेत्र का समग्र विकास हो।

बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बोकारो थर्मल में 1976 बैच के पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन समारोह आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी उच्च विद्यालय के 1976 बैच के विद्यार्थियों का तीन दिवसीय एलुमनी मीट 17 फरवरी की रात्रि को स्थानीय त्रिजल मैरेज हॉल में आरंभ किया।समारोह का उद्घाटन उक्त बैच के विद्यार्थियों ने दीप प्रज्वलित कर तथा एक दूजे को बधाई के साथ किया। बाद में सभी ने डीवीसी उच्च विद्यालय की भूगोल की शिक्षिका तथा प्राचार्या कुसुम देवी सिंह के निधन सहित पूर्ववर्ती वैसे विद्यार्थी जिनका निधन हो गया है, एक शोक सभा का आयोजन कर सभी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। एलुमनी मीट में शामिल होने के लिए कोलकाता, पटना, बेंगलुरु,मुंबई, अमेरिका, इंग्लैंड, लखनऊ, रांची,रानीगंज, वर्द्धमान, बोकारो थर्मल आदि स्थानों से लगभग 65 वर्ष की आयु के 70 पूर्ववर्ती विद्यार्थी पहुंचे हैं।

मंगलवार को सभी विद्यार्थी वन भोज एवं नौका विहार के लिए कोनार डैम जाकर जमकर एंजॉय किया। एलुमनी मीट के तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत 19 फरवरी को सभी स्कूल का भ्रमण कर वर्तमान प्राचार्य एवं शिक्षकों-शिक्षिकाओं तथा विद्यार्थियों से मिलकर अपने पूर्व के अनुभवों को साझा करेंगे तथा प्राचार्य, शिक्षकों आदि को सम्मानित करेंगे। सभी पूर्ववर्ती विद्यार्थी डीवीसी के एचओपी सह वरीय जीएम सुशील कुमार अरजरिया से भी मिलकर उन्हें सम्मानित करने का कार्य करेंगे। एलुमनी मीट में मुख्य रुप से मो शाहजहां,ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव,प्रदीप प्रसाद,विनोद भाटिया,विजय नैयर, रणविजय सिंह, विजय कुमार सिंह, अनिल कुमार श्रीवास्तव, दिलीप कृष्णन, मो शमीम, गौतम विश्वास, मधुमिता, शांति लकड़ा, रंजनी, सुजाता, अबुल, एस चिदंरबम, मो मनीरुद्दीन आदि मौजूद रहे।

डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधि ने सेविका के साथ जाकर घर-घर दवा खिलाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : राज्य सरकार के निर्देश पर बोकारो थर्मल में चलाये जा रहे फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधि उत्तम कुमार के साथ बेरमो स्वास्थ्य विभाग के कर्मी एवं सेविका मंगलवार को स्थानीय राजाबाजार भाग दो केंद्र के अंतर्गत आनेवाले लोगों के घर-घर जाकर सभी सामने ही फाइलेरिया की दवा खिलाई गई। टीम के सदस्यों सहित सेविका तबस्सुम आरा ने लोगों को फाइलेरिया बीमारी के बारे में बताते हुए दवा खिलाई और कहा कि पांच वर्ष तक लगातार बीमारी की दवा खा लेने से बीमारी नहीं होता है। डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधि ने बताया कि जो लोग ब्लड प्रेशर, शुगर या हार्ट की बीमारी से पीड़ित हैं ऐसे लोगों को फाइलेरिया की दवा नहीं दी जा रही है। साथ ही गर्भवती महिलाओं को भी यह दवा नहीं दी जा रही है। बताया गया कि प्रखंड अबतक 70 प्रतिशत लोगों को दवा दी जा चुकी है। मौके पर एमटीएस मनोज कुमार, एमपीडब्ल्यू रंजीत कुमार, मुकेश कुमार भी थे।

संसदीय राजभाषा समिति की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करने का आह्वान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के सीओ एवं सीसी विभाग में मंगलवार को भूषण कुमार सिंह, विभाग के महाप्रबंधक की अध्यक्षता में एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सीओ एवं सी सी विभाग के अधिशासी तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यशाला का संचालन बी एस एल के राजभाषा अधिकारी आलोक कुमार, उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) तथा मानस चंद्र रजवार, सहायक प्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) द्वारा किया गया। कार्यशाला में राजभाषा विभाग की तरफ से डॉ एन के राय , प्रधानाचार्य (शिक्षा विभाग) उपस्थित थे।

कार्यशाला की शुरुआत में लखविंदर सिंह, उप प्रबंधक (सीओ एवं सीसी) ने सभी का स्वागत किया, तत्पश्चात बी एस एल के राजभाषा अधिकारी आलोक कुमार, उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) ने हिंदी का राजभाषा के रूप में महत्व, इसकी उपयोगिता तथा संविधान में इसके महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा संसदीय राजभाषा समिति की अपेक्षाओं के अनुरूप हिंदी पत्राचार में यूनिकोड का अधिकाधिक प्रयोग करने की अपील की। कार्यशाला में हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया तथा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया गया। कार्यशाला का समापन लखविंदर सिंह, उप प्रबंधक (सी ओ एवं सी सी) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ।

दूसरे छात्र के बदले दे रहा था मैट्रिक की परीक्षा, हुआ निष्कासित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो में मैट्रिक परीक्षा के दौरान एक मुन्ना भाई पकड़ा गया। मंगलवार को झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) की ओर से संचालित मैट्रिक परीक्षा के दौरान किसी और परीक्षार्थी की जगह परीक्षा दे रहा एक छात्र पकड़ा गया। उसे तत्काल परीक्षा से निष्कासित कर दिया गया। मामला चास प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय (यूएचएस) सोनाबाद सेंटर (कोड 25014) का है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, परीक्षा केंद्र में वीक्षक द्वारा छात्रों के एडमिट कार्ड का सत्यापन क्रम में पाया गया कि राज कुमार गुप्ता नामक एक छात्र एक अन्य छात्र दयाल कुमार बाउरी के नाम का एडमिट कार्ड लेकर बैठा है। वीक्षक द्वारा संदेह होने पर संबंधित छात्र के एडमिट कार्ड एवं उसके आधार कार्ड का मिलान किया गया, जिसमें अंतर पाया गया। इसके बाद वीक्षक ने पूरे मामले की जानकारी केंद्राधीक्षक को दी। केंद्राधीक्षक ने मामले से जिले के वरीय पदाधिकारियों को अवगत कराते हुए संबंधित छात्र को निष्कासित करते हुए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया।

इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा ने बताया कि मामले से झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) को अवगत करा दिया गया है। प्रशासन कदाचार मुक्त वातावरण में परीक्षा संपन्न कराने को लेकर प्रतिबद्ध है।

खलासी गाड़ी चलाते पकड़े गए, तो नपेंगे ट्रांसपोर्टर

सड़क हादसों पर रोक लगाने को लेकर डीटीओ ने की बैठक, दिए निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : समाहरणालय सभागार में मंगलवार को जिले में बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) चास प्रांजल ढ़ांडा की अध्यक्षता में जिले में संचालित सीटीपीएस/बीटीपीएस प्रबंधन के प्रतिनिधियों एवं विभिन्न ट्रांसपोर्टरों के साथ बैठक की गई। मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सड़क सुरक्षा टीम के सदस्य आदि उपस्थित थे।

बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि रात्रि में वाहन जांच अभियान के दौरान मालवाहक वाहनों का परिचालन चालक (ड्राइवर) के स्थान पर खलासी (सह चालक/हेल्पर) द्वारा किया जाता है, जो सही नहीं है। वहीं, कई वाहनों में केवल चालक या खलासी रहते हैं, यह भी सही नहीं है। कई वाहन ओवरलोड पाये जाते हैं एवं छाई/कोयले के ढ़ुलाई क्रम में तिरपाल का इस्तेमाल नहीं करते है। इन सभी कारणों से सड़क दुर्घटनाएं होती है।

मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी चास ने कहा कि पीएसयू अपने यहां संचालित वाहनों में सुनिश्चित करें कि किसी भी परिस्थिति में परिवहन नियमों की अनदेखी नहीं हो। वाहन का परिचालन वैद्य कमर्शियल डीएल धारी चालक ही करें। वाहन परिचालन के समय चालक (ड्राइवर) के साथ सह-चालक (खलासी) वाहन में मौजूद हो। सहचालक वाहन का परिचालन नहीं करेंगे, इसे सख्ती से सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में परिवहन विभाग एवं उनके द्वारा सघन वाहन जांच अभियान दिन व रात में चलाया जाएगा। अगर किसी भी परिस्थिति में परिवहन नियमों/यातायात नियमों/मोटर वाहन अधिनियम आदि की अनदेखी पाई जाती है, तो कार्रवाई के साथ जुर्माना वसूला जाएगा। बैठक के क्रम में जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि वाहनों के साथ संबंधित ट्रांसपोर्टर के विरुद्ध भी नियम-संगत कार्रवाई होगी। इसलिए ट्रांसपोर्टर सुनिश्चित करेंगे कि उनके वाहन में सभी वैद्य दस्तावेज उपलब्ध हो, वाहनों का बीमा, टैक्स आदि अपडेट हो। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

बोकारो पुलिस ने एक माह से लापता प्रेमी युगल को किया बरामद, थाना प्रभारी की सराहनीय पहल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः कानून-व्यवस्था और जनता की सुरक्षा के प्रति बोकारो पुलिस की तत्परता एक बार फिर सामने आई है। चीरा चास थाना प्रभारी चंदन दूबे के नेतृत्व में पुलिस ने बेहतरीन कार्यशैली का परिचय देते हुए एक माह से लापता प्रेमी युगल को धनबाद जिले के बलियापुर से बरामद कर लिया।

तकनीकी दक्षता और सूझबूझ से मिली सफलता- प्रेमी युगल के गायब होने की सूचना पर पुलिस ने तेजी से मोबाइल सर्विलांस और टेक्निकल सेल का सहारा लिया। चीरा चास थाना प्रभारी चंदन दूबे ने लगातार प्रयास कर मोबाइल लोकेशन को ट्रैक किया और स्थायी लोकेशन बलियापुर की जानकारी मिलने पर खुद टीम लेकर धनबाद पहुंचे। स्थानीय पुलिस के सहयोग से दोनों को सुरक्षित बरामद कर लिया गया।

प्रभावी कार्रवाई, परिजनों को मिली राहत- बरामदगी के बाद युवती का बयान बोकारो न्यायालय में दर्ज कराया गया और उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं, युवक को न्यायिक हिरासत में चास जेल भेज दिया गया। पुलिस युवती की मेडिकल जांच कराने की प्रक्रिया में जुटी है।

जनता का बढ़ा पुलिस पर विश्वास- यह मामला पुलिस की तेजी, सतर्कता और तकनीकी दक्षता का बेहतरीन उदाहरण है। चीरा चास थाना प्रभारी चंदन दूबे और उनकी टीम की मेहनत से ना सिर्फ परिजनों को राहत मिली, बल्कि यह भी साबित हुआ कि बोकारो पुलिस हर परिस्थिति में न्याय दिलाने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्पर है।

बोकारो पुलिस की इस तत्परता ने जनता के बीच विश्वास को और मजबूत किया है।

बोकारो पुलिस की तत्परता से 14 दिन बाद गुमशुदा व्यक्ति का शव बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः बोकारो पुलिस ने एक बार फिर अपनी सतर्कता और प्रभावी कार्यशैली का परिचय देते हुए 14 दिन से लापता व्यक्ति का शव बरामद कर लिया। हरला थाना क्षेत्र के कूलिंग पौंड स्थित नाले से मंगलवार को एक सड़ा-गला शव मिलने से सनसनी फैल गई।

पुलिस की सक्रियता से हुआ शव की पहचान- सूचना मिलते ही हरला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अनिल कच्छप अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पड़ताल में पता चला कि चीरा चास थाना क्षेत्र से 5 फरवरी को एक व्यक्ति लापता था। मामले की जानकारी मिलते ही चीरा चास थाना प्रभारी इंस्पेक्टर चंदन दूबे परिजनों को लेकर मौके पर पहुंचे, जहां शव की पहचान 45 वर्षीय राजीव नयन सिंह के रूप में की गई।

स्कूटी बरामदगी ने जोड़े कड़ी- गौरतलब है कि गायब होने के पांच दिन बाद पुलिस ने कूलिंग पौंड के समीप एक लावारिस स्कूटी बरामद की थी, जो राजीव की ही थी। इसके बाद से पुलिस लगातार उनकी तलाश में जुटी हुई थी।

तनाव में था राजीव, पुलिस ने डायरी बरामद की- राजीव बेरोजगार थे और पिछले कुछ समय से तनाव में चल रहे थे। पुलिस ने उनके घर से एक डायरी बरामद की, जिसमें उनके मानसिक तनाव का उल्लेख मिला।

पुलिस की तत्परता से परिजनों को मिला न्याय- इस मामले में चीरा चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह ने घटना स्थल पर पहुंचकर पूरी जानकारी ली और आगे की कार्रवाई का निर्देश दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस की सतर्कता से सुलझा मामला- बोकारो पुलिस ने तेजी और मुस्तैदी से जांच कर इस गुमशुदगी के मामले को सुलझाया। हरला थाना प्रभारी अनिल कच्छप और चीरा चास थाना प्रभारी चंदन दूबे की सक्रियता से परिजनों को राहत मिली और मामले की सच्चाई सामने आई। पुलिस की इस प्रभावी कार्यशैली ने एक बार फिर जनता का विश्वास मजबूत किया है।

बोकारो थर्मल केंद्रीय विद्यालय में ग्रैंड पेरेंट्स डे' समारोह आयोजित

पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को अच्छा इंसान बनने की भी दें सीख : एचओपी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित केंद्रीय विद्यालय में मंगलवार को 'ग्रैंड पेरेंट्स डे' समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया एवं स्कूल के प्राचार्य डॉ बलराम डे तथा एचएम विभा रानी श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में प्राचार्य ने स्वागत भाषण के साथ ही कार्यक्रम से सभी आगंतुकों को अवगत कराने का काम किया।स्वागत गीत स्कूल की बच्चियों के द्वारा पेश किया गया। स्कूल के बच्चों ने अपनी सांस्कृतिक और व्यवहारिक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। विशेषकर, उनके द्वारा पेश की गई लघु नाटिका 'हैप्पी फैमिली' ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान दादा-दादी और नाना-नानी के लिए मनोरंजक गतिविधियों म्यूजिकल चेयर का भी आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

समारोह को संबोधित करते हुए एचओपी ने एकल परिवार एवं संयुक्त परिवार में बच्चों के लालन पालन, संस्कार और बुजुर्गों के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने 'फैमिली ट्री' की अवधारणा पर चर्चा करते हुए पारिवारिक मूल्यों की महत्ता समझाई। कहा कि जो बच्चे दादा-दादी, नाना-नानी के साथ संयुक्त परिवार में एक साथ रहतें हैं उनके संस्कार जो एकल परिवार में सिर्फ माता-पिता के साथ रहतें हैं, उनसे काफी अलग होते हैं। कहा कि पढ़ाई के साथ बच्चों में संस्कार डालने की जरुरत है, ताकि वे अच्छे इंसान बन सकें।

प्राचार्य ने संबोधित करते हुए कहा कि ग्रैंड पैरेंटस बच्चों को दूसरे लोगों कें साथ कैसे व्यवहार करना होता है, सिखाने का कार्य करतें हैं। उन्होंने बच्चों को अपने ग्रैंड पेरेंट्स का सम्मान करने की बात कही। समारोह में उपस्थित बुजुर्गों और अभिभावकों ने भी अपने विचार साझा किए और विद्यालय के इस प्रयास की सराहना की। समारोह का संचालन शिक्षिका सारिका रानी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन विभा रानी श्रीवास्तव ने किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से आरके पाठक, वीएन सिंह,प्रभात कुमार, दीपिका तिर्की, सुमित कुमार, शुभम, राज श्री सिंह आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

दहेज प्रताड़ना मामले में आवेदनकर्ता पर जानलेवा हमला, केस उठाने की दी धमकी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के सैयद बाजार निवासी गुड़िया देवी ने मंगलवार को राजमहल महिला थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

गुड़िया देवी ने बताया कि उनका विवाह राधानगर थाना क्षेत्र के नवघरिया निवासी पप्पू चौधरी से हुआ था। विवाह के बाद से ही पति द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा, जिससे तंग आकर उन्होंने न्यायालय में दहेज प्रताड़ना का केस (जीआर 288/18) दर्ज कराया और मायके में रहने लगीं।

आरोप है कि बीते रविवार को पप्पू चौधरी अपने दोस्तों के साथ ई-रिक्शा से अचानक उनके घर पहुंचा और मारपीट कर उन्हें व उनके ममेरे भाई को घायल कर दिया। हमले के दौरान उसने केस वापस लेने की धमकी दी, अन्यथा जान से मारने की चेतावनी दी।

घटना की सूचना मिलते ही राजमहल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा। पीड़िता ने पुलिस से न्याय की मांग की है।

विद्युत विभाग द्वारा छापेमारी में पकड़ी गयी बिजली चोरी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र और तालझारी थाना क्षेत्र में मंगलवार को बिजली विभाग के एसडीओ पुनर कुमार झांसी के नेतृत्व में चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमे में राजमहल थाना क्षेत्र के बुधवारिया,सरकंडा और महाराजपुर,मसकलैया के विभिन्न गांव में छापेमारी अभियान चलाया गया।एसडीओ पुनर कुमार झांसी ने जानकारी देते हुए बताया की छापेमारी के दौरान 6 उपभोक्ताओं को चोरी छिपे अवैध रूप से बिजली उपयोग करते पकड़े जाने के मामले में राजमहल थाना में दो व्यक्ति एवं तालझारी थाना में चार व्यक्तियों के खिलाफ आवेदन देकर कार्रवाई की जा रही है. विद्युत चोरी के खिलाफ अभियान चलायें जा रहा है .मौके पर शौरभ, दिलीप झा अन्य विद्युत कर्मी मौजूद थे.

रिवर थाना प्रभारी ने किया क्षेत्र का भ्रमण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः रिवर थाना प्रभारी लव कुमार ने मंगलवार को नए रिवर थाना क्षेत्र का भ्रमण किया। जहां रिवर थाना प्रभारी लव कुमार के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने मखमलपुर उत्तर पंचायत क्षेत्र के लालबथानी अंश तथा कारगिल दियारा पिकेट सहित दर्जनों टोला का दौरा कर स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। उधर स्थानीय लोगों को रिवर थाना के संचालान की जानकारी दी। साथ ही लोगों से दियारा क्षेत्र में किसी भी आपराधिक गतिविधि होने पर इसकी सूचना देने को कहा। इस मौके पर रिवर थाना प्रभारी लव कुमार, एसआई विपिन कुमार सहित अन्य पुलिस बल उपस्थित थे।

जिला खनन कार्यालय में राजस्व संग्रहण को लेकर डीएमओ ने जिलेभर के क्रेशर संचालकों के साथ की बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः जिला खनन कार्यालय में मंगलवार को जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू ने राजस्व संग्रहण को लेकर जिलेभर के सभी क्रेशर संचालकों के साथ आवश्यक बैठक करते हुए कई तरह के दिशा निर्देश दिए। जहां इसको लेकर डीएमओ ने बताया कि उपायुक्त हेमंत सती के निर्देश पर सभी विभागों को मार्च महीने तक अपना अपना लक्ष्य शत प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया गया है। जहां इसी को लेकर जिलेभर के सभी क्रेशर संचालकों के साथ बैठक आयोजित करते हुए अपने अपने बकाए राजस्व को जल्द से जल्द जमा करने का निर्देश दिया गया है। आगे उन्होंने कहा कि मार्च महीने तक जिला खनन कार्यालय अपना लक्ष्य शत प्रतिशत पूरा कर लेंगी। इस मौके पर जिलेभर के कई क्रेशर संचालक मौजूद थे।

झारखंड में 289 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सौंपी जिम्मेदारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांचीः झारखंड सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज नगर विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत 289 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। कार्यक्रम का आयोजन प्रोजेक्ट बिल्डिंग स्थित सभागार में किया गया, जहां मुख्यमंत्री ने नवचयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी भूमिका झारखंड के विकास में महत्वपूर्ण होगी।

किन पदों पर हुई नियुक्तियां? इस नियुक्ति प्रक्रिया में गार्डेन अधीक्षक, वेटरनरी ऑफिसर, सैनिटरी एंड फूड इंस्पेक्टर, सैनिटरी सुपरवाइजर, राजस्व निरीक्षक और विधि सहायक सहित 289 अभ्यर्थियों को नियुक्त किया गया। इनमें गार्डेन अधीक्षक 9 पद, वेटरनरी ऑफिसर 8 पद, सैनिटरी एंड फूड इंस्पेक्टर 12 पद, सैनिटरी सुपरवाइजर 42 पद, राजस्व निरीक्षक 174 पद, विधि सहायक 44 पद शामिल हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर झारखंडी के चेहरे पर मुस्कान लाना ही आपका लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार युवाओं को रोजगार देकर राज्य को विकास के पथ पर आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार देकर झारखंड को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने नवचयनित कर्मियों से ईमानदारी और निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आह्वान किया। नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए शहरों की आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए इन नियुक्तियों की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार निकाय क्षेत्रों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है और इससे संपूर्ण राज्य की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि शहरी विकास सरकार की प्राथमिकता है और नवचयनित कर्मियों से राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। झारखंड सरकार विभिन्न विभागों में नियमित रूप से नियुक्तियां कर रही है। इससे पहले भी 491 अभ्यर्थियों की नियुक्ति नगर विकास एवं आवास विभाग के विभिन्न पदों पर की जा चुकी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, निदेशक सुडा अमित कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और नवचयनित अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

गैस-सुरक्षा पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित, दिलाई गई शपथ

राष्ट्रीय मुख्यधाराः

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन संयंत्र के विभिन्न विभागों के लगभग 81 अधिकारियों , कर्मचारीगण तथा निविदा-कर्मियों के लिए सुरक्षा अभियंत्रण विभाग तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ विभाग से महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) विकास गुप्ता, सहायक महा प्रबंधक शुकदेव महतो, सहायक प्रबंधक विराट चौधरी तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग से सहायक महाप्रबंधक दिलीप तिर्की उपस्थित थे।

सहायक प्रबंधक (सुरक्षा अभियंत्रण विभाग) विराट चौधरी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) विकास गुप्ता ने इस कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा स्टील प्लांट के लिए गैस के सुरक्षित उपयोग के महत्व की जानकारी दी एवं सभी प्रतिभागियों से इस कार्यक्रम से अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। सहायक प्रबंधक (सुरक्षा अभियंत्रण विभाग), विराट चौधरी ने सभी प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाई, तत्पश्चात ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहायक महाप्रबंधक दिलीप तिर्की ने एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रतिभागियों को गैस सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्रबंधक (सुरक्षा अभियंत्रण विभाग) विराट चौधरी ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग का महत्वपूर्ण योगदान था।

जैप 9 में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी का चुनाव संपन्न, एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर दी बधाईयां

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः जैप 9 परिसर में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ का चुनाव का आयोजन किया गया था। जहां 7 अलग अलग पदों के लिए चुनाव मैदान में 20 प्रत्याशी खड़े थे। उधर शाखा मंत्री के पद पर खड़े जीतन किस्कू ने निर्विरोध तरीके से चुनाव जीत लिया। उधर 6 अलग अलग पदों जिसमें शाखा अध्यक्ष के पद पर पंकज ठाकुर, उपाध्यक्ष पद पर अनूप पांडे, संयुक्त मंत्री पद पर दिलीप कुमार राय, कोषाध्यक्ष पद पर विजय ठाकुर, संगठन मंत्री पद पर कृष्णानंद एवं मुख्यालय प्रतिनिधि पद पर मनोज कुमार यादव विजई घोषित हुए। जहां सभी विजई प्रत्याशियों को चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में आए हुए प्रदेश संयुक्त मंत्री चंद्रदीप ठाकुर, प्रदेश उपाध्यक्ष विनोरमा कुमारी, प्रांतीय कोषाध्यक्ष कपलेश्वर गोप, प्रदेश संयुक्त मंत्री नूरजहां खातून, प्रदेश संयोजक लक्ष्मण कुमार एवं प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप कुमार ने बारी बारी से सभी विजई प्रत्याशियों को फूलों का माला पहनाकर एवं अबीर गुलाल लगाकर बधाईयां दी। उधर चुनाव संपन्न होने के बाद जैप 9 के जवानों ने भव्य तरीके से आतिशबाजी करते हुए सभी प्रत्याशियों का स्वागत किया।

झारखंड में 15 IAS अधिकारियों के तबादले, कई को मिली नई जिम्मेदारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांचीः झारखंड सरकार ने 15 आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण एवं पदस्थापन किया है। सरकार द्वारा जारी आदेश के तहत विभिन्न विभागों में अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रमुख तबादले और नई जिम्मेदारियां

1. मस्त राम मीना – प्रधान सचिव, योजना एवं विकास विभाग से स्थानांतरित कर प्रधान सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की जिम्मेदारी दी गई। वे प्रभारी सदस्य, राजस्व पर्षद, झारखंड, रांची का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे।
2. पूजा सिंघल – पदस्थापन की प्रतीक्षा में थीं, अब उन्हें सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेन्स विभाग बनाया गया है। वे मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, झारखंड कम्युनिकेशन नेटवर्क लिमिटेड के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगी।
3. कृपानंद झा – सचिव, परिवहन विभाग से स्थानांतरित कर सचिव, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग बनाया गया।
4. विप्रा भाल – सचिव, परिवहन विभाग के रूप में पदस्थापित। वे परिवहन आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगी।
5. अरवा राजकमल – सचिव, भवन निर्माण विभाग के साथ-साथ सचिव, खान एवं भूतत्व विभाग, सचिव, उद्योग विभाग और अध्यक्ष, झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।
6. जितेंद्र कुमार सिंह – सचिव, खान एवं भूतत्व विभाग से स्थानांतरित कर सचिव, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग बनाया गया।
7. मुकेश कुमार – सचिव, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग से स्थानांतरित कर सचिव, योजना एवं विकास विभाग नियुक्त किए गए।
8. राजेश्वरी बी. – पदस्थापन की प्रतीक्षा में थीं, अब उन्हें विशेष सचिव, वित्त विभाग में तैनाती दी गई।
9. सौरम कुमार भुवानिया – संयुक्त सचिव, वित्त विभाग के साथ-साथ प्रबंध निदेशक, झारखंड अन्वेषण एवं खनन निगम लिमिटेड का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।

गैर सेवा से IAS बने अधिकारियों की नियुक्ति

1. कंचन सिंह – मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसायटी (JSLPS)
2. धनंजय कुमार सिंह – संयुक्त सचिव, वित्त विभाग
3. सीता पुष्पा – संयुक्त सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
4. विजय कुमार सिन्हा – उत्पाद आयुक्त एवं अपर प्रबंध निदेशक, झारखंड राज्य बेवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड
5. प्रीति रानी – संयुक्त सचिव, उद्योग विभाग
6. राजेश प्रसाद – निदेशक, माध्यमिक शिक्षा

झारखंड सरकार के इस प्रशासनिक फेरबदल से राज्य की नौकरशाही में नए सिरे से जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं। यह तबादला आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

टीकाकरण जागरूकता अभियान का सफल आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य पदाधिकारी द्वारा District Weekly Review Meeting में दिए गए निर्देशों के तहत, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा प्रखंड अंतर्गत वैक्सीन हेजिटेंसी (टीका झिझक) क्षेत्र ग्वालपाड़ा प्लासबोना गांव में एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया।

अभियान का नेतृत्व प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा किया गया, जिसमें माइकिंग, LED वैन प्रचार, और स्थानीय धर्मगुरुओं के सहयोग से ग्रामीणों को जन्म से 16 वर्ष तक के आवश्यक टीकों के बारे में जानकारी दी गई। विशेष रूप से उन परिवारों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिन्होंने टीकाकरण से इनकार किया था। MOIC बरहरवा, ग्राम मुखिया, बीपीएम, WHO प्रतिनिधि और SCHOOL संस्था के सहयोग से घर-घर जाकर टीकाकरण के लाभों को समझाया गया। परिणामस्वरूप, 8 अनिच्छुक परिवारों को टीकाकरण के लिए प्रेरित किया गया और उनके बच्चों को आवश्यक टीके लगाए गए।

कसमार के तीन पंचायतों में लगा राजस्व शिविर, कई मामलों का हुआ निष्पादन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो डीसी विजया जाधव के निर्देश पर ऑनलाइन झारभूमि पोर्टल पर दर्ज जमाबंदियों में त्रुटि के निराकरण, दाखिल खारिज, उत्तराधिकार, बंटवारानामा के आधार पर नामांतरण व विभिन्न राजस्व कार्यों भू-मापी, ऑन लाईन लगान रसीद से संबंधित शिकायतों के निष्पादन के लिए मंगलवार से जिले के सभी अंचल में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान कसमार प्रखंड के पोंडा, सोनपुरा व मंजूरा पंचायत सचिवालय में हल्का से संबंधित निष्पादित दाखिल खारिज वादों के शुद्धिपत्र का वितरण किया गया। शिविर में जन शिकायत से प्राप्त आवेदन में ज्यादातर आवेदन ऑनलाईन जमाबंदी दर्ज करने, ऑन लाईन लगान रसीद निर्गत, दाखिल खारिज एवं भू-मापी इत्यादि से संबंधित आई। कसमार अंचलाधिकारी प्रवीण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि कसमार प्रखंड के अलग-अलग हल्का में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। पहले दिन तीन पंचायतों मे राजस्व संबंधी शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें मामलों का निष्पादन किया गया। सोनपुरा में कुल 12 आवेदन आए, जिसमें लगान के सात, त्रुटि में तीन व दाखिल खारिज के लिए दो आवेदन प्राप्त हुआ। इसी प्रकार मंजुरा पंचायत में कुल चार आवेदन प्राप्त हुआ। सीओ ने बताया कि इसी प्रकार 19 फरवरी को मधुकरपुर, खैराचातर व मुरहुलसूदी पंचायत में राजस्व शिविर लगेगा। वहीं 20 फरवरी को बगदा, सिंहपुर व हिसीम में शिविर का आयोजन होगा। 21 फरवरी को गर्री, दांतु व दुर्गापुर पंचायत में राजस्व शिविर के अलावा 22 फरवरी को टांगटोना, बरईकला, 24 फरवरी को सिंहपुर, हिसीम व बगदा व 27 फरवरी को दांतु, मंजुरा,बरईकला के अलावा 28 फरवरी को टांगटोना, मुरहुलसूदी व बरईकला मे विशेष राजस्व शिविर का आयोजन होगा। एक मार्च को बगदा, सिंहपुर व हिसीम में शिविर लगेगा।

बोकारो विधायक ने योजनाओं की समीक्षा बैठक की

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः मंगलवार को बोकारो परिसदन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें बोकारो विधायक की उपस्थिति में चास प्रखंड के पदाधिकारियों एवं पंचायत सचिवों के साथ गहन समीक्षा की गई। बैठक का उद्देश्य विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और क्षेत्रवासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान को सुनिश्चित करना था।

पंचायत स्तर पर लगेगा समाधान शिविर– विधायक ने बैठक में कहा कि जनता की समस्याओं को ऑन-स्पॉट समाधान देने के लिए पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में – जमीन के दाखिल-खारिज, दस्तावेज़ संबंधित समस्याओं और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने जैसे मामलों का तुरंत निपटारा किया जाएगा।

जन-कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का आह्वान– विधायक ने जोर देते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए हमें मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राज्य सरकार की नीतियों को प्रभावी तरीके से लागू करने पर ही क्षेत्र का समग्र विकास संभव होगा।

योजनाओं की समीक्षा और समाधान पर चर्चा– बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जनता की शिकायतों के समाधान और विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा की।

बैठक में तय किया गया कि सभी योजनाओं को सुचारू रूप से लागू किया जाएगा और जनता को त्वरित लाभ दिलाने के लिए प्रशासनिक प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाया जाएगा।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

धनबाद में बड़ा हादसा, कुंभ स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी बस की ट्रक से टक्कर,

धनबाद, एजेंसी। धनबाद में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है. मंगलवार को प्रयागराज से महाकुंभ स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी बस गोविंदपुर के तेतुलिया में दुर्घटनाग्रस्त हो गयी. इस घटना में पश्चिम बंगाल के हल्दिया के रहने वाले एक दर्जन लोग बुरी तरह से घायल हो गये. स्थानीय लोगों की मदद से सभी को धनबाद के एसएनएमएमसीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां पर सभी का इलाज चल रहा है. जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल के मेदिनीनगर हल्दिया के रहने वाले लोग एक टूरिस्ट बस से प्रयागराज संगम स्नान करने गये थे. वापसी के दौरान गोविंदपुर के तेतुलिया में बस चालक ने एक खड़ी ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी. जिससे बस में बैठे एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गये. श्रद्धालुओं ने बताया कि ड्राइवर को आंख लगने के कारण ये हादसा हुआ. बस में करीब 68 लोग सवार थे. घायलों में हरिपद सामंतो, बिनहे चक्रवर्ती, स्वप्न कुमार, सुदिप्तो जना, पुष्पा रानी, पल्लव जना, कार्तिक चंद्र मिश्रा, स्मॉल चंद्र सामंतो, कार्तिक भूमि, जानकी मिश्रा, निमाई चक्रवर्ती, छविलाल मैथी है. इसके अलावा भी कई लोगों को हल्की चोट आयी है, इन सभी को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया.

आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन ऐसे बढ़ा रहा अपना नेटवर्क, स्पेशल ब्रांच ने किया अलर्ट

रांची, एजेंसी। अमन तिवारी-इंडियन मुजाहिदीन के आतंकी सोशल मीडिया के माध्यम से नेटवर्क बढ़ाने के साथ-साथ एक दूसरे से संपर्क कर रहे हैं। इस बात की जानकारी केंद्रीय खुफिया एजेंसी से मिलने के बाद पुलिस मुख्यालय के स्पेशल ब्रांच ने एक रिपोर्ट तैयार कर रांची, जमशेदपुर और धनबाद एसएसपी के अलावा 21 जिलों के एसपी और एटीएस को अलर्ट किया है, ताकि सोशल मीडिया पर संदिग्ध लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। स्पेशल ब्रांच की ओर से यह निर्देश भी दिया गया कि ऐसे मामले में जांच कर उचित कार्रवाई की जा जाये। रिपोर्ट के अनुसार एक फेसबुक यूजर फैजान खान के बारे में सेंट्रल एजेंसी को इस बात की जानकारी मिली है कि फैजान ने अपने फेसबुक प्रोफाइल में प्रतिबंधित आतंकी संगठन का लोगो इस्तेमाल किया है। फेसबुक यूजर फैजान के फ्रेंडलिस्ट में कुछ मित्र हैं, लेकिन फ्रेंडलिस्ट के एक मित्र ने अपना प्रोफाइल को लॉक कर रखा है। इस वजह से उसके बारे में अधिक जानकारी नहीं मिल सकी है। जबकि फ्रेंडलिस्ट में शामिल अन्य लोग भारत के विभिन्न राज्यों के रहनेवाले हैं। रांची एनआइए ने वर्ष 2024 में आइएसआइएस के संदिग्ध आतंकी फैजान अंसारी को लोहरदगा से गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद एनआइए की जांच में इस बात की पुष्टि हुई थी कि वह देश के भीतर और विदेश में कार्यरत आतंकी संगठन आइएसआइएस के ऑपरेटिव के संपर्क में था। वह सोशल मीडिया के संपर्क में आकर आइएसआइएस कि विचारधारा को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचारित कर रहा था। वहीं दूसरी ओर एटीएस की जांच में इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि आइएसआइएस का संदिग्ध आतंकी आरजि हसनैन सोशल मीडिया के माध्यम से ऑडियो और वीडियो भेजकर जेहाद फैला रहा था।

वन विभाग व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, पांकी-मनातू में 18 एकड़ में लगी अफीम की खेती को किया नष्ट

पलामू, एजेंसी। पलामू में अवैध नशा कारोबारियों के खिलाफ पुलिस और वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है. अलग-अलग अभियान चलाकर पांकी और मनातू में 18 एकड़ में लगी अफीम की खेती को नष्ट किया गया है. गुप्त सूचना के आधार पर वन विभाग और मनातू थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने आप्रि ग्राम के जंगल में लगभग 12 एकड़ में लगी अफीम की खेती को नष्ट किया है. इसके अलावा, पांकी थाना क्षेत्र के राणादाह और बगडेगवा में भी 6 एकड़ भूमि में लगी अफीम की फसल को विनष्ट किया गया. पुलिस और वन विभाग ने कहा कि अफीम की अवैध खेती करने वालों की पहचान की जा रही है. जल्द उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जायेगी. कहा कि अवैध अफीम की खेती रोकने और नशे के कारोबार को समाप्त करने के लिए लगातार अभियान जारी रहेगा. पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे अवैध नशीली फसल की खेती से बचें, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी.

देवघर के सभी स्टेशनों पर सुरक्षा अलर्ट

रेलवे अधिकारी खुद कर रहे हैं महाकुंभ जाने वाली ट्रेनों की मॉनिटरिंग

देवघर, एजेंसी। विगत 15 फरवरी को देश की राजधानी दिल्ली के रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में 18 लोगों की मौत के बाद पूरे देश के रेलवे स्टेशन को अलर्ट मोड पर रखा गया है. इसी के मद्देनजर देवघर जिले के सबसे व्यस्ततम रेलवे स्टेशन में शामिल जसीडीह रेलवे जंक्शन में भी सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने की बात कही जा रही है.

महाकुंभ जाने वाली सभी ट्रेनों की हो रही मॉनिटरिंग

रेलवे स्टेशन की व्यवस्था को लेकर जसीडीह रेलवे जंक्शन के स्टेशन मास्टर शंकर शैलेश ने बताया कि दिल्ली की घटना के बाद उच्च अधिकारियों के साथ लगातार मीटिंग हो रही है. उनके द्वारा जो कुछ भी दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं, उसके अनुसार जसीडीह स्टेशन पर तैनात कर्मचारी काम में जुटे हुए हैं. स्टेशन मास्टर शंकर शैलेश ने बताया कि वह खुद ही सभी ट्रेनों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं. खासकर जो ट्रेन महाकुंभ के लिए रवाना हो रही है, उस प्लेटफार्म पर विशेष निगरानी रखी जा रही है.

जसीडीह स्टेशन पर अनावश्यक लोगों की नो एंट्री

बता दें कि जसीडीह रेलवे जंक्शन से देश के कई राज्यों के लिए प्रतिदिन करीब डेढ़ सौ ट्रेनें परिचालित होती है. वर्तमान में प्रतिदिन 10 ऐसी

ट्रेनें जसीडीह स्टेशन से गुजरती है, जो विभिन्न क्षेत्रों से आती है और जसीडीह होते हुए महाकुंभ प्रयागराज पहुंचती है. महाकुंभ को देखते हुए जसीडीह रेलवे स्टेशन पर होने वाली अत्यधिक भीड़ को लेकर हर शिफ्ट में 50 से ज्यादा रेलवे पुलिस के कर्मचारी हैं.

रेलवे स्टेशन पर अप्रत्याशित भीड़ को देखते हुए वैसे लोगों को रेलवे स्टेशन में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है जो अनावश्यक अंदर घुसना चाहते हैं. सिर्फ जरूरतमंद लोगों को ही स्टेशन के अंदर प्रवेश करने दिया जा रहा है. वहीं, जिस प्लेटफार्म से महाकुंभ के लिए ट्रेन रवाना होती है, उस प्लेटफार्म पर आरपीएफ की विशेष टीम रखी गई है. वहीं, वैसे लोगों पर विशेष नजर रखी जा रही है, जो लोग अनावश्यक रूप से स्टेशन पर बैठकर अपना समय व्यतीत करते हैं.

गौरतलब है कि देवघर जिले में फिलहाल बैद्यनाथ धाम स्टेशन, देवघर रेलवे स्टेशन और जसीडीह रेलवे स्टेशन है, जिसमें जसीडीह रेलवे स्टेशन सबसे व्यस्ततम है. यहां पर सबसे ज्यादा गाड़ियों का आना-जाना होता है. इसलिए जसीडीह रेलवे स्टेशन पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि दिल्ली जैसी घटना देवघर या देश के किसी अन्य रेलवे स्टेशन पर दोबारा न घटे.

भूत-प्रेतों का है वास : रोते हैं बच्चे, पूर्व मंत्री को डराता रहा रातू रोड का उनका सरकारी बंगला

रांची, एजेंसी। दुनिया भले ही चांद पर कदम रख रही है, लेकिन भूत-प्रेत का अंधविश्वास आज भी कायम है। यही वजह है कि भूतिया बंगला के तौर पर चर्चित होने के कारण आकाशवाणी केंद्र के समीप रातू रोड स्थित बंगला नंबर पांच में कभी राज्य सरकार के पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने रात्रि विश्राम नहीं किया।

बतौर मंत्री उन्हें यह बंगला आवंटित किया गया था। उनसे पहले यह बंगला राज्य सरकार की पूर्व मंत्री लुइस मरांडी और स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद सिंह को आवंटित था। बंगले के बारे में चर्चा है कि यहां भूत-प्रेतों का डेरा है।

इसके बारे में सत्यानंद भोक्ता को लोगों ने बताया था। भोक्ता बताते हैं कि कभी रात में वे आवास में नहीं रहे। उस बंगले में परिवार के सदस्य भी नहीं रहते थे। एक रात भी वे यहां नहीं सोए। उनके सुरक्षाकर्मी इस आवास में ठहरते थे।

जब उनसे इस बंगले में रात न बिताने की वजह पूछी गई तो उन्होंने कहा कि इस बंगले की कई बातें हैं। बंगले में रात में भूत-प्रेत घूमता है। कभी-कभी बच्चों के रोने की आवाज आती है। भोक्ता की सलाह है कि बंगले को तोड़कर नए भवन का निर्माण किया जाए। फिर विधिवत गृह प्रवेश किया जाए।

राज्य सरकार के एक वरीय अधिकारी को यह बंगला काफी पसंद था। मुख्य सड़क पर स्थित रहने के साथ-साथ इस बंगले में बगीचा आदि भी है। बताते हैं कि वे अपनी पत्नी के साथ उक्त बंगले को देखने भी पहुंचे थे।

वहां पहुंचने पर लोगों से उन्हें बंगले के बारे में होने वाली चर्चाओं की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने यहां रहने का विचार त्याग दिया।

वहीं दूसरी ओर 2016 के पीएम मोदी के जमशेदपुर दौरे के दौरान प्रधानमंत्री के 2016 के जमशेदपुर दौरे के दौरान काला झंडा दिखाने के मामले में सोमवार को शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन और पूर्व सांसद सुमन महतो जमशेदपुर न्यायालय में पेश हुए।

यह मामला झारखंड मुक्ति मोर्चा के 13 कार्यकर्ताओं के विरुद्ध चल रहा है। इनमें से 10 आरोपित, जिनमें रामदास सोरेन भी शामिल हैं। इस मामले में दो आरोपी अनुपस्थित रहे। एक गवाह, सेवानिवृत्त डीएसपी बुधवा उरांव के निधन की सूचना न्यायालय को दी गई।

एनपीयू के भवन निर्माण कार्य की शुरू हुई जांच! राजभवन के निर्देश पर गठित टीम ने लिया जायजा

पलामू, एजेंसी। नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक भवन के निर्माण कार्य की जांच शुरू हो गई है. राजभवन के निर्देश पर तीन सदस्यीय टीम ने भवन के निर्माण कार्य की जांच शुरू की है. राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने पलामू के नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक भवन के निर्माण कार्य में कई अनियमितता पकड़ी थी. वित्त मंत्री ने पूरे मामले में राज्यपाल संतोष गंगवार से शिकायत की थी.

राज्यपाल के निर्देश पर तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की गई थी. सोमवार को यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक भवन की जांच के लिए विशेष कार्यपालक पदाधिकारी न्यायिल मुकलेश नारायण, अपर सचिव ए सत्यजीत और भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता महेंद्र राम की टीम पहुंची थी. तीन सदस्य टीम ने नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक भवन में दो घंटे से अधिक समय तक जांच की. इस दौरान जांच टीम ने भवन निर्माण से जुड़ी हुई एक-एक चीज का जायजा लिया है. पूरी जांच रिपोर्ट राज्यपाल को सौंपी जाएगी.

जांच के दौरान यह भी पाया गया कि फेवर ब्लॉक के नीचे बालू की जगह डस्ट दिया गया है. पलामू में 2008-09 में नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी की स्थापना हुई थी. स्थापना के बाद से कई वर्षों तक यूनिवर्सिटी का प्रशासनिक भवन जिला परिषद के एक भवन में चल रहा था. यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक भवन के लिए कई जगह पर जमीन देखी गई थी. अंत में जीएलए कॉलेज की जमीन में ही यूनिवर्सिटी के भवन का निर्माण कार्य किया गया है.

प्राइवेट स्कूलों पर शिक्षा विभाग ने एक वजह से जताई नाराजगी, अब मंडरा रहा एक्शन का खतरा

रांची, एजेंसी। एक ओर जहां जिले के सरकारी विद्यालयों में अपार आइडी बनाने का कार्य धीमी गति से चल रही है तो शहर के निजी स्कूल भी कम नहीं हैं। यहां भी अपार कार्ड बनाने का कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय द्वारा 15 फरवरी को जारी लिस्ट में इंगित किया गया है कि किस तरह शहर के नामचीन स्कूल प्रबंधनों के द्वारा अपार आइडी बनाने में सहयोग नहीं किया जा रहा है।

जारी लिस्ट में स्पष्ट उल्लेख है कि नामांकित छात्र छात्राओं की संख्या के सापेक्ष में अपार आइडी बनाने की प्रक्रिया बेहद धीमी है। जारी आंकड़े की बात करें तो 13 फरवरी तक शहर के अधिकांश निजी स्कूलों में कार्ड बनाने का प्रतिशत 40 से कम रहा। शहर में सीबीएसई से 250 से अधिक मान्यता और गैर मान्यता प्राप्त स्कूल संचालित हैं जहां करीब 4 लाख से अधिक बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में बच्चों का अपार कार्ड बनना है लेकिन सरकारी महकमे के उच्च पदस्थों का कहना है कि निजी स्कूल प्रबंधनों से कोई सहयोग नहीं मिल रहा है। सरकार

का स्पष्ट निर्देश है कि जिले के हरेक छात्र छात्रा का अपार कार्ड बनना आवश्यक है।

निजी स्कूलों के द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। बता दें कि निजी स्कूलों में सिर्फ सिलेबस पूरा करने की चिंता रहती है और सरकारी दिशा निर्देश को दरकिनार किया जा रहा है। आलम यह है कि शहर के कई नामचीन स्कूलों में अपार कार्ड बनाने का स्तर शून्य है। धीमी गति से चल रहे अपार कार्ड निर्माण पर शिक्षा विभाग के उच्च पदस्थों ने नाराजगी भी जताई है।यही कारण है कि जिला शिक्षा पदाधिकारी रांची विनय कुमार ने जिले के सभी निजी स्कूल प्रबंधनों के साथ आनलाइन और आफलाइन माध्यम से बैठक किए जाने का निर्णय लिया। इन बैठकों में सभी निजी स्कूलों को अपार कार्ड बनाने को गंभीरता से लेने की बात कही गई है। उन्होंने कहा तय समय सीमा में अपार कार्ड बनाने का कार्य पूरा कर लें अन्यथा कार्रवाई होगी। जिले में आरटीई अंतर्गत मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों की संख्या करीब 250 से अधिक है। यहां नामांकित बच्चों की संख्या 4 लाख से अधिक है। बार बार दिशा निर्देश देने के बाद भी अपार कार्ड बनाने की गति बहुत धीमी है।

झारखंड में 39 फीसदी बच्चे कुपोषित, लेकिन रिम्स के इस केंद्र में सिर्फ 84 का ही इलाज

रांची, एजेंसी। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-5 के मुताबिक झारखंड में 39त्न बच्चे कुपोषित हैं। वहीं, अति गंभीर रूप से कमजोर बच्चों की संख्या 9।1त्न है। इसमें शहरी क्षेत्र में 10।7त्न और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की तादाद 8।8त्न है। इसके बावजूद रिम्स के पेइंग बिल्डिंग स्थित रेफरल कुपोषण उपचार केंद्र में इलाज के लिए पहुंचनेवाले कुपोषित बच्चों की संख्या नहीं के बराबर है। इस सेंटर की स्थापना अक्टूबर 2023 में की गयी थी। इन डेढ़ साल में इस सेंटर में केवल 84 बच्चों का ही इलाज किया जा सका है।

राज्य के मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों को स्पष्ट निर्देश है कि उनके यहां आनेवाले कुपोषित बच्चों को इलाज के लिए रिम्स के रेफरल सेंटर में भेजना है, लेकिन विभागीय स्तर पर निगरानी और सख्ती नहीं होने के कारण कुपोषित बच्चों को यहां नहीं भेजा जा रहा है। रिम्स के शिशु ओपीडी में एक नर्स तैनात की गयी, जो परिजनों को प्रोत्साहित कर कुपोषित बच्चों को उपचार के लिए सेंटर में लाती है। इधर, कुपोषण उपचार केंद्र में मैनपावर

की भी कमी है। एक समय था, जब न्यूट्रिशन, काउंसलर, रसोइया, वार्ड ब्वॉय और अन्य कर्मचारियों की कमी के कारण बच्चों के लिए पोषण युक्त भोजन की व्यवस्था करने में परेशानी होने लगी थी, जिसकी वजह से यहां बच्चों को भर्ती करना बंद कर दिया गया था। लेकिन, फिलहाल यह सेंटर संचालित है। कुपोषित बच्चों के इलाज का जिम्मा शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ दिव्या सिंह संभाल रही हैं। उनका कहना है कि कुपोषित बच्चे इलाज के लिए नहीं पहुंचते हैं, जबकि सेंटर में सभी व्यवस्थाएं और सुविधाएं उपलब्ध हैं।

एनएफएचएस-5 के मुताबिक, झारखंड में पांच साल से कम उम्र के 39.6प्रतिशत(आयु के अनुसार लंबाई) बच्चे बौने हैं। इसमें शहरी क्षेत्र में 26.8प्रतिशत और ग्रामीण इलाकों में 42।3त्न बच्चे शामिल हैं। वहीं, पांच वर्ष से कम आयु के कमजोर बच्चों(ऊंचाई के अनुसार वजन) की संख्या 22.4 प्रतिशत है। जबकि, अति गंभीर रूप से कमजोर बच्चों की संख्या 9.1प्रतिशत है। इसके अलावा 6-59 महीने के एनीमिया से पीड़ित बच्चों की संख्या 67.5प्रतिशत है। वहीं, एक साल से कम उम्र के 39प्रतिशत बच्चे उम्र के हिसाब से कम वजन के हैं। हालांकि, एनएफएचएस-4 के मुताबिक, राज्य की स्थिति बेहतर हुए है, लेकिन अब भी सुधार की जरूरत है।झारखंड सरकार ने कुपोषण को खत्म करने के लिए इसी साल 18 जनवरी से 'शिशु शक्ति खाद्य पैकेट' का वितरण शुरू किया है।

डीसी ने कोडरमा रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण, यात्रियों की बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने पर बनी रणनीति

कोडरमा, एजेंसी। जिले से महाकुंभ स्नान के लिए प्रयागराज जाने वाले यात्रियों की भीड़ बढ़ती जा रही है. लोगों की भीड़ और स्टेशन पर फैली अव्यवस्था के मद्देनजर उपायुक्त मेघा भारद्वाज और एसपी अनुदीप सिंह समेत जिला प्रशासन और रेलवे के आला अधिकारियों ने कोडरमा स्टेशन का निरीक्षण किया.

यात्रियों को टिकट लेकर सफर करने का निर्देश

जिला प्रशासन ने प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं से संयम के साथ ट्रेन में सफर करने की अपील की. स्टेशन पहुंची डीसी, एसपी ने कई यात्रियों से बातचीत भी की और उन्हें टिकट लेकर सफर करने का निर्देश दिया. अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान भी बड़ी संख्या में स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 3 और 4 के अलावा प्लेटफार्म संख्या एक के वेटिंग एरिया में भी अव्यस्थित रूप से यात्रियों को बैठा पाया गया. इस पर डीसी ने उन्हें वेटिंग एरिया में ट्रेनों का इंतजार करने का निर्देश दिया.हावड़ा दिल्ली ग्रैंड कोर्ट सेक्शन पर कोडरमा प्रमुख स्टेशन है, जहां से प्रयागराज के लिए दर्जनों ट्रेनों का परिचालन किया जाता है और कोडरमा के रास्ते दो स्पेशल ट्रेनें भी चलाई जा रही है. कोडरमा स्टेशन से कोडरमा के अलावा बिहार, झारखंड के कई जिलों के यात्री सफर करने के लिए यहां पहुंच रहे हैं.

यात्रियों की सुरक्षा के लिए तैयार की गई रणनीति

निरीक्षण से पहले जिला प्रशासन और रेल प्रशासन के बीच एक ज्वाइंट मीटिंग भी हुई, जिसमें यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर कई निर्णय लिए गए. साथ ही आरपीएफ और जीआरपी को जिला पुलिस बल द्वारा सहयोग करते हुए यात्रियों को सुरक्षित ट्रेन में सवार करने की रणनीति भी बनाई गई. कोडरमा स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी के साथ पुलिस बलों की तैनाती की गई है. वहीं, बिना टिकट किसी को भी प्लेटफॉर्म में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है, ताकि प्लेटफार्म पर भीड़ नियंत्रित रह सके.

उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने बताया कि फूल प्रूफ तैयारी की गई है और किसी तरह की अव्यवस्था नहीं होगी. एसपी अनुदीप सिंह ने कहा कि भीड़ और यात्रियों की सुरक्षा के लिहाज से स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी को जिला पुलिस बल सहयोग करेंगी. किसी तरह की व्यवस्था न हो इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है.

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बकाए राशि को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

लोहरदगा, एजेंसी। शहरी क्षेत्र के मैना बगीचा में सोमवार को लरका आंदोलन के प्रणेता वीर बुधु भगत की जयंती पर एक समारोह का आयोजन किया गया. जिसमें झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह शामिल हुईं. उन्होंने वीर बुधु भगत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया. इस दौरान मंत्री ने मीडिया से भी बातचीत की. जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर झारखंड का बकाया और मंईयां सम्मान योजना को लेकर बयान दिया है. इसके पूर्व मंत्री ने विभागीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की.

केंद्र सरकार पर लगाया सौतेला व्यवहार करने का आरोप

झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि केंद्र सरकार झारखंड सरकार के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है. जरूरी योजनाओं के लिए भी पैसे नहीं दिए जा रहे हैं. यहां तक की केंद्र सरकार की ओर से संचालित योजनाओं में भी राशि नहीं दी रही है. जिसकी वजह से विकास योजनाएं प्रभावित हो रही हैं. चुनाव से पहले हमें लगा था कि शायद चुनाव की वजह से पैसा नहीं दिया जा रहा है, लेकिन अब तो झारखंड में सरकार भी बन चुकी है. फिर पैसा देने में कहां परेशानी है.

मंईयां योजना की अगली किस्त का भुगतान जल्द

वहीं मंईयां सम्मान योजना को लेकर उन्होंने कहा कि

जल्द ही लाभुकों को अगली किस्त का भुगतान कर दिया जाएगा. लाभुकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है. चुनाव से पहले ही राज्य सरकार की ओर से महिलाओं का सम्मान करते हुए उन्हें निश्चित राशि दी जा रही थी. जल्द ही अगले किस्त भी दी जाएगी. इसके अलावा भी उन्होंने कई महत्वपूर्ण बातें कही है.

विभागीय पदाधिकारियों संग की समीक्षा बैठक

इसके पूर्व मंत्री दीपिका पांडेय ने विभागीय पदाधिकारियों के साथ योजनाओं के कार्यों की समीक्षा की. इस दौरान मंत्री ने पदाधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि कार्यों में कोताही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

विकास मेला में भी शामिल हुईं मंत्री

वहीं लोहरदगा में वीर बुधु भगत जयंती में विकास मेला सह जतरा का भी आयोजन किया गया था. जिसमें झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह भी शामिल हुईं. इस दौरान झारखंड कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, स्थानीय कांग्रेस नेता, आदिवासी समाज के प्रतिनिधि के साथ कई गणमान्य लोग मौजूद थे.आपको बता दें कि मेला का आयोजन लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत द्वारा साल 2006 में शुरू किया गया था. तब से हर साल इस मेले का आयोजन किया जाता है.

झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार का बड़ा फैसला, राज्य के जेलों से रिहा होंगे 37 कैदी

रांची, एजेंसी। राज्य के विभिन्न जेलों में लंबे समय से सजा काट रहे 37 कैदी खुली हवा में सांस लेंगे. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार 17 फरवरी को हुई राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में जेल में बंद 37 कैदियों को रिहा किए जाने पर सहमति प्रदान की गई है.

बता दें कि कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आयोजित इस बैठक में आजीवन सजा काट रहे 103 कैदियों के रिहाई से संबंधित मामले पर विचार किया गया. उसके बाद 37 कैदियों को रिहा किए जाने की सहमति प्रदान की गई. बैठक में रिहाई से संबंधित नए मामलों के साथ-साथ वैसे कैदियों के प्रस्ताव पर भी पुनर्विचार किया गया, जिन्हें झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की पिछली बैठक में अस्वीकृत किया गया था. बैठक में डीजीपी अनुराग गुप्ता, गृह सचिव वंदना दादेल, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, जेल आईजी सुदर्शन प्रसाद मंडल, प्रोबेशन पदाधिकारी चंद्रमौली सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे.राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि रिहा होने वाले कैदियों को सरकार की कल्याणकारी योजना से जोड़े जाएं. कैदियों की सामाजिक आर्थिक एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि को भी जानना जरूरी है, इसलिए कारा महनिरीक्षक के साथ-साथ जिलों के एसपी रिहा हुए कैदियों का ट्रैक रिकॉर्ड अवश्य रखें.

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

इस्तीफे की कड़वी दवा गले उतारी

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गृहमंत्री अमित शाह से भेंट करने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सिंह 2017 में पहली दफा मणिपुर के मुख्यमंत्री बने थे। उनके नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का राज्य में यह दूसरा कार्यकाल था, परंतु राज्य में हो रही हिंसा पर नियंत्रण रखने में नाकामयाब रहने के आरोप लग रहे थे। इसी दरम्यान सुप्रीम कोर्ट द्वारा जातीय हिंसा में सिंह की भूमिका को लेकर आरोप लगाने वाली लीक हुई ऑडियो क्लिप की प्रमाणिकता को लेकर सील बंद फोरेंसिक रिपोर्ट मांगने के बाद ताजा विवाद शुरू हो गया। इतना ही नहीं, विपक्षी दल कांग्रेस विधानसभा सत्र के दौरान सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने को तैयार थी। बीते दो वर्षो से राज्य में मैतई समुदाय व कुकी जनजातियों के बीच चल रहे खूनी संघर्ष से निपटने में सिंह असफल ही नहीं रहे। बल्कि उन पर मैतई विद्रोहियों के समर्थन का भी आरोप है। उनके दल के ही कुछ विधायकों के मुख्यमंत्री से खासा नाराज होने और विपक्ष के संपर्क में होने की चर्चा भी जोरों से है। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए भाजपा शीर्ष नेतृत्व को आनन-फानन यह निर्णय लेने को मजबूर होना पड़ा। नाराज धड़ा यदि टूटकर विपक्ष के पाले में जा मिलता तो सरकार पर संकट आना लाजमी था। जो मोदी सरकार की फजीहत करने वाला साबित होता। इधर दिल्ली सरकार में पताका फहराने का जोश मन्दा भी नहीं पड़ा था कि हिंसा से झुलस रहे मणिपुर की सत्ता पर संकट गहराता भांपते ही स्थिर पर काबू करने के लिहाज से इस्तीफे की कड़वी दवा गले उतारी गई। मणिपुर के अकेले चर्चित फुटबॉल खिलाड़ी रहे बीरेन पत्रकारिता में भी हाथ अजमा चुके हैं। खिलाड़ी और संपादक रहने के नाते उन्हें दांवपेंच का महारथी माना जाता रहा है। कुछ ही दिन पहले उनका कथित इस्तीफा भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। जिसे फटा हुआ बताकर शरारत साबित करने की कोशिशें की गई थीं। सबसे लंबे समय तक वहां के मुख्यमंत्री रहे ओकराम इबोबी के सबसे करीबी रहने और उनसे राजनीतिक दांव-पेच सीखने वाले सिंह ने न सिर्फ उनसे बगावत की बल्कि पलटवार करते हुए सत्ता भी हासिल की।

छत्रपति शिवाजी महाराजः क्यों कहे जाते हैं सच्चे हिंदू राजा

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

तथाकथित धर्मनिरपेक्ष इतिहासकारों ने अक्सर हिंदू नायकों को हीन और इस्लामी आक्रमणकारियों को महान व्यक्तित्व के रूप में चित्रित करने का प्रयास किया है। यह भी कि 1947 से 1975 तक अधिकांश मानव संसाधन विकास मंत्री मुस्लिम थे, जिन्होंने भारतीय पाठ्य-पुस्तक इतिहास की देखरेख की। ये इतिहासकार शिवराय को एक धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति के रूप में चित्रित करने का प्रयास कर रहे हैं, जिन्होंने हिंदू कारणों के बजाय सामाजिक न्याय के लिए लड़ाई लड़ी। ये नकली इतिहासकार उनकी सेना में बड़ी संख्या में मुसलमानों के बारे में झूठी मिथक बनाने के लिए भी जिम्मेदार हैं। आइए तथ्यों पर नज़र डालें, जो स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि उन्होंने सनातन धर्म की महिमा को बहाल करने और हिंदू कारणों के लिए हिंदुओं को एकजुट करने के लिए संघर्ष किया। एक हिंदू होने के नाते, उन्होंने हिंदुओं और उनकी महान विरासत के खिलाफ अन्याय का विरोध और लड़ाई करते हुए कभी भी किसी धर्म का तिरस्कार नहीं किया।

छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में स्वामी विवेकानंद के विचार- "पिछली तीन शताब्दियों में भारत ने जो सबसे महान राजा पैदा किया, वह शिव का ही अवतार था, जिसके बारे में उसके जन्म से बहुत पहले ही भविष्यवाणियाँ की जा चुकी थीं। महाराष्ट्र के सभी महान आत्माएँ और संत उत्सुकता से उनके आगमन की प्रतीक्षा कर रहे थे, क्योंकि वह हिंदुओं को म्लेच्छों से बचाएगा और धर्म की स्थापना करेगा, जिसे मुगलों की विनाशकारी भीड़ ने नष्ट कर दिया था"। क्या शिवराय से बड़ा कोई नायक, संत, भक्त या राजा है? शिवराय मानव जाति के जन्मजात राजा का प्रतीक थे, जैसा कि हमारे प्राचीन महाकाव्यों में दर्शाया गया है। उन्होंने भारत के सच्चे पुत्र का उदाहरण दिया, जो राष्ट्र की चेतना का प्रतीक थे। यह वह थे जिसने दिखाया कि भारत का वर्तमान या भविष्य में क्या होगा, एक ही छत्र के नीचे अलग-अलग इकाइयों का संग्रह, यानी एक सर्वोच्च शाही आधिपत्य।

शिवाजी महाराज सच्चे हिंदू योद्धा थे, झूठे धर्मनिरपेक्षतावादी नहीं- असाधारण प्रतिभा और स्पष्ट दृष्टि रखने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। उनके पास एक प्रेरक और आकर्षक व्यक्तित्व भी था जिसने उनके समर्पित सैनिकों और किसानों से सम्मान, वफादारी और महानतम बलिदान प्राप्त किया। अपने हिंदवी स्वराज्य को बनाने के लिए अपनी माँ और महाराष्ट्र के संतों द्वारा उनमें डाले गए सर्वोच्च आदर्शों से प्रेरित एक साहसी मिशन, उन्हें हिंदुओं की सोई हुई अंतरात्मा को जगाना था और यह प्रदर्शित करना था कि मुगल सत्ता को सफलतापूर्वक चुनौती देना, विदेशी प्रभुत्व को खत्म करना और मुस्लिम शासन से स्वतंत्रता प्राप्त करना संभव था।

हिंदू मंदिरों का पुनर्विकास और हिंदू एकता की मजबूती- हिंदुओं के स्वाभिमान और संस्कृति को छत्रपति शिवाजी महाराज ने बनाए रखा था। जब विदेशी आक्रमणकारी हमारी भूमि पर आए, तो उन्होंने मठों और मंदिरों को ध्वस्त करके हिंदू समुदाय को नष्ट करने का प्रयास किया। इस तरह के विनाश के उदाहरणों में बाबर द्वारा अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर को ध्वस्त करके मस्जिद बनाना और औरंगजेब द्वारा काशी विश्वनाथ और मथुरा मंदिरों को ध्वस्त करना शामिल है। इन मंदिरों के स्थान पर मुस्लिम आक्रमणकारियों ने जो निर्माण किए, वे हमारे लिए बेहद अपमानजनक हैं। प्रसिद्ध इतिहासकार श्री अर्नोल्ड टॉयनबी ने 1960 में दिल्ली में एक व्याख्यान में कहा, "आपने अपने देश में औरंगजेब द्वारा बनाई गई मस्जिदों को संरक्षित किया है, हालांकि उनका

इतिहास बहुत अपमानजनक था।" जब रूस ने उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में पोलैंड पर कब्जा कर लिया, तो उन्होंने अपनी जीत की याद में वारसॉ के केंद्र में एक रूसी रूढ़िवादी चर्च बनाया। जब पोलैंड को प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान स्वतंत्रता मिली, तो सबसे पहले उसने रूस द्वारा बनाए गए चर्चों को ध्वस्त कर दिया और रूसी प्रभुत्व की याद दिलाने वाले अवशेषों को खत्म कर दिया। क्योंकि चर्च ने पोलिश लोगों के रूसी हाथों उनके अपमान की निरंतर याद दिलाई। इसी कारण से भारत में राष्ट्रवादी संगठनों ने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन चलाया। वास्तव में छत्रपति शिवाजी महाराज ने यह कार्य पहले ही शुरू कर दिया था। गोवा में सप्तकोटेश्वर, आंध्र प्रदेश में श्रीशैलम और तमिलनाडु में समुद्रतिरपेरुमल के मंदिरों का जीर्णोद्धार महाराजा ने ही करवाया था। "यदि आप हमारे मंदिरों को तोड़ते हैं और हमारी संस्कृति का अपमान करते हैं और हमारे स्वाभिमान को ठेस पहुँचाते हैं, तो हम हठपूर्वक उनका पुनर्निर्माण करेंगे" -यह संदेश छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने कार्यों के माध्यम से मुस्लिम आक्रमणकारियों को दिया था। 1678 के एक पत्र में, जेसुइट पुजारी आंद्रे फेयर ने बीआईएसएम, पुणे (1928, पृष्ठ 113) द्वारा जारी ऐतिहासिक मिश्रण में कहा है कि किसी भी देश से धर्म और संस्कृति को नहीं छीना जा सकता। आत्मसम्मान कभी नहीं छीना जा सकता। छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमें सिखाया, यदि विदेशी हमलावर हमारे आत्मसम्मान पर हमला करते हैं, तो हमें दासता के निशान मिटाकर और अपनी गरिमा को बहाल करके उचित जवाब देना चाहिए। कई हिंदू योद्धाओं ने दबाव में या अपने मुस्लिम आकाओं (सुल्तानों) को खुश करने के लिए इस्लाम धर्म अपना लिया था। शिवाजी ने उनमें से कई को सनातन धर्म में वापस आने के लिए प्रोत्साहित किया और उनकी मदद की। उनके बड़े बेटे और महान योद्धा शंभू राजे ने एक पत्र में अपने पिता को "म्लेच्छक्षयदीक्षित" कहा है जिसका अर्थ है वह जिसने मुस्लिम आक्रमणकारियों को नष्ट करने की शपथ ली है। जब पुर्तगाली उन्हें लिखते थे, तो वे पत्र की शुरुआत इन शब्दों से करते थेः 'हिंदू सेना के जनरल को'। क्या इसे किसी स्पष्टीकरण की आवश्यकता है? छत्रपति शिवाजी महाराज ने भारत में सांस्कृतिक और राजनीतिक हिंदू शक्ति को पुनर्जीवित किया। उन्होंने भाषा के शुद्धिकरण और सभी फारसी और उर्दू शब्दों को हटाने के लिए पंडितराव नामक एक विशेष पद और व्यक्ति की नियुक्ति की। छत्रपति संभाजी महाराज ने संत तुकाराम महाराज की पालकी के लिए एक समर्पित सेना तैनात करने की प्रथा शुरू की जो आज भी जारी है। छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज दोनों ने हिंदू मंदिरों, संतों और उद्देश्यों को अनुदान देने की प्रथा को बनाए रखा और जारी रखा। **शिव छत्रपति** : चिटनिस और शिवदिग्विजय के अंशों के साथ सभासद बखर का अनुवाद, इस्लामी आक्रमणकारियों और उन लोगों के बारे में उनके विचार जिनके कार्य हिंदू मूल्यों और मानवता के विपरीत थे। "इस्लामी आक्रमणकारियों की रोटी पर जीना और गोहत्या देखना अच्छा नहीं है। मृत्यु कहीं अधिक वांछनीय है। मैं अब धर्म पर कोई अपमान या इस्लामी आक्रमणकारियों के किसी अन्याय को बर्दाश्त नहीं करूंगा। यदि मेरे पिता मुझे इस कारण से त्याग देते हैं, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी, लेकिन ऐसी जगह पर रहना अच्छा नहीं है।" (पृष्ठ 157) "पिता पुत्र के लिए देवता के समान पवित्र होता है। उसकी आज्ञा का आदरपूर्वक पालन करना चाहिए। लेकिन धर्म का नाश हो चुका है और हर बात में म्लेच्छ ही सर्वोच्च हैं। मुझे उन्हें उखाड़कर अपने धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राण और अपना सर्वस्व दांव पर लगाना चाहिए। फिर मैं वह कैसे कर सकता हूँ जो मेरे पिता ने मुझे अपने पत्र में करने को कहा है। मैंने यह रास्ता इसलिए अपनाया है क्योंकि मुझे यह अधिक श्रेयस्कर लगा।" (पृ.171-172) "दिल्ली के साम्राज्य और उत्तर के राज्य पर विजय प्राप्त करने के लिए मेरा जीवन पर्याप्त नहीं था। भविष्य में, मैंने जो राज्य स्थापित किया है, उसे और अधिक सुदृढ़ और विस्तारित किया जाना चाहिए, तथा उसमें मैंने अब तक जो वीरता दिखाई है, उससे भी अधिक वीरता दिखाई जानी चाहिए और आपको (मेरे बहादुर अधिकारियों को) पदोन्नत किया जाना चाहिए। (पृ.248) जदुनाथ सरकार जी की पुस्तक शिवाजी और उनके समय के अनुसार, उन्होंने महाकाव्यों (इतिहास) श्री रामायण और श्री महाभारत में महारत हासिल की थी। उन्होंने पुस्तकों को पढ़ने के बजाय पाठ और कहानी सुनाने के माध्यम से दो मुख्य हिंदू महाकाव्यों को सीखा। राम और पांडवों की कहानियाँ, जो कार्रवाई, बलिदान, सैन्य कौशल और शासन कला के साथ-साथ राजनीतिक शिक्षाओं और नैतिक सिद्धांतों के उदाहरण प्रदान करती हैं, ने उनके युवा मन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। कई कम्युनिस्ट भारतीय और विदेशी लेखकों ने पैसे और प्रसिद्धि की इच्छा के साथ-साथ एक दोषपूर्ण विचारधारा के कारण महान छत्रपति शिवाजी महाराज को बदनाम करने का प्रयास किया।

सूडोकु नवताल- 7346

सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7345 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

यूरोप को राजनीतिक और कूटनीतिक झटके

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद राजनीतिक और कूटनीतिक झटके यूरोप में महसूस किए जा रहे हैं। जर्मनी के शहर म्यूनिख में चल रहे सुरक्षा सम्मेलन में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के भाषण ने यूरोप के सत्ता प्रतिष्ठानों को हिला दिया है। कुछ महीने पहले तक अमेरिका यूरोप के नेता एक ही सुर में बोलते थे। यूक्रेन युद्ध सहित अनेक विश्व मामलों में दुनिया को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के बजाय आग में घी डालने का काम किया। यूक्रेन, रूस और यूरोप को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने वायदे के अनुसार कार्यकाल के आरंभ में ही युद्ध समाप्त कराने तथा शांति वार्ता आयोजित करने के संबंध में ठोस पहल की। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से लंबी बातचीत की। ट्रंप का शांति फार्मूला है यूक्रेन में तुरंत युद्ध विराम हो तथा बातचीत शुरू हो। रूस को भरोसा दिलाया जाए कि यूक्रेन को कभी पश्चिमी देश सैन्य संगठन नाटो एवं सदस्य नहीं बनाया जाएगा। वास्तव में कुछ वर्ष पहले यदि यह घोषणा की गई होती तो युद्ध शुरू ही नहीं होता। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेग सेथ ने नाटो की बैठक में अमेरिका के इसी रवैये को दोहराया जो यूरोपीय सदस्य देशों को नागवार गुजरा। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की खुलकर ट्रंप प्रशासन का विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि पर्दे के पीछे वह अमेरिका के खिलाफ यूरोपीय देशों की लामबंदी का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का संबोधन यूरोप की सरकारों और नेताओं की नीतियों पर खुला प्रहार था। उन्होंने इन देशों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर अपनाई जा रही पाखंडपूर्ण नीतियों की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूरोप को रूस और चीन सहित बाहरी शक्तियों के बजाय घरेलू ताकतों से असल खतरा है। जेडी वेंस ने आरोप लगाया कि यूरोपीय देशों में अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने की कोशिश की जा रही है जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्तोरियस ने आपत्ति जाहिर करते हुए कहा कि यह स्वीकार नहीं किया जा सकता। वास्तव में आव्रजन, इस्लामी कट्टरवाद, गर्भपात, पर्यावरण और वैक्सीन आदि मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन तथा यूरोपीय नेताओं में मतभेद है। पिछले चुनाव में अमेरिकी मतदाताओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी के खिलाफ ट्रंप को भारी जनादेश दिया था। ट्रंप प्रशासन अब इन्हीं नीतियों को अन्य देशों में फैलाना चाहता है। उपराष्ट्रपति वेंस का संबोधन ऐसे समय सामने आया है जब जर्मनी में आम चुनाव होने वाले हैं। चांसलर शोल्ज को कड़ी चुनौती का सामना है। यूरोप की अन्य देशों की तरह जर्मनी में भी आव्रजन और इस्लामी कट्टरवाद विरोधी राजनीतिक दलों की ताकत बढ़ रही है। जर्मनी के दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी दल एडीएफ की ताकत में इजाफा हो रहा है। मस्क एडीएफ का समर्थन कर रहे हैं। जर्मनी और यूरोप के अन्य देशों में यह धारणा बन रही है कि ट्रंप प्रशासन चुनाव में दखलअंदाजी कर रहा है। यह विडंबना है कि कुछ दिन पहले जो यूरोपीय देश अन्य देशों को अभिव्यक्ति की आजादी की नसीहत दे रहे थे, वे आज खुद कठघरे में खड़े हैं। वास्तव में पश्चिम का वर्चस्ववादी वैकि तंत्र सूचना युद्ध पर टिका था। सूचना के सभी माध्यमों पर इन देशों का एकाधिकार था। किसी भी मुद्दे पर घरेलू और विदेशी मोर्चे पर जनमत का निर्माण करने के लिए इस सूचना तंत्र का इस्तेमाल किया जाता था। ट्वीटर, फेसबुक और व्हाट्सएप आदि के प्रचलन के बाद लोगों को सूचना के वैकल्पिक माध्यम हासिल हुए। एलन मस्क ने ट्वीटर का स्वामित्व हासिल करने के बाद इसे आंतरिक सेंसरशिप से मुक्त किया। वास्तव में भारत पश्चिमी देशों के सूचना एकाधिकार के दुष्परिणाम का भुक्तभोगी रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर कहते रहे हैं कि भारत और उसकी सरकार की छवि खराब करने के लिए सुनियोजित अभियान चलाया जाता है। जयशंकर ने कुछ वर्ष पूर्व इसी म्यूनिख सम्मेलन में कहा था कि यूरोपीय देश यह मानते हैं कि इस महाद्वीप की समस्या विव्यापी है जबकि अन्य देशों की समस्याओं से उनका कोई लेना-देना नहीं है। यह स्थिति ज्यादा दिन तक नहीं चल सकती। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने प्रकारांतर से जयशंकर के तर्क को ही आगे बढ़ाया है।

मेष राशि- आज आपको लोगों का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। आय के नए स्रोत बनेंगे। ऑफिस का काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा। आज जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ करेंगे। शाम को मेहमानों के आने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आपको पैतृक संपत्ति मिलने की संभावना है, जिससे आपके धन-संपत्ति में वृद्धि होगी।

वृष राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। बिजनेस के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है, जो आपके लिए काफ़ी लाभदायक रहेगी। आपकी खुशियों में इजाफा होगा। ऑफिस में आपको जिम्मेदारी वाला काम मिलने की संभावना है, जिसे पूरा करने पर फायदा होगा। आर्ट्स स्टूडेंट्स के लिए दिन बेहतर रहेगा, ग्राफिक डिजाइन कोर्स सीखने का मौका मिलेगा। आज आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता रहेगी।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज अपने काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे। विपरीत परिस्थितियों में सूझ-बूझ से काम लेंगे तो, आज किसी समस्या का समाधान अवश्य मिलेगा। आज लम्बी यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है। आज आप जोखिम भरे कामों से दूर रहें।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें। कोई भी छोटा-बड़ा फैसला लेते वक्त किसी एक्सपर्ट की सलाह से आपको मुनाफा होगा। आज पारिवारिक माहौल व्यवस्थित रखने में आपकी मदद कारगर साबित होगी, परिवार में सभी एक-दूसरे की भावनाओं को समझेंगे।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखने से उनकी काम करने की क्षमता बेहतर होगी, आज आपका काम समय से पहले पूरा हो सकता है। महिलाएं अपने बिजनेस में ज्यादा एक्टिव रहेंगी, आपको ज्यादा धनलाभ होगा। घर में सुखद और अच्छा माहौल रहेगा, शाम का समय बड़े बुजुर्गों के साथ बिताएंगे। आज आपकी सोची हुई कोई योजना पूरी होगी।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपके संतुलित रवैया से फायदा मिलेगा। आज थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बिताएंगे। आज शाम माता जी से आप भविष्य को लेकर विचार-विमर्श करेंगे। आज आपके मन में तरह-तरह की बाते चलेंगी। नजदीकी लोगों से बातचीत करते समय मधुर भाषा का प्रयोग करें।

तुला राशि- आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियां लाया है। आप दोस्तों के साथ बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे। आप दूसरों पर अपना प्रभाव बनाने में सफल होंगे, आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने की जरूरत है, नहीं तो आस-पास के लोग आपका विरोध कर सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति ठीक-ठाक रहेगी।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज ऑफिस के सहकर्मी आपके कामों में सहयोग करेंगे, आपका काम जल्दी पूरा हो जाएगा। आज किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जो आने वाले दिनों में आपकी मदद करेगा। आज किसी भी बात पर अपनी प्रतिक्रिया जल्दी न दें, पहले स्थितियों को समझें फिर अपनी राय सोच समझ कर दें इससे लोगों के बीच आपकी अहमियत बढ़ जाएगी।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे। फिलहाल हर एक बात पर ध्यान देकर स्थिति को सुधारने कोशिश करें। आज पुरानी गलती दोबारा न हो, इस बात का ध्यान रखना आपके लिए आवश्यक होगा।

मकर राशि- आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। पारिवारिक कामों को करने में घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा। अपने दोस्तों से निजी समस्याओं को शेयर करने से बचना चाहिए। नये व्यवसाय में पैसा लगाने के बारे में आप सोच सकते हैं, एक्सपर्ट से राय लेना न भूलें।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज किसी करीबी व्यक्ति से चल रही अनबन दूर होगी। जिन बातों में आपकी ज्यादा रुचि है, उन पर ध्यान देंगे आपको ख़ुशी होगी। आज नए लोगों के साथ जुड़ने से आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा।

मीन राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा। आज व्यापार के मामलों में आपके मन में नए-नए विचार आएंगे। नए लोगों से मिलना और बातें करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। किसी समस्या का समाधान मिलने से आपको राहत मिलेगी।

स्कूली शिक्षा प्रणाली और विद्यार्थियों के लिए घातक है डमी स्कूलिंग

डॉ. ए. एस. गंगवार

शिक्षा का अर्थ केवल किताबी ज्ञान और परीक्षाओं में अच्छे अंक लाना ही नहीं है। शिक्षा सही मायने में तभी सार्थक मानी जाती है जब पढ़ाई के साथ-साथ एक विद्यार्थी का समग्र विकास हो और वह अपने जीवन में एक सफल नागरिक बन सके। इसके लिए विद्यालय सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। तभी तो इसे महज शिक्षा का केन्द्र नहीं, बल्कि ज्ञान का मंदिर कहा जाता है। ज्ञान का अर्थ ही है समग्र रूप से बच्चों का बौद्धिक, शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विकास। विद्यालय ही वह स्थान है, जहां शिक्षक विद्यार्थियों में इन सभी आवश्यक गुणों का विकास कर इसके माध्यम से देश का भविष्य गढ़ते हैं। लेकिन, महज कुछ अर्थोपार्जन के लालच में पड़कर बच्चों के भविष्य के साथ धोखाधड़ी अत्यंत चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। डमी स्कूलिंग की संस्कृति इसी प्रकार के फर्जीवाड़े का एक ज्वलंत उदाहरण है। आश्चर्य की बात है कि विद्यार्थी और उनके अभिभावक झांसे में आकर इस गंभीर समस्या के प्रति संजीदा नहीं हो पा रहे। इस साल जेईई मेन में अव्वल आए एक छात्र का मामला भी इन दिनों सुर्खियों में है, जिसने उस तथाकथित स्कूल का सहारा लिया, जिसकी मान्यता पिछले ही साल रद्द हो चुकी थी।

'धोखाधड़ी' पर हाईकोर्ट की सख्ती- वास्तव में डमी स्कूल देश में स्कूली शिक्षा प्रणाली को कमजोर कर रहे हैं। यदि यह अनुचित शिक्षा प्रणाली अनियंत्रित हो गई, तो समग्र शिक्षा व्यवस्था में गिरावट की संभावना से हरगिज इनकार नहीं किया जा सकता। इसके परिणामस्वरूप स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था चौपट होने लगेगी। यही कारण है कि हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली में चल रहे डमी स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने इसे 'धोखाधड़ी' बताया और कहा कि ऐसे स्कूलों को अनुमति नहीं दी जा सकती, जो छात्रों को केवल कोचिंग क्लासेस में भेजते हैं और परीक्षा में बैठने की अनुमति देते हैं, जबकि यह जानकारी पूरी तरह से झूठी होती है। कोर्ट ने राज्य सरकार और सीबीएसई को इस संबंध में जांच करने का आदेश दिया। एक याचिका की सुनवाई में हाईकोर्ट का स्पष्ट कहना था कि डमी स्कूल जिस तरह से बे-बेरोकटोक चल रहे हैं, उससे उन विद्यार्थियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, जो रेगुलर स्कूल में पढ़ाई करते हैं। वो राज्य कोटा के जरिए इंजीनियरिंग, मेडिकल और दूसरे बड़े संस्थानों में एडमिशन लेने से वंचित रह जाते हैं। यह न केवल शिक्षा के नियमों के खिलाफ है, बल्कि सीबीएसई के 75 प्रतिशत अटेंडेंस के नियम का भी सीधा उल्लंघन है।

अभिभावक भी जन-जागरुकता

जिम्मेदार- डमी स्कूलिंग में विद्यार्थी स्कूलों में कक्षाएं नहीं करते, बल्कि कोचिंग सेंटरों में समय बिताते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो ऐसे स्कूल कोचिंग संस्थानों के लिए मात्र एक बिचौलिया हैं, जहां स्टूडेंट को एडमिशन तो मिल जाता है, परंतु उसे रोज स्कूल जाना नहीं पड़ता। बच्चे जेईई मेन, जेईई एडवांस और नीट जैसी परीक्षाओं की तैयारी करानेवाले कोचिंग संस्थानों तक ही सिमटे रह जाते हैं। दरअसल, इसमें केवल कोचिंग सेंटरों की गलती नहीं हैं, इसके लिए पेरेंट्स भी उतने ही जिम्मेदार हैं। वे खुद चाहते हैं कि उनका बेटा या बेटी स्कूल में क्लासेज अटेंड न करे, बल्कि कोचिंग जाए, ताकि नीट और आईआईटी में जा सके, इसलिए पेरेंट्स खुद स्कूलों पर प्रेशर डालते हैं। देश के विभिन्न शहरों में ऐसे कई स्कूल हैं, जो हर महीने इस काम के लिए अतिरिक्त 50 फीसदी तक चार्ज करते हैं। मसलन, जिन स्कूलों में 60,000 एनुअल फीस है, वहां अभिभावक बच्चे को स्कूल न जाना पड़े, इसके लिए 90,000 रुपए की रकम चुकता करते हैं।

जरूरी- वस्तुतः, नन-स्कूलिंग या डमी स्कूलिंग कहीं से भी बच्चे के लिए हितकर नहीं है। विद्यालय में नियमित कक्षाओं से ही उनका सर्वांगीण विकास संभव है, जहां उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ खेल, कला, संगीत सहित तमाम विधाओं में पारंगत बनाया जाता है। सीबीएसई की ओर से डमी स्कूलिंग के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई न केवल जरूरी, बल्कि सराहनीय भी है। जानकारी के मुताबिक देशभर में 300 से अधिक डमी स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। लेकिन, इस दिशा में विद्यार्थियों और अभिभावकों को भी जागरूक होकर आगे आना होगा। उन्हें रेगुलर स्कूलिंग की अहमियत समझनी होगी, नहीं तो ऐसी फर्जी व्यवस्थाएं हमारी शिक्षण-प्रणाली को धीरे-धीरे खोखला कर देंगी, इसमें कोई संदेह नहीं।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।**
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

बिहार का सीडी रेशियो राष्ट्रीय औसत से काफी कम, 5 सालों में 58 फीसदी तक ही पहुंचा

पटना, एजेंसी। बिहार का चालू वित्तीय वर्ष में साख जमा अनुपात यानी सीडी रेशियो 58.59फीसदी के आसपास बना हुआ है. राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति यानी (एसएलबीसी) की त्रैमासिक बैठक में वित्तीय वर्ष का आंकड़ा सामने आया है. बिहार का सीडी रेशियो राष्ट्रीय औसत से काफी कम है. देश का राष्ट्रीय औसत 78फीसदी के करीब है.

5 सालों में 58त्न के करीब पहुंचा

बिहार सरकार पिछले कई सालों से लगातार सीडी रेशियो बढ़ाने के लिए बैंकों पर दबाव डाल रही है लेकिन पिछले 5 सालों में सीडी रेशियो 43फीसदी से बढ़कर 58फीसदी के करीब ही पहुंचा है, जबकि कई विकसित राज्यों में सीडी रेशियो 100 फीसदी से भी ऊपर है.

पिछले 5 सालों का सीडी रेशियो

साल 2019-20 में बिहार का सीडी रेशियो 43.03फीसदी, 2021-22 में 46.40फीसदी, 2022-23 में 55.64फीसदी, 2023-24 में 58.71फीसदी और 2024-25 में सीडी रेशियो 58.59फीसदी (दिसंबर तक) रहा है.

डबल इंजन की सरकार में भी नहीं बदला

सीडी रेशियो को लेकर बिहार में सियासत भी खूब होती रही है. प्रशांत किशोर की ओर से भी बिहार सरकार पर इसके लिए निशाना साधा जाता रहा है. डबल इंजन की सरकार में भी बैंकों का रवैया बिहार के प्रति नहीं बदला है. यही कारण है कि चालू वित्तीय वर्ष में बैंकों को 323093 करोड़ ऋण बांटने का लक्ष्य दिया गया है, जबकि अभी तक बैंकों की ओर से 168930 करोड़ ही लोन बांटे गए हैं. बैंक लोन बांटने में लक्ष्य से काफी पीछे चल रहे हैं.

राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में खुलासा

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024 -25 में अब केवल डेढ़ महीने के करीब ही समय बच गए हैं. राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 90वीं, 91वीं और 92वीं संयुक्त त्रैमासिक बैठक में उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने सीडी रेशियो बढ़ाने का निर्देश बचे हुए डेढ़ महीने में बैंकों को दिया है. बैंकों की तरफ से एक बार फिर से सरकार को आश्वासन दिया गया है. वर्तमान वित्तीय वर्ष में 60फीसदी तक होने की उम्मीद जताई जा रही है.

सीएम की जगह डिप्टी सीएम हुए शामिल

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की पहली बैठक में ऐसे तो मुख्यमंत्री भी शामिल होते रहे हैं लेकिन इस बार सीएम नीतीश कुमार इसमें नहीं शामिल हुए. उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी और मुख्य सचिव सहित सभी आला अधिकारी और सभी बैंकों के प्रतिनिधि इस बैठक में मौजूद थे.

संक्षिप्त समाचार

कार्य में लापरवाही बरतने पर 11 पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई

● छपरा एसपी ने सभी का वेतन रोकने का दिया आदेश, पुलिस महकमे में हड़कंप

छपरा, एजेंसी। सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले 11 पुलिसकर्मियों का वेतन रोक दिया है। यह कार्रवाई 15 फरवरी 2025 को अपराध गोष्ठी के दौरान अभियोजन शाखा की समीक्षा के बाद की गई। जांच में पाया गया कि इन अधिकारियों ने पिछले चार महीनों (सितंबर से दिसंबर 2024) के दौरान अभियोजन मामलों में आरोप-पत्र और अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय में स्वीकृत नहीं कराए। कार्रवाई में प्रभावित अधिकारियों में नगर थाना से संजीव कुमार, मुफस्सिल थाना से दीपक सागर, भगवान बाजार थाना से सुभाष कुमार समेत विभिन्न अंचलों के पुलिस इंस्पेक्टर और थानाध्यक्ष शामिल हैं। एसपी ने पहले भी इस मुद्दे पर बैठक कर सभी अधिकारियों को चेतावनी दी थी, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं होने पर यह कठोर कदम उठाया गया। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि अभियोजन कार्यों में लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा और भविष्य में भी ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अन्य सभी थानाध्यक्षों और इंस्पेक्टरों को मामलों का त्वरित निपटारा करने का निर्देश दिया है, ताकि लोगों को समय पर न्याय मिल सके। इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

जमुई को तोड़ने-जलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा-श्रेयसी सिंह

● जमुई में हिंदू संगठन पर हुए पथराव पर बोली-दोषियों पर होगी कार्रवाई, अब तक 10 गिरफ्तार

जमुई, एजेंसी। जमुई के झाझा थाना क्षेत्र के बालियोंडीह में हिंदू संगठन के लोगों पर रविवार को हुए पथराव की घटना को लेकर विधायक श्रेयसी सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह घटना भावनात्मक रूप से दुखद है। घटना उस समय हुई जब हनुमान चालीसा पाठ और खिचड़ी प्रसाद वितरण के बाद लोग शांतिपूर्वक लौट रहे थे। इस हमले में नगर परिषद उपाध्यक्ष नीतीश कुमार साव गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज पटना में चल रहा है। प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक 41 लोगों पर एफआईआर दर्ज की है और 10 लोगों को गिरफ्तार किया है।

चुनाव के समय माहौल खराब करने की हो रही कोशिश : विधायक ने स्पष्ट किया कि जमुई को तोड़ने और जलाने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों से सभी समुदाय और धर्म के लोग यहां शांतिपूर्वक रह रहे हैं। चुनावी समय में इस तरह की घटनाएं करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। श्रेयसी सिंह ने जिला प्रशासन के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि जांच के बाद साजिश का पता चलेगा और इस मामले में शामिल सभी लोगों के नाम सामने आएंगे। उन्होंने इस घटना को असामाजिक तत्वों का काम बताया, जिन्होंने पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में काफिले पर पथराव कर कानून को अपने हाथ में लेने का प्रयास किया।

गया एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री मांझी ने की बैठक एयरपोर्ट के विस्तार पर अधिकारियों के साथ हुई चर्चा

नए रूट और बेहतर सुविधाओं की मांग

गया, एजेंसी। गया एयरपोर्ट को लेकर केंद्र सरकार गंभीर है, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने एयरपोर्ट सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में बेलागंज विधायक मनोरमा देवी, गया के डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम, एयरपोर्ट निदेशक बंगजीत साहा, मगध इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अनूप कुमार केडिया, होटल एसोसिएशन संघ के सचिव संजय सिंह समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

एयरपोर्ट विस्तार पर जोर

बैठक में एयरपोर्ट के विस्तार, नए हवाई मार्ग, कार्गो संचालन और यात्रियों की सुविधाओं पर गहन चर्चा हुई। एयरपोर्ट निदेशक ने मौजूदा व्यवस्थाओं और भावी योजनाओं का खाका बैठक में पेश किया। मंत्री ने सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और योजनाओं को धरातल पर उतारने के क्रम में जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए।

नए रूट और बेहतर सुविधाओं की मांग

गया एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने की योजना पर भी चर्चा हुई। समिति के सदस्यों ने नए रूट शुरू करने और सुविधाओं को अपग्रेड करने के सुझाव दिए। मंत्री ने आश्वासन दिया कि जरूरी मांगों को केंद्र सरकार तक मजबूती से पहुंचाया जाएगा।

बैठक में इन मुद्दों पर बनी सहमति

एयरपोर्ट विस्तार के लिए नए इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस

इंटरनेशनल फ्लाइट्स बढ़ाने की रणनीति

कार्गो सुविधा विकसित करने के उपाय

यात्रियों के लिए बेहतर इंतजाम

गौरतलब है कि बीते दिनों गया से दिल्ली के लिए हवाई सेवा में विस्तार किए जाने की मांग केंद्र सरकार से की थी। इस पर सहमति भी चुकी है। सेवाएं बढाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। केंद्रीय मंत्री का जोर है कि दिल्ली के लिए अधिक हवाई सेवा के साथ साथ शुल्क भी पटना से दिल्ली की तर्ज पर हो। बैठक के अंत में एयरपोर्ट निदेशक बंगजीत साहा ने सभी को धन्यवाद दिया और भविष्य में इसी तरह के संवाद जारी रखने की बात कही।

'जो लालू प्रसाद यादव को गाली दे रहे वही भारत रत्न देंगे', तेजस्वी यादव का बड़ा बयान

सीतमढ़ी, एजेंसी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सीतामढ़ी में अलग ही रूप में दिखे. उन्होंने सीतामढ़ी के सोनबरसा में कर्पूरी ठाकुर की पुण्यतिथि पर बीजेपी पर जमकर हमला किया. उन्होंने कहा कि कर्पूरी ठाकुर और समाजवाद की ताकत देखिए, जो लोग उन्हें भद्दी-भद्दी गालियां देते थे, आज वही लोग भारत रत्न दे रहे हैं.

बिहार में बढ़ रहा है अपराध का ग्राफ

तेजस्वी यादव ने कहा कि यह आपकी ताकत है कि आपके आगे कोई भी पार्टी और कोई भी नेता झुकता है. तेजस्वी यादव ने कहा कि लगातार बिहार में अपराध बढ़ रहा है. हमारे शासनकाल में हमने अपराधियों पर लगाम लगा दिया था, लेकिन नीतीश सरकार ने अपराधियों को खुला छोड़ दिया है.

नीतीश कुमार थक गए हैं

तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार अब वह थक गए हैं. उनके पास अब कोई विजन नहीं रह गया. भाजपा की कठपुतली बन गए हैं. हमारे समय में जो विकास का काम हुआ उस काम को नीतीश कुमार कहते हैं हमने किया, लेकिन बिहार के जनता जानती है हमने चुनाव के समय में वादा किया था उसे पूरा करके दिखाया है.

जनता सिखाएगी सबक

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनी तो हमने पहले कैबिनेट की बैठक में अपने किए गए वादे के अनुसार फैसला लिया. तेजस्वी यादव ने कहा आने वाले चुनाव में बिहार की जनता एनडीए गठबंधन को सबक सीखाकर छोड़ेगी.

लालू यादव को भारत रत्न देनी होगी

तेजस्वी यादव ने यहीं नहीं रूके बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज उनकी मजबूरी बन गई है. ये आपके वोट की ताकत है जो लोग गाली बोलते थे उन्हें मजबूरन कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देना पड़ा. उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने भी सामाजिक बदलाव किया है. आज जो लोग लालू यादव को गाली देते हैं. वही लोग आने वाले समय में उन्हें भी भारत रत्न देंगे. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का कहना है कि ये आपकी ताकत के कारण कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न मिला है. जो लोग लालू यादव को गाली दे रहे हैं आने वाले दिनों वही लोग भारत रत्न देंगे.

तालाब नहीं तो खेत में भी मखाना की उपज संभव

समस्तीपुर, एजेंसी। आपके पास तालाब झील नहीं है बावजूद आप मखाना की खेती करना चाहते हैं तो यह खेत में भी संभव है। एक एकड़ जमीन में दो लाख रुपए तक की बचत कर सकते हैं। बस आपको ऐसे खेत की तलाश करनी है जिस खेत में अप्रैल से अक्टूबर महीने तक कम से कम तीन फीट पानी लगा रहे। इसके साथ ही पारंपरिक विधि से मखाना बनाकर अच्छा मुनाफा भी कमाया जा सकता है। बस इसके लिए जरूरत है कि आप वैज्ञानिक द्वारा बताए गए तरीके से खेती करने की। हाल ही में लोकसभा में पेश हुए बजट में मखाना उत्पादन को लेकर बोर्ड के गठन का प्रस्ताव दिया गया। इसके बाद लोगों में मखाना उत्पादन की रुचि और बढ़ गई है हालांकि मखाना की अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मांग अधिक है उस हिसाब से उत्पादन नहीं हो पता है। बिहार के दरभंगा मधुबनी और कटिहार के कुछ इलाके में करीब 13,000 हेक्टेयर में इसकी खेती होती है।

कैसे करें मखाना का उत्पादन : मखाना उत्पादन के लिए डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा से जुड़े केवीके जाले के वैज्ञानिक दिव्यांशु शेखर बताते हैं कि तालाब, झील, पोखर आदि जगहों पर तो मखाना की खेती की ही जा सकती है अगर लोगों के पास यह संसाधन उपलब्ध नहीं है तो वह अपने खेत में मखाना का उत्पादन

कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें ऐसे खेत की तलाश करनी होगी जहां अप्रैल से अक्टूबर महीने तक कम से कम 3 फीट पानी लगा रहे। उन्होंने बताया कि फरवरी से अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक इसकी रोपाई कर देनी चाहिए। धान रोपनी के समान्य ही इसकी भी रोपनी करनी चाहिए।

करीब डेढ़ महीने में बीज पौधा के रूप में बनकर तैयार हो जाता है और पानी के ऊपर आ जाता है। फल बनना शुरू हो जाता है, लेकिन उस समय अत्यधिक कांटा होने के कारण इसे समान्य तौर पर हाथों से तोड़ना संभव नहीं होता है फिर यह पौधा खुद ही गल कर नीचे गिरने लगता है। इसके बीज पूरी तरह से धरती पर गिर जाते हैं और पौधा गल जाता है तो इसके बीज को छानकर बाहर निकाल दिया जाता है।

कैसे तैयार होता है मखाना

पानी से छानकर निकाले गए बीज को पारंपरिक विधि से मखाना तैयार किया जाता है। हालांकि अब कई मशीन भी इसके लिए आ गए हैं, लेकिन बेहतर मखाना पारंपरिक विधि से तैयार हो रहा है। मखाना की तैयार बीज को अलग-अलग तापमान पर भूना जाता है। पहले इसे 20 से 25 डिग्री सेल्सियस पर भूना जाता है फिर इसे 25 से 50 डिग्री सेल्सियस पर फिर 75 से 100 डिग्री सेल्सियस पर और 100 डिग्री सेल्सियस के बाद इसके गर्म बीज को हैमर विधि से फोड़ा जाता है इसके मखाना का लावा तैयार हो जाता है। जिस मखाना का लावा 6द्वद्व से ज्यादा का होता है उसे बेहतर क्वालिटी का माना जाता है और इसका अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत भी अधिक मिलता है।

1 एकड़ में दो लाख तक हो सकता है मुनाफा

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि एक एकड़ मखाना की खेती में करीब 10 किलो बीज लगता है 1 किलो बीज की कीमत 300 से 350 रुपए होती है यानी करीब 35 से 4000 रुपए खर्च होता है और करीब तीन माह बाद दो लाख रुपए तक की आमदनी शुद्ध रूप से होती है।

माँ विषहारा महोत्सव में बॉलीवुड गानों पर झूमें श्रोता

सहरसा, एजेंसी। सहरसा के दिवारी में आयोजित दो दिवसीय राजकीय माँ विषहारा महोत्सव का दूसरे दिन संगीतमय रहा। बॉलीवुड के मशहूर गायक सलमान अली और सारेगामा फेम सहरसा के लाल जय झा ने अपनी सुरीली आवाज से महफिल को चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम में सलमान अली ने जब बचना ए हसीनों और मेरी उमर के नौजवानों जैसे सदाबहार गीत प्रस्तुत किए, तो हजारों दर्शक झूमने लगे। वहीं सहरसा के लाल जय झा ने हिंदी गानों की बेहतरीन प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मधेपुरा सांसद ने कलाकारों को किया सम्मानित : विशेष अतिथि के रूप में मधेपुरा सांसद दिनेश चंद्र यादव ने कार्यक्रम में शिरकत की और जय झा को क्षेत्र की शान बताते हुए उनकी प्रतिभा की सराहना की।सहरसा जिलाधिकारी वैभव चौधरी और जिला उप विकास आयुक्त ने भी कार्यक्रम में मौजूद रहकर कलाकारों का सम्मान किया। इस दौरान जय झा को सांसद ने मिथिला के रीति रिवाज से पाग व चादर देकर सम्मानित किया। वहीं जिला उप विकास आयुक्त ने बालीबुड गायक सलमान अली को पाग चादर पहनाया। महोत्सव में स्थानीय कलाकारों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया, जिससे कार्यक्रम की रौनक दोगुनी हो गई।

शिवहर में थप्पड़ मारकर सीएसपी संचालक से 4.85 लाख की लूट

मचा हड़कंप

शिवहर, एजेंसी। बिहार के शिवहर में लालगढ़ गोवास पेट्रोल पंप के पास सीएसपी संचालक से लूट की घटना घटी. मामला श्यामपुर भटहां थाना क्षेत्र का है. आरोप है कि बेखौफ अपराधियों ने एक सीएसपी संचालक से करीब 5 लाख रुपए लूट लिए.

बाइक से आए थे बदमाश

बताया जा रहा है कि अपाचे बाइक सवार तीन अपराधियों ने उसे रास्ते में रोक लिया. बाइक सवार बदमाशों ने उसे थप्पड़ मारकर पैसे से भरा बैग छीन लिया और फरार हो गए. घटना के तुरंत बाद एसडीपीओ सुशील कुमार और थाना अध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की तहकीकात शुरू कर दी. जैसे ही अर्जुन बैंक से लौटने लगा, डुमरी ब्लॉक के पास एक अपाची बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने उसका पीछा किया. पेट्रोल पंप के पास एक नया मकान पार करते हुए अपराधियों ने उसे धक्का दिया, और उसके माथे पर बंदूक सटाकर बैग छीन लिया.

● **सरोज पासवान,** सीएसपी संचालक का भाई

मां थी चश्मदीद

अर्जुन की मां शीला देवी ने बताया कि वह अपनी आंखों से यह सब देख रही थीं. वह घास काटने के लिए घर से बाहर जा रही थीं, तभी उसने देखा कि उसके बेटे को अपराधियों ने धक्का देकर गिरा दिया और बैग लूटकर भाग गए.

थप्पड़ मारकर शिवहर में 4.85 लाख की लूट

एसपी शैलेश कुमार सिन्हा ने बताया कि सोमवार की शाम अर्जुन पासवान, जो कि लालगढ़ चौक पर बैंक ऑफ़ बड़ौदा का सीएसपी संचालक है, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ब्रांच से 4 लाख 85 हजार रुपए निकालकर घर लौट रहे थे. तभी पीछे से अपाचे सवार बदमाशों ने बाइक रुकवाया. हथियार दिखाकर थप्पड़ मारे और कैश छीनकर चलते बने. दिनदहाड़े वारदात से दहशत : इस घटना के बाद से इलाके में खौफ का माहौल बन गया है. जिस तरह से अपराधियों ने दिनदहाड़े हथियारों के बल पर लूट की वारदात को अंजाम दिया, उससे लोगों में दहशत का माहौल है. पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है.

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, बुधवार, 19 फरवरी, 2025

प्रयागराज जंक्शन जाने वाले मार्ग को किया बंद, स्टेशन जाने वाले मार्ग पर बैरिकेडिंग

महाकुंभ नगर (प्रयागराज) एजेंसी। प्रयागराज संगम स्टेशन को 26 फरवरी तक बंद करने के बाद प्रयागराज जंक्शन पर भीड़ का दबाव काफी अधिक बढ़ गया है। जंक्शन जाने वाले सभी रास्तों पर खड़े होने तक की जगह नहीं बची है। सिविल लाइंस पानी की टंकी से जंक्शन जाने वाला आरओबी यात्रियों से भर गया है। जानसेनगंज चौक के रास्ते भी भीड़ जंक्शन की ओर बढ़ रही है।

मेले से जंक्शन की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या अधिक है। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कुछ कमी आई है। शहर में कई जगह बैरिकेडिंग करके बाइक और चार पहिया वाहनों को रोक दिया गया है। मेडिकल कॉलेज, सीएमपी डॉट पुल से लेकर बालसन चौराहे पर जबर्दस्त बैरिकेडिंग की गई है। पैदल जाने वालों को दूसरे रास्ते से और वाहनों को दूसरे रास्ते से भेजा जा रहा है।

जंक्शन के अलावा प्रयाग स्टेशन, झूंसी, रामबाग प्रयागराज, नैनी, छिवकी और फाफामऊ स्टेशनों पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। रेलवे की ओर से तैयार कराए गए सारे होल्डिंग एरिया और रैन बसेरे फुल हो गए हैं।

श्रद्धालु सड़कों पर बैठककर ट्रेनों का इंतजार कर रहे हैं।

भीड़ बढ़ी तो पत्थर गिरजा के निकट भेजी गई शटल बसें- प्रयागराज जंक्शन पर भारी भीड़ को देख यूपी रोडवेज की शटल सेवा सोमवार को पत्थर गिरजा सिविल लाइंस से संचालित की जाने लगी। संगम स्नान के बाद रेलवे स्टेशन की ओर आने वाले श्रद्धालुओं को शटल बसों के जरिये बेला कछार और झूंसी स्टेशन पहुंचाया जाता रहा। यूपी रोडवेज ने सभी अस्थायी बस स्टेशनों से 2200 बसों का संचालन किया।

दोपहर से ही प्रयागराज जंक्शन पर भीड़ बढ़नी शुरू हो गई। इसके बाद जिला प्रशासन ने यूपी रोडवेज के अफसरों से संपर्क साधकर पत्थर गिरजा से एजी ऑफिस के बीच शटल बसों को लाना शुरू कराया। ताकि, प्रयागराज जंक्शन की ओर आने वाले श्रद्धालुओं को शटल बसों के माध्यम से अस्थायी बस स्टेशन छोड़ा जाए।

शाम से ही शटल बसों को फाफामऊ पुल के रास्ते बेला कछार और झूंसी के लिए भेजा जाने लगा। इस दौरान रोडवेज के भी कई वरिष्ठ अफसर वहां बसों के संचालन को लेकर कर्मचारियों को दिशानिर्देश देते रहे। वहीं, शहर के अन्य रूटों पर भी रिजर्व शटल बसें चलाई गईं।

यहां जीपीओ के पास पहुंचे चंदौली के रामेश्वर दयाल ने बताया कि उन्हें पंडित दीन दयाल उपाध्याय के लिए ट्रेन पकड़नी है। अब बस से वह झूंसी जाकर वाराणसी की बस पकड़ेंगे। सुल्तानपुर के अश्विनी पाठक ने बताया कि सुबह वह बेला कछार से पैदल ही संगम गए थे। वापसी में संगम से पत्थर गिरजा तक वह पैदल ही आए। अब बस से वह बेला कछार जाकर सुल्तानपुर की बस पकड़ेंगे।

संक्षिप्त समाचार

निलंबन का फोन आया और आरएएफ के हवलदार ने पत्नी-बेटी समेत खाया सल्फास... दंपती की मौत

मेरठ एजेंसी। सरधना रोड स्थित गणपति एन्कलेव में रविवार सुबह नौ बजे आरएएफ के हवलदार केशपाल (45) ने पत्नी प्रियंका देवी (29) व बेटी नाव्या (15) के साथ जहर (सल्फास) खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने तीनों को आनंद अस्पताल में भर्ती कराया। शाम को हवलदार की उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं देर रात प्रियंका ने भी दम तोड़ दिया। नाव्या की हालत गंभीर बताई गई है।

कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के गणपति एन्कलेव में केशपाल अपने परिवार के साथ रहते थे। भाई महेश पाल ने बताया कि वह मूलरूप से बागपत जनपद के दोघट थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव भड़ल धनौरा के रहने वाले हैं। छोटा भाई केशपाल आरएएफ में हवलदार के पद पर अंबाला में कार्यरत था और पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर तैनात था। परिवार में पत्नी प्रियंका, बेटी नाव्या और 12 वर्षीय बेटा विवान हैं।

सुबह नौ बजे जहर खाने के बाद केशपाल ने भाई महेशपाल को फोन कर बताया कि हमने जहर खा लिया है। मेरी हालत खराब है। प्रियंका और नाव्या को बचा लो। इसके बाद परिजन मौके पर आए। उन्होंने पहले कैलाशी अस्पताल और बाद में तीनों को आनंद अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर उपचार के दौरान हवलदार केशपाल ने दम तोड़ दिया। देर रात प्रियंका की भी मौत हो गई।

अमित शाह की पत्नी पहुंचीं मां विंध्यवासिनी दरबार, विधि- विधान से दर्शन पूजन कर लिया आशीर्वाद

मिर्जापुर एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पत्नी सोनल शाह मंगलवार की सुबह मां विंध्यवासिनी दरबार पहुंची। परिवार के अन्य सदस्यों के साथ विधि- विधान से मां का दर्शन

पूजन किया। पुरानी वीआईपी मार्ग से होते हुए सभी गर्भ गृह में पहुंचे। इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, नगर विधायक रत्नाकर मिश्र ने अंगवस्त्रम पहनाकर स्वागत किया।

बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने के बाद वे वाराणसी से मिर्जापुर आई हैं। सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम रहे। मौके पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, एसएसपी सोमेन बर्मा, एडीएम शिव प्रताप शुक्ल मौजूद रहे।

ग्रीनपार्क अपार्टमेंट के फ्लैट में पटाखों से लगी आग, मची खलबली

अलीगढ़ एजेंसी। अलीगढ़ में थाना महुआखेड़ा के ग्रीन पार्क अपार्टमेंट में 17 फरवरी देर रात चौथी मंजिल स्थित एक फ्लैट में आग लग गई। इससे अपार्टमेंट में खलबली मच गई। स्थानीय लोगों ने लगी आग पर काबू पा लिया। पुलिस की जांच में साफ हुआ है कि बच्चों द्वारा फ्लैट में चलाए गए पटाखों के चलते आग लगी थी। गनीमत रही कि आग पर समय रहते हुए काबू पा लिया गया। क्लार्सी-एटा बाईपास रोड पर ग्रीन पार्क अपार्टमेंट है। अपार्टमेंट की चौथी मंजिल पर फ्लैट संख्या बी 408 में राहुल वार्ष्णेय -गुंजन रहते हैं। वह शहर के कारोबारी अनिल जलाली के रिश्तेदार हैं। रात करीब 10:30 बजे राहुल का 15 वर्षीय बेटा यश वार्ष्णेय घर में अकेला था। यश ने दिवाली के बचे हुए पटाखे चलाना शुरु कर दिया। इससे फ्लैट में आग लग गई। उपेंद्र कुमार, इशान, पार्थ, रोहित गौरांग, विकास, राजीव आदि ने वहां पहुंच गए और फायर हाइड्रेट की मदद से सबमर्सिबल चलाकर करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। सूचना पर थाना महुआ खेड़ा पुलिस व दमकल पहुंच गई। उधर, आग की सूचना से पूरे अपार्टमेंट में खलबली मच गई। तमाम लोग अपने-अपने फ्लैट से बाहर निकल आए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरविंद कुमार सिंह ने बताया है कि प्रारंभिक जांच में आग का कारण बच्चों द्वारा दिवाली पर बचे हुए पटाखे चलाए जाना पाया गया है।

कानपुर में विद्यार्थी मार्केट की समस्याओं का हर हाल में निराकरण करके ही दम लेंगे : राजेश भल्ला

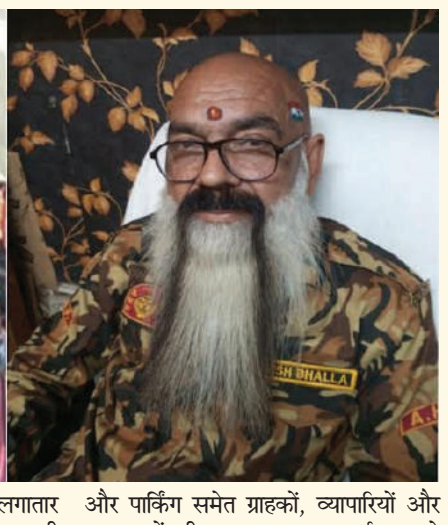

पिंक टॉयलेट नहीं होने से महिला ग्राहकों को होती भारी परेशानी, पार्किंग की समस्या भी विद्यार्थी मार्केट के लिए सिरदर्द, खिलाफ जुटा हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां गोविंद नगर स्थित विद्यार्थी मार्केट महिलाओं के टॉयलेट समेत अनेक समस्याओं से सालों जूझ रहा है। ऐसा नहीं है कि इसके लिए प्रयास नहीं किए गए। किए अवश्य गये लेकिन न केवल संबंधित विभागों बल्कि किसी भी जनप्रतिनिधियों ने भी आज तक पार्किंग सहित निर्माण कराने के रूप में महिलाओं की पिंक टॉयलेट वाली समस्या का भी निराकरण आज तक नहीं किया, जिससे विद्यार्थी मार्केट में बड़ी संख्या में आने वाली महिलाओं को भी बहुत परेशानी होती है। महिला टॉयलेट के साथ ही यहां की दूसरी बड़ी समस्या पार्किंग की भी है। इसका भी निस्तारण आज तक संभव नहीं हो सका है।

फिलहाल इसके लिए हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल का प्रयास लगातार जारी भी है। और इसमें जल्द सफलता भी इसलिए मिल सकती है ,क्योंकि आजकल जुझारू संरक्षक के रूप में हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल की कमान हर किसी के सुख दुख में सदैव खड़े होने वाले परोपकारी स्वभाव के तेजतर्रार और व्यवहार कुशल व्यापारी नेता और चर्चित वरिष्ठ समाजसेवी राजेश कुमार भल्ला के हाथ में है।

विद्यार्थी मार्केट के दुकानदार व्यापारियों की समस्याओं के खिलाफ शुरू से ही अनवरत संघर्ष में जुटे रहने वाले हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल के संरक्षक के साथ ही गोविंद नगर के चार ब्लॉक स्थित श्री हनुमान मंदिर के अध्यक्ष, अखंड हिंद फौज में कानपुर मंडल के अध्यक्ष, श्री राम श्याम मित्र मंडल के उपाध्यक्ष, नवयुवक दशहरा कमेटी और स्वर्ग आश्रम सेवा समिति गोविंद नगर के उप चेयरमैन तथा बेहद सहयोगी स्वभाव के व्यापारी नेता समाजसेवी राजेश कुमार भल्ला के मुताबिक अध्यक्ष सचिन दुआ और महामंत्री विपुल शाहा आदि पदाधिकारियों के साथ हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल अपना संघर्ष तब तक जारी रखेगा जब तक महिला पिंक टॉयलेट और पार्किंग समेत ग्राहकों, व्यापारियों और दुकानदारों की हर समस्या का पूर्ण रूप से निस्तारण नहीं हो जाएगा।

अवगत कराते चलें कि कानपुर के प्रसिद्ध बाजारों में से एक विद्यार्थी मार्केट घरेलू समेत ग्राहकों की जरूरत का हर सामान उपलब्ध कराने वाला दक्षिण का प्रमुख बाजार है। यहां लगभग 400 से अधिक हर तरह की दुकानें हैं। इस विद्यार्थी मार्केट में शॉपिंग का अच्छा सामान चूड़ी, कपड़े, चप्पल, मिट्टी का सामान, बर्तन, घर का सामान, मसाले और जड़ी-बूटियां तक मिल जाती हैं।

सौंदर्य प्रसाधन से लेकर कपड़ों साड़ियों समेत हर तरह का सामान मिलने से इस विद्यार्थी मार्केट में बड़ी संख्या में महिलाएं भी खरीदारी के लिए आती हैं, लेकिन उनके लिए यहां पिंक टॉयलेट की व्यवस्था नहीं है ,जिससे उन्हें भारी कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता है। पार्किंग समेत महिलाओं की पिंक टॉयलेट वाली इस समस्या के निराकरण के लिए संरक्षक राजेश कुमार भल्ला की अगुवाई में हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल का प्रयास लगातार जारी भी है, लेकिन इसमें सफलता का झंडा कब लहराएगा। यह आने वाला वक्त ही बताएगा।

जहांगीरी महल में गूंजेगी शिवाजी महाराज की वो गौरवगाथा, जो हर भारतीय को जाननी चाहिए

आगरा एजेंसी। आगरा किला के जिस दीवान-ए-आम में तख्त पर बैठकर मुगल बादशाह औरंगजेब ने छत्रपति शिवाजी महाराज को कैद करने का आदेश दिया, इस बार उस दीवान-ए-आम में शिवाजी महाराज की जयंती नहीं मनाई जाएगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने दीवान-ए-आम की जगह जहांगीरी महल के बाहर बने पार्क में समारोह करने की अनुमति दी है। आयोजकों ने 2,000 लोगों की अनुमति मांगी थी, लेकिन केवल 800 लोगों को आमंत्रित करने के लिए कहा गया है।

आगरा किला में दो साल से छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती समारोह आयोजित कर रहे अजिंक्य देवगिरी प्रतिष्ठान के अध्यक्ष विनोद पाटिल ने बताया कि 19 फरवरी को छत्रपति की 395 वीं जयंती पर समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आएंगे। वह 19 फरवरी की शाम को आगरा किला में शाम 7:30 बजे से रात 9:30 बजे तक रहेंगे।

उनके साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और मंत्रिमंडल के कई सदस्य भी आएंगे। छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़े प्रसंगों और नाट्य प्रस्तुति दी जाएगी। आगरा किला के बाहर बड़े एलईडी स्क्रीन लगाए जाएंगे, जहां लोग समारोह का सीधा प्रसारण देख सकेंगे। महाराष्ट्र और देशभर के एक करोड़ से ज्यादा शिव प्रेमी डिजिटल माध्यम से भी इस समारोह से जुड़ेंगे।

40 डेसिबल रखनी होगी आवाज

जी-20 देशों के प्रतिनिधियों के लिए 2 साल पहले 11 फरवरी, 2023 में प्रोजेक्शन मैपिंग और सांस्कृतिक प्रस्तुति में तेज आवाज के कारण दीवान-ए-आम की दीवार और छत में दरारें आ गई थीं। एएसआई ने इसमें टिलटेल ग्लास लगा दिया था। एक साल बाद इसकी मरम्मत कर दरारें भर दी गईं। इस साल अनुमति की शर्त में 40 डेसिबल तक ही साउंड रखने के लिए कहा गया है ताकि स्मारक को साउंड सिस्टम की धमक से नुकसान न पहुंचे। जहांगीरी महल के खुले पार्क में ही स्टेज बनाई जाएगी, जिसे छोटा कराया गया है। आयोजकों ने बड़े और ऊंचे मंच का प्रस्ताव दिया था, लेकिन अधीक्षण पुरातत्वविद राजकुमार पटेल ने इसे छोटा करा दिया।

2,000 लोगों की अनुमति मांगी

अजिंक्य देवगिरी प्रतिष्ठान के अध्यक्ष विनोद पाटिल ने बताया कि हमने छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती समारोह में 2,000 लोगों के लिए अनुमति मांगी है, लेकिन एएसआई ने अभी लिखित में कुछ नहीं बताया है। इस बार दीवान-ए-आम की जगह जहांगीरी महल में कार्यक्रम करने के लिए एएसआई की ओर से कहा गया है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मां को जाल में फंसाया...समझ न सकी वो शातिरों की चाल

आगरा एजेंसी। आगरा के जूता कारोबारी की इकलौती बेटी अमेरिका में रहती है। वह सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। कारोबारी और उनकी पत्नी अकेले रहते हैं। 16 जनवरी की सुबह नौ बजे कारोबारी की पत्नी के पास वीडियो कॉल आई। कॉल करने वाले ने कहा कि वह मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन से इंस्पेक्टर नरेश शर्मा बोल रहा है। कहा कि उन्होंने एक पार्सल भेजा था। जिसमें ड्रग्स है। मनी लॉन्ड्रिंग और ड्रग तस्करी का मामला बन रहा है। केस दर्ज किया गया है। नरेश गोयल एक ड्रग तस्कर है। इससे उनके संबंध बताए।

मोबाइल पर भेज दिया था फर्जी नोटिस- कारोबारी की पत्नी घबरा गई थीं। उनसे कहा गया कि पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से नोटिस जारी किया गया है। मोबाइल पर नोटिस की कॉपी भेज दी। कहा कि ईडी और सीबीआई अधिकारी उनसे पूछताछ करेंगे। इसके बाद कॉल काट दी। कुछ देर बाद फिर कॉल आई। इस बार वर्दी पहने दूसरे व्यक्ति ने बात की। कहा कि तुम्हें डिजिटल अरेस्ट किया गया है। किसी से बात नहीं करना। कमरे से बाहर भी नहीं जाना है। उन्हें जेल भेजने की धमकी दी। इसके बाद खाते में 2.80 लाख रुपये स्थानांतरित करा लिए। डर की वजह से वृद्ध किसी को कुछ नहीं बता रही थीं। दो दिन बाद दोबारा कॉल आई। इस बार भी धमकी दी गई। इस पर उन्हें शक हो गया। उन्होंने परिजन को बताया और पुलिस से शिकायत की।

स्टेशन पर दिल्ली जैसा हुजूम...चक्कर खाकर गिरा युवक- सिर में लगी चोट; यात्रियों को बाहर निकाला

गोरखपुर एजेंसी। महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी पड़ी। प्लेटफॉर्म नंबर दो पर भीड़ इतनी अधिक हो गई कि आनन-फानन में आरपीएफ और जीआरपी जवानों को मोर्चा संभालना पड़ा। प्लेटफॉर्म पर भीड़ में बिहार का एक युवक चक्कर आने से गिर गया।

उसके सिर में चोट लग गई। उसे अस्पताल भेजा गया। प्रयागराज के यात्रियों को प्लेटफॉर्म से बाहर निकालकर होल्डिंग एरिया में रोका गया। अन्य यात्रियों को उनकी ट्रेन से रवाना करने के बाद दो महाकुंभ स्पेशल से श्रद्धालुओं को रवाना किया गया। इन यात्रियों को ट्रेन के आने पर प्लेटफॉर्म पर प्रवेश मिला। देर शाम एक और स्पेशल ट्रेन रवाना की गई।

दिल्ली की घटना के बाद गोरखपुर स्टेशन पर भी अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। इसके लिए प्रवेश गेटों पर जगह-जगह बैरिकेडिंग भी हुई है। इसके बावजूद सोमवार दोपहर बाद प्लेटफॉर्म संख्या दो पर भीड़ बढ़ने लगी। इसी प्लेटफॉर्म से महाकुंभ स्पेशल

चलनी थी।

शाम को दिल्ली जाने वाली बिहार संपर्क क्रांति समेत कई प्रमुख ट्रेनें इसी प्लेटफॉर्म पर आती हैं। इस वजह से यात्रियों की भीड़ अत्यधिक हो गई। इसी प्लेटफॉर्म से फुटब्रिज भी जुड़ा है। शाम पांच बजे गेट पर आरपीएफ व जीआरपी जवानों के अलावा टिकट चेकिंग स्टॉफ लगाकर प्रयागराज के यात्रियों को बाहर रोका गया। वहीं, प्लेटफॉर्म पर स्टेशन डायरेक्टर जेपी सिंह की अगुवाई में जीआरपी व आरपीएफ के अफसर पहुंचे और माइक से घोषणा कराई कि प्रयागराज जाने वाले यात्री प्लेटफॉर्म से बाहर होल्डिंग एरिया में प्रतीक्षा करें। ट्रेन आने पर अंदर बुलाया जाएगा।

ट्रेन आते ही चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की : शाम 6-30 बजे के करीब प्लेटफॉर्म नंबर दो पर जैसे ही महाकुंभ स्पेशल पहुंची तो उसमें चढ़ने के लिए यात्री दौड़ पड़े। कोच के सभी दरवाजे बंद थे, जिसे खोलने के लिए यात्री धक्का देने लगे। वहां पर अफरा-तफरी न हो, इसके लिए हर कोच के आगे आरपीएफ के जवान खड़े हो गए। जैसे ही दरवाजे खुले तो उसमें चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की शुरू हो गई। कुछ यात्री तो इमरजेंसी खिड़की को खोलकर उसी रास्ते ट्रेन में चढ़ गए। छोटे बच्चों को लेकर पहुंची महिलाएं परेशान हो गईं। बच्चे रोने लगे तो आरपीएफ जवानों ने किसी तरह से उन्हें ट्रेन में अंदर चढ़ाया।

भीड़ में युवक को आया चक्कर- शाम 5:30 बजे के करीब भीड़ में बिहार के मैरवा के एक युवक अंकुर को चक्कर आ गया। वह प्लेटफॉर्म नंबर दो पर गिर गया। गिरने से उसके सिर में चोट आई और खून बहने लगा। सूचना पर स्टेशन निदेशक, स्टेशन मैनेजर और आरपीएफ के जवान पहुंचे। उन्होंने युवक को प्राथमिक इलाज के लिए भेजा। करीब 20 मिनट के बाद वह होश में आया।

मनरेगा में फर्जीवाड़ा: बरेली में मुस्लिम युवकों के जॉब कार्ड में जोड़ा हिंदुओं का नाम, प्रधान के अधिकार सीज

बरेली एजेंसी। बरेली में ग्राम पंचायत कुम्हरा की ग्राम प्रधान ने मुस्लिम समुदाय के युवकों के जॉब कार्ड में हिंदू समुदाय के युवकों का नाम जोड़ दिया। उसके बाद तीन साल तक मनरेगा से हुए कार्यों का भुगतान उनके खाते में किया गया। इसकी शिकायत होने पर डीएम ने प्रधान के वित्तीय अधिकार सीज कर दिए। जांच में उस अवधि में तैनात रहे ग्राम पंचायत सचिवों और ग्राम विकास अधिकारियों को भी दोषी माना गया है। विकासखंड बिथरी चैनपुर के गांव कुम्हरा की प्रधान मंजू कुमारी हैं। गांव के ही अजय पाल, संजय आदि ने प्रधान के खिलाफ नियमों की अनदेखी करने, सरकारी धन हड़पने और शक्तियों का दुरुपयोग करने की शिकायत की थी। मामले की जांच जिला प्रोबेशन अधिकारी और डीआरडीए के सहायक अभियंता ने की।

तीन साल तक कराया काम - सोमवार को यह रिपोर्ट डीएम को सौंपी गई। जांच रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि ग्राम प्रधान की ओर से तीन मुस्लिम जॉब कार्ड धारकों के नाम पर हिंदू समुदाय के नाम जोड़कर मई 2021 से 10 जून 2024 तक मनरेगा का कार्य कराया गया। उसकी धनराशि भी खाते में ली गई। इस संबंध में ग्राम प्रधान ने स्पष्टीकरण भी नहीं दिया। जांच रिपोर्ट में कहा गया कि ग्राम प्रधान की इस हरकत से 1,49,011 रुपये की धनराशि की क्षति हुई है। ग्राम प्रधान के साथ-साथ तत्कालीन सचिव छेदालाल, सचिव शालिनी वर्मा, अजय वंश और भगवान दास दोषी हैं। डीएम ने मामले का संज्ञान लेते हुए ग्राम प्रधान का वित्तीय अधिकार सीज कर दिया है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में न्यूक्लियर कर्मचारियों की नौकरी फिर बहाल, ट्रम्प ने 24 घंटे में पलटा मस्क का फैसला

वॉशिंगटन। अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन ने देश के न्यूक्लियर हथियार के विभाग नेशनल न्यूक्लियर सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन (NNSA) के सैकड़ों कर्मचारियों की बर्खास्तगी पर रोक लगा दी है। इससे पहले इलॉन मस्क के डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (DOGE) ने गुरुवार को इस डिपार्टमेंट से करीब 350 लोगों की छंटनी की थी। इस छंटनी का मकसद सरकारी खर्च में कटौती करना था। एक्सपर्ट्स ने आशंका जाहिर की थी कि इस फैसले से देश की सुरक्षा पर खतरा हो सकता है। जिसके बाद ट्रम्प ने 24 घंटे में ही मस्क के डिपार्टमेंट का फैसला पलट दिया। एक्सप्रेस यूएस के मुताबिक NNSA के कर्मचारी अमेरिकी परमाणु हथियारों को डिजाइन करने, नष्ट करने, नेवी को पनडुब्बियों के लिए परमाणु रिएक्टर देने और न्यूक्लियर इमरजेंसी के हालात से निपटने में महत्वपूर्ण रोल निभाते हैं। इनमें परमाणु हथियारों को रिअसेंबल करने कर्मचारी भी शामिल थे, जो न्यूक्लियर वैपन इंडस्ट्री के सबसे संवेदनशील कामों में से एक माना जाता है। NNSA की डायरेक्टर टेरेसा रॉबिंस ने शुक्रवार को 28 को छोड़कर बाकी सभी कर्मचारियों की बर्खास्तगी रद्द करने का आदेश जारी किया। इस आदेश में कहा गया कि 13 फरवरी, 2025 को आपको जारी किया गया बर्खास्तगी का निर्णय तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। दरअसल मस्क के DOGE विभाग ने एनर्जी डिपार्टमेंट से 2000 कर्मचारियों की छंटनी का प्लान किया था। आर्म्स कंट्रोल एसोसिएशन के डायरेक्टर डेरिल किमबॉल ने बताया कि DOGE विभाग के लोगों को इस बात का बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि वो किस डिपार्टमेंट से लोगों को निकाल रहे हैं।

केरल में स्टूडेंट को थूक मिलाकर पानी पिलाया, घुटने पर बैठाकर पीटा, 7 स्टूडेंट सस्पेंड

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम के करियावट्टोम गवर्नमेंट कॉलेज में सीनियर्स ने एक स्टूडेंट को पानी में थूक मिलाकर पिलाया। इतना ही नहीं उसे घुटने के बल बैठाकर पीटा गया। पीड़ित स्टूडेंट की शिकायत पर 7 सीनियर स्टूडेंट्स को सस्पेंड कर दिया गया। पुलिस ने भी केस दर्ज कर लिया है। केरल में एक हफ्ते में रैगिंग का यह तीसरा केस है। CPI (M) के छात्र संगठन के दफ्तर में पीटा पीड़ित छात्र बायोटेक्नोलॉजी फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट है। उसने 12 फरवरी को शिकायती पत्र देकर कहा- सीनियर्स ने उसे एक कमरे में घेर लिया और बेरहमी से पीटा। आरोपियों में से छह थर्ड ईयर और एक सेकेंड ईयर का स्टूडेंट है। पीड़ित का आरोप है कि केरल में सत्तारूढ़ CPI (M) की स्टूडेंट विंग स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के यूनिट रूम में उसकी पिटाई की गई। बताया जा रहा है कि मारपीट से पहले कैंपस में सीनियर और जूनियर छात्रों के बीच कुछ झड़पें हुई थीं।

अयोध्या राम मंदिर पर उड़ रहे ड्रोन को मार गिराया, भीड़ के ऊपर उड़ रहा था

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर परिसर में भीड़ के बीच उड़ रहे ड्रोन को मार गिराया है। सोमवार शाम गेट नंबर-3 पर ड्रोन उड़ता हुआ पहुंच गया था। उस वक्त रामलला के दर्शन के लिए जबरदस्त भीड़ थी। सूत्रों के मुताबिक, एंटी-ड्रोन सिस्टम ने ड्रोन को मार गिराया। इसके बाद सुरक्षा कर्मी अलर्ट हो गए। बम स्क्वॉड टीम को बुलाया गया। ड्रोन की जांच की गई। ड्रोन कैमरा उड़ाने वाले की तलाश की जा रही है। अयोध्या पुलिस को शक है कि यह भगदड़ मचाने की साजिश हो सकती है, क्योंकि राम मंदिर क्षेत्र में ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित है। यहां तक कि हवाई जहाज तक को मंदिर के ऊपर से उड़ने की परमिशन नहीं है। अयोध्या के कटरा चौकी इंचार्ज सुनील कुमार ने राम जन्मभूमि थाने में इस मामले में FIR दर्ज कराई है। इसमें उन्होंने कहा- 17 फरवरी की शाम 7 बजे राम मंदिर परिसर में ड्यूटी पॉइंट, बैचिंग प्लांट के पास किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा ड्रोन कैमरे को प्रतिबंधित क्षेत्र में उड़ाते हुए जानबूझकर गिराया गया। ऐसी आशंका है कि मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए ड्रोन गिराया गया है, ताकि मंदिर परिसर में भगदड़ मच जाए और जनहानि हो जाए। महाकुंभ के चलते इस वक्त भारी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं।

शिंदे गुट के 20 विधायकों की Y-कैटेगरी सुरक्षा घटाई, भाजपा और NCP विधायकों की भी सुरक्षा कम हुई

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना शिंदे गुट के 20 विधायकों की Y कैटेगिरी सुरक्षा हटा ली गई है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन विधायकों की सुरक्षा में सिर्फ एक कॉन्स्टेबल तैनात किया गया है। वहीं, भाजपा और NCP (अजित गुट) के कुछ विधायकों की सुरक्षा घटाने की खबर है। हालांकि, न तो शासन ने इस पर बयान जारी किया है, न ही विधायकों ने कुछ बोला है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि शिंदे इस फैसले से नाराज हैं। सुरक्षा हटाने के इस फैसले पर विपक्षी दलों ने भी तंज कसा है। शिवसेना (उद्धव गुट) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्वीट कर लिखा, "महायुति वैलेंटाइन मंथ मना रही है...नहीं।" वहीं संजय राउत ने इसे महायुति सरकार में दरार का संकेत बताया। रायगढ़-नासिक के संरक्षक मंत्री पद को लेकर शुरू हुआ विवाद भाजपा और शिंदे गुट के बीच विवाद रायगढ़ और नासिक के संरक्षक मंत्री की नियुक्ति से शुरू हुआ था। दरअसल, CM देवेंद्र फडणवीस ने NCP अदिति तटकरे को रायगढ़ का संरक्षक मंत्री नियुक्त किया था। यह डिप्टी CM एकनाथ शिंदे को पसंद नहीं आया था। वे इस पद के लिए अपनी पार्टी के किसी नेता को चाहते थे क्योंकि रायगढ़ में शिवसेना का काफी प्रभाव है। शिंदे की नाराजगी के बाद तटकरे की नियुक्ति रोक दी गई थी। लेकिन मामला अभी भी पूरी तरह सुलझा नहीं है।

डंपर ने लोडिंग वाहन को टक्कर मारी, 5 की मौत

भिंड। भिंड के जवाहरपुरा गांव के पास तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे खड़े लोडिंग वाहन को टक्कर मार दी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। 20 घायल हैं। लोडिंग वाहन को टक्कर मारने के बाद डंपर ने बाइक को भी चपेट में ले लिया। एक्सीडेंट नेशनल हाईवे क्रमांक 719 पर मंगलवार सुबह करीब 5 बजे हुआ। हादसे के शिकार सभी लोग जवाहरपुरा गांव में शादी से अपने गांव भवानीपुरा लौट रहे थे। सभी आपस में रिश्तेदार हैं। डंपर ड्राइवर मौके से भाग निकला। हादसे के बाद ग्रामीणों ने जाम लगा दिया। हाईवे को सिक्सलेन बनाने की मांग करते हुए कलेक्टर, एसपी और सांसद समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाने की कोशिश की लेकिन वे नहीं माने। जानकारी लगते ही कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव, एसपी असित यादव, एसडीएम अखिलेश शर्मा, डीएसपी दीपक तोमर वहां पहुंचे और लोगों से बातचीत की। उनकी मांग ऊपर पहुंचाने का भरोसा दिलाया। करीब 4 घंटे बाद जाम खुल सका। इस दौरान व्यवस्था संभालने के लिए चार थानों का पुलिस बल बुलाया गया था। इससे पहले कलेक्टर श्रीवास्तव जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों से मिले। वहां मौजूद परिजन से बात की। उधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए, गंभीर घायलों को 1-1 लाख और सामान्य घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

यूक्रेन जंग पर सऊदी में रूस-अमेरिका में वार्ता हुई शुरू

एजेंसी, रियाद

- क्रेमलिन प्रवक्ता बोले- पुतिन जेलेंस्की से बातचीत को तैयार, लेकिन उनके राष्ट्रपति होने पर सवाल

यूक्रेन जंग के समाधान पर सऊदी अरब में रूस और अमेरिका के बीच हाई लेवल मीटिंग शुरू हो गई है। इस मीटिंग में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव शामिल हुए है। दोनों सोमवार को राजधानी रियाद पहुंचे थे। रूस की तरफ से लावरोव के अलावा पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव और अमेरिकी डेलिगेशन में रुबियो के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकर (NSA) माइकल वॉल्ट्ज और यूक्रेन और रूस के लिए वाशिंगटन के विशेष दूत विट कॉफ भी शामिल होने पहुंचे हैं। इस बीच रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा है कि राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से बातचीत के लिए तैयार हैं। हालांकि, सवाल ये है कि क्या जेलेंस्की सही मायनों में यूक्रेन के राष्ट्रपति हैं? दावा- मीटिंग में जेलेंस्की को नहीं बुलाया यूक्रेन जंग पर शांति वार्ता के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को नहीं बुलाया गया है। BBC न्यूज ने यूक्रेन सरकार के एक सीनियर अधिकारी के हवाल से इसकी पुष्टि की है। इससे पहले अमेरिका के विशेष दूत कीथ केलॉग ने यूक्रेन के शामिल होने की बात कही थी। BBC के मुताबिक यूक्रेन को अभी तक वार्ता के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है। यूरोपीय देशों के नेताओं को भी इस वार्ता में शामिल होने के लिए नहीं बुलाया गया है। वार्ता से यूरोप को बाहर रखने की आशंका के चलते फ्रांस के राष्ट्रपति ने सोमवार को शिखर सम्मेलन का आयोजन रखा था। इसमें यूरोपीय देशों के नेता शामिल हुए। यूक्रेन जंग पर समाधान के लिए पहले भी कई कोशिशें की गई है।

ओडिशा के कॉलेज में नेपाल की स्टूडेंट का शव मिला

एजेंसी, भुवनेश्वर

- लड़के पर सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप, AUDIO वायरल होने के बाद गिरफ्तार

ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में एक नेपाली छात्रा का शव मिला है। वह कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (KIIT) की बी-टेक थर्ड ईयर की स्टूडेंट थी। पुलिस के मुताबिक, छात्रा प्रकृति लामसाल ने कथित तौर पर आत्महत्या की थी। उसका शव रविवार शाम को हॉस्टल में बरामद हुआ था।

नेपाल के छात्रों ने इस घटना को लेकर कैंपस में यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि प्रकृति के बैच का ही एक भारतीय छात्र उसे प्रताड़ित कर रहा था। बताया जा रहा है कि वह उसका बॉयफ्रेंड था। स्टूडेंट्स का कहना है कि शिकायतों के बाद भी यूनिवर्सिटी ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। छात्रों ने यह आरोप भी लगाया कि यूनिवर्सिटी ने मामले को दबाने की कोशिश की।

हालांकि मृतक छात्रा के चचेरे भाई की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी भारतीय छात्र को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया है।

सोशल मीडिया पर एक ऑडियो वायरल है, जिसमें एक लड़की और एक लड़के बीच कॉल पर बात हो रही है। लड़का उस लड़की को लगातार फोन पर गंदी-गंदी गालियां दे रहा है। दोनों के बीच किसी मुद्दे को लेकर बहस हो रही है। लड़का लड़की से माफी मांगने के लिए कहता है। इस पर युवती लड़के से माफी मांग लेती है। दोनों के बीच लंबी बहस के बाद लड़की रोने लगती है।

कनाडा के टोरंटो एयरपोर्ट पर डेल्टा एयरलाइंस का विमान क्रैश

एजेंसी, टोरंटो

- लैंडिंग के दौरान रनवे पर पलटा, 18 घायल, तकनीकी खराबी बनी वजह

कनाडा के टोरंटो के पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डेल्टा एयरलाइंस का एक विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें 18 लोग घायल हो गए, जिनमें 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्लेन में 76 पैसेंजर और 4 क्रू मेंबर्स थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान अमेरिका के मीनियापोलिस से टोरंटो आ रहा था। फ्लैप एक्चुएटर फेलियर की वजह से विमान अचानक पलट गया। यानी लैंडिंग के दौरान विमान के पंखों पर लगे फ्लैप सही से काम नहीं कर पाए। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि हादसे के समय टोरंटो में तेज बर्फीला तूफान चल रहा था। कनाडा के मौसम विभाग के अनुसार, 65 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। इसी वजह से प्लेन पलट गया। हालांकि, हादसे का सही कारण पता नहीं चल सका है। कनाडा का परिवहन सुरक्षा बोर्ड (TSB) हादसे की जांच कर रहा है। इसमें अमेरिका की राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड भी मदद कर रहा है। पायलट ने बताया- विमान उल्टा पड़ा था और जल रहा था हादसे के तुरंत बाद हेलिकॉप्टर पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल से बातचीत की थी। इसमें उसने बताया था कि विमान उलटा पड़ा है और जल रहा है। हादसे के बाद टोरंटो एयरपोर्ट ने 200 से ज्यादा उड़ानों पर अस्थायी रूप से रोक दी गई थी, लेकिन कुछ ही घंटों के बाद उड़ानों का संचालन फिर से शुरू कर दिया गया था।

ममता बोलीं- महाकुंभ 'मृत्यु कुंभ' में बदल गया, भगदड़ की घटनाओं पर चिंता जताई, कहा- गरीब तरस रहे

एजेंसी, कोलकाता

- VIP's को खास सुविधाएं मिल रहीं

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, ' यह महाकुंभ 'मृत्यु कुंभ' में बदल गया है। मैं महाकुंभ का और पवित्र गंगा मां का सम्मान करती हूं।' उन्होंने कहा कि महाकुंभ के लिए कोई प्लानिंग नहीं की गई है। भगदड़ में कई लोग मारे गए, लेकिन उनके बारे में कुछ पता नहीं चल रहा है। कई लोग मिले ही नहीं। ममता ने कहा- महाकुंभ में अमीरों और वीआईपी लोगों के लिए 1 लाख रुपए तक के टेंट मौजूद हैं। गरीबों के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। मेले में भगदड़ की स्थिति आम है, लेकिन व्यवस्था करना जरूरी है। आपने (यूपी सरकार) क्या योजना बनाई है? ममता ने यह बयान विधानसभा में बजट सत्र के दौरान दिया। इससे पहले लालू प्रसाद यादव कुंभ को फालतू कह चुके हैं। मैंने यहां कुछ वीडियो देखे हैं जिसमें शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि वह हिंदू धर्म के बारे में बोल रहे हैं और इसलिए उन्हें सदन से निलंबित कर दिया गया है। मैं कभी भी किसी धार्मिक मामले को भड़काने की बात नहीं करती। 'भाजपा अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए धर्म का इस्तेमाल कर रही है। अगर भाजपा यह साबित कर दे कि मेरा बांग्लादेशी कट्टरपंथियों से संबंध है, तो मैं इस्तीफा दे दूंगी।' 'भारत में कई राज्य हैं।

वहां भी डबल इंजन वाली सरकार है। लेकिन पश्चिम बंगाल में हमने विपक्ष को बोलने के लिए 50% समय दिया है। उन्होंने सदन के पटल पर कागज फेंके हैं। भाजपा, कांग्रेस और CPI (M) मेरे खिलाफ एक साथ हैं। उन्होंने मुझे अपना भाषण देने की अनुमति नहीं दी है। 'भाजपा विधायक यह झूठ फैला रहे हैं कि उन्हें बंगाल विधानसभा में बोलने की अनुमति नहीं है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भाजपा विधायकों को नफरत फैलाने और लोगों को विभाजित करने की अनुमति नहीं देती है।'

दिल्ली सरकार का शपथ ग्रहण 20 को, समय बदला, रामलीला मैदान में सुबह 11 बजे समारोह

एजेंसी, नई दिल्ली

- कल विधायक दल की बैठक में चुना जाएगा CM

दिल्ली विधानसभा चुनाव रिजल्ट के 12 दिन बाद 20 फरवरी को नए मुख्यमंत्री रामलीला मैदान में शपथ लेंगे। सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण समारोह के समय में बदलाव हुआ है। शपथ समारोह 4:30 बजे की जगह अब 11 बजे होगा। हालांकि, भाजपा ने अब तक CM फेस तय नहीं किया है। पार्टी विधायक दल की बैठक 19 फरवरी को 3:30 बजे बुलाई गई है, जिसमें CM की घोषणा होगी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने आज रामलीला मैदान का निरीक्षण किया। चुघ ने कहा कि उप राज्यपाल वीके सक्सेना भी तैयारियों पर नजर रखे हैं। उन्होंने कहा कि शपथ समारोह भव्य और ऐतिहासिक होगा। भाजपा सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम दिल्ली के रामलीला मैदान में होगा। इसमें प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री, भाजपा और NDA शासित 20 राज्यों के मुख्यमंत्री और डिप्टी CM शामिल होंगे। इसके अलावा उद्योगपति, फिल्म स्टार, क्रिकेट खिलाड़ी, साधु-संत और राजनयिक भी आएंगे। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली के 12 से 16 हजार लोगों को भी बुलाने की तैयारी की गई है। कार्यक्रम की व्यवस्था की देखरेख के लिए भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और तरुण चुघ को प्रभारी बनाया गया है। उन्होंने ही शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया है। मुख्यमंत्री की रेस में 6 नाम वैसे तो भाजपा अपने मुख्यमंत्री के नाम को लेकर चौंकाती आई है। पार्टी सभी राजनीतिक कयासों को किनारे करते हुए संगठन के पुराने चेहरों को प्रदेश की कमान सौंपती है। इसके बावजूद 6 विधायकों के नाम मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे हैं। सूत्रों के अनुसार पार्टी ने 15 विधायकों के नाम निकाले हैं। उनमें से 9 नाम शॉर्टलिस्ट किए हैं। इन्हीं 9 नामों में CM, कैबिनेट मंत्री और स्पीकर के नाम तय किए जाएंगे। दिल्ली मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 7 मंत्री हो सकते हैं। ऐसे में चर्चा है कि दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों से एक-एक भाजपा विधायक को चुना जा सकता है। बिहार और पंजाब चुनाव के अलावा जातिगत समीकरणों को ध्यान में रखते हुए इन्हें चुना जाएगा।

अश्लील कमेंट- यूट्यूबर अलाहबादिया को सुप्रीम कोर्ट से फटकार

एजेंसी, नई दिल्ली

- कहा- इनके दिमाग में गंदगी, केंद्र से कहा- एक्शन लीजिए, वरना हम चुप नहीं बैठेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अश्लील कमेंट मामले में रणवीर अलाहबादिया की अपील पर सुनवाई की। अदालत ने अलाहबादिया को गिरफ्तारी से राहत दे दी, लेकिन उन्हें जमकर फटकार भी लगाई। अदालत ने कहा कि आपके कमेंट की भाषा विकृत और दिमाग गंदा है। इससे अभिभावक ही नहीं, बेटियां और बहनें भी शर्मसार हुईं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह ने कहा कि अलाहबादिया के खिलाफ कई FIR दर्ज की गई हैं, लेकिन अब उनके खिलाफ इस मामले में कोई केस दर्ज नहीं किया जाएगा।

रणवीर अलाहबादिया पर आरोप था कि उन्होंने समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पेरेंट्स पर अश्लील कमेंट किए थे। इसके बाद उनके ऊपर महाराष्ट्र, असम समेत कई जगहों पर FIR दर्ज की गई थी। रणवीर ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी याचिका में 3 बातें कही थीं। पहली- देशभर में दर्ज FIR पर एक जगह सुनवाई। दूसरा- गिरफ्तारी से राहत मिले। तीसरी बात यह थी कि उन्हें धमकाया जा रहा है। बेंच ने कोर्ट में मौजूद अटॉर्नी सॉलिसिटर जनरल से कहा, "ऐसे यू-ट्यूबर्स के मामले सामने आ रहे हैं, क्या केंद्र सरकार कुछ करना चाहती है। अगर वे खुद ही कुछ करते हैं तो बहुत अच्छी बात है, वरना हम यहां गैप नहीं छोड़ सकते। सो-कॉल्ड यूट्यूब चैनल इसका दुरुपयोग कर रहे हैं और तमाम चीजें सामने आ रही हैं, इसलिए हमने नोटिस इश्यू किया है। हम अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल को अगली सुनवाई के दौरान कोर्ट में मौजूद रहने का आदेश दे रहे हैं।

महाकुंभ- रोड पर गाड़ियां तो संगम में नावों का जाम

एजेंसी, प्रयागराज

महाकुंभ में अब सिर्फ 8 दिन बचे हैं, लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ कम नहीं हो रही है। एक ओर सड़कों पर गाड़ियां रेंग रही हैं तो दूसरी ओर संगम में नावों का जाम लग गया। आज शाम 4 बजे तक 99 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया। 37 दिनों में 55.31 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। संगम आने वाले रास्तों पर लंबा जाम लगा है। पुलिस डायवर्जन के लिए टीन शेड लगा रही है।

अरैल घाट पर VIP जेटी में मानक (40) से ज्यादा लोग चढ़ गए हैं। ये सभी VIP कोटे से दाखिल हुए थे। पुलिस ने कुछ लोगों को उतारा। बेरिकेडिंग कर भीड़ को जेटी की ओर आने से रोका। वहीं, महाकुंभ आ रही एक कार में आग लग गई। घटना बैरहना मुहल्ले की है। कार काफी जल गई। अभिनेत्री जूही चावला ने भी संगम में स्नान किया और कहा कि मेरी जिंदगी की सबसे अच्छी सुबह थी। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी संगम में डुबकी लगाने पहुंचे। अरैल घाट पर मधुमक्खी का छत्ता टूट गया। इससे घाट पर स्नान कर रहे श्रद्धालु बचते हुए संगम से बाहर निकलते नजर आए। पुलिस बाहर से आने वाली गाड़ियों को शहर में एंट्री से पहले ही रोक रही है। वहां से शटल बस और ई-रिक्शा चल रहे हैं, लेकिन भीड़ ज्यादा होने के चलते श्रद्धालुओं को संगम तक पहुंचने के लिए 10-12 किमी पैदल चलना पड़ रहा है।

ज्ञानेश कुमार बने नए मुख्य चुनाव आयुक्त

एजेंसी, नई दिल्ली

- राहुल गांधी ने नियुक्ति का विरोध किया, बोले- मामला सुप्रीम कोर्ट में, मीटिंग क्यों बुलाई

1988 बैच के IAS अधिकारी और मौजूदा चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को नया मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) नियुक्त किया गया है। वे आज यह जिम्मेदारी संभालेंगे। मौजूदा CEC राजीव कुमार आज रिटायर हो रहे हैं। नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले वे पहले CEC हैं। उनका कार्यकाल 26 जनवरी 2029 तक रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में सोमवार को हुई बैठक में नियुक्ति का फैसला किया गया। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी शामिल हुए। इसी पैनल की सिफारिश पर नए CEC की नियुक्ति हुई। बैठक में विवेक जोशी को चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया है। वे हरियाणा के मुख्य सचिव और 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वहीं, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू अपने पद पर बने रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नए CEC के लिए 5 नामों की सूची दी गई थी, लेकिन राहुल ने नामों पर विचार करने से इनकार कर दिया था। बैठक के बाद राहुल गांधी ने डिसेंट नोट जारी किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है इसलिए यह बैठक नहीं होनी चाहिए थी। वहीं, कांग्रेस ने कहा था- हम अहंकार में काम नहीं कर सकते। बैठक स्थगित करनी थी, ताकि सुप्रीम कोर्ट जल्द फैसला कर सके।

राहुल ने लिखा- आधी रात को नियुक्ति का फैसला असम्मानजकः राहुल गांधी ने X पर लिखा- अगले मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) की नियुक्ति को लेकर बैठक थी। इसमें मैंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को डिसेंट (असहमति) नोट दिया था। इसमें लिखा था- मूलभूत बात यह है कि चुनाव आयोग स्वतंत्र होता है। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में कार्यपालिका का कोई दखल नहीं होता। लोकसभा में विपक्ष का नेता होने के नाते मेरी जिम्मेदारी है कि बाबा साहेब अंबेडकर और देश का निर्माण करने वाले नेताओं के आदर्श कायम रहें। आधी रात में पीएम और गृह मंत्री का CEC की नियुक्ति का फैसला असम्मानजनक है। CEC की नियुक्ति का फैसला तब लिया गया, जब मामला सुप्रीम कोर्ट में है और इस पर 48 घंटे के अंदर सुनवाई होनी है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

डब्ल्यूपीएल 2025: चौथे मैच में आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया

- स्मृति मंधाना का शानदार अर्धशतक, घातक गेंदबाजी कर रेणुका सिंह बनी प्लेयर ऑफ द मैच

एजेंसी, वडोदरा

महिला प्रीमियर लीग 2025 के चौथे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही आरसीबी ने टूर्नामेंट में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की और अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।

वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। दिल्ली की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी लेकिन शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 19.3 ओवर में 141 रन बनाए। जेमिमा रोड्रिग्स ने सबसे ज्यादा 34 रन बनाए, जबकि सारा ब्राइस ने 23 रन जोड़े। आरसीबी की ओर से गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। रेणुका ठाकुर सिंह और जॉर्जिया वेयरहैम ने तीन-तीन विकेट झटके, जबकि किम गर्थ और एकता बिष्ट ने दो-दो विकेट चटकाए। दिल्ली की ओर से मिले 142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की टीम ने मजबूत शुरुआत की। स्मृति मंधाना ने 81 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें उन्होंने 47 गेंदों में 10 चौके और 3 छक्के लगाए। डेनिएल व्याट-हॉज ने भी 42 रनों का योगदान दिया। टीम ने 16.2 ओवर में सिर्फ दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली कैपिटल्स के लिए अरुंधति रेड्डी और शिखा पांडे ने एक-एक विकेट लिया।

मिताली राज ने आरसीबी की धमाकेदार जीत को सराहा, कहा- पहले ओवर से ही खेल पर कर लिया था नियंत्रण

एजेंसी, नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने वडोदरा में खेले गए महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को आठ विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत में रेणुका सिंह, जॉर्जिया वेयरहम और कप्तान स्मृति मंधाना के बेहतरीन प्रदर्शन ने अहम भूमिका निभाई। पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने आरसीबी के इस प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने पहले ओवर से ही खेल पर पकड़ बना ली थी। जियो हॉटस्टार पर मिताली ने कहा, "जब रेणुका सिंह ने पहले ही ओवर में शैफाली वर्मा को आउट किया, तभी से आरसीबी ने खेल पर नियंत्रण कर लिया। स्मृति मंधाना ने बेहतरीन कप्तानी की और उनके गेंदबाजी बदलावों का असर साफ दिखा। उनकी पारी ने टीम को मजबूत शुरुआत दी।" आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दिल्ली कैपिटल्स को पहला झटका पारी की पहली ही गेंद पर लगा, जब शैफाली वर्मा (0) रेणुका सिंह की गेंद पर स्मृति मंधाना को कैच दे बैठीं। इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स (34) और कप्तान मेग लैनिंग (17) ने 60 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन जॉर्जिया वेयरहम ने जेमिमा को स्टंप आउट कर दिल्ली को दूसरा झटका दिया। दिल्ली की पारी 19.3 ओवर में 141 रन पर सिमट गई। रेणुका सिंह और जॉर्जिया वेयरहम ने दो-दो विकेट झटके, जबकि किम गर्थ और अन्य गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। 141 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की सलामी जोड़ी ने दमदार शुरुआत की। कप्तान स्मृति मंधाना ने 47 गेंदों में 81 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 3 छक्के शामिल थे। डैनी व्याट (42) ने भी शानदार योगदान दिया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 107 रनों की साझेदारी की। इस जीत के साथ आरसीबी दो मैचों में दो जीत के साथ अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गई, जबकि दिल्ली तीसरे स्थान पर खिसक गई।

जोकोविच ने वापसी करते ही वर्डास्को के साथ हासिल की धमाकेदार जीत

एजेंसी, दोहा

मांसपेशियों की चोट से उबरने के बाद नोवाक जोकोविच ने अपने पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने स्पेन के फर्नांडो वर्डास्को के साथ जोड़ी बनाकर कतर ओपन के युगल वर्ग के पहले दौर में अलेक्जेंडर बुब्लिक और करेन खाचानोव को सीधे सेटों में 6-1, 6-1 से हराया।

यह मुकाबला महज 48 मिनट तक चला, जिसमें 41 वर्षीय वर्डास्को और 37 वर्षीय जोकोविच की जोड़ी पूरी तरह हावी रही। वर्डास्को इस टूर्नामेंट के बाद संन्यास लेने वाले हैं, और यह जीत उनके करियर के अंतिम चरण में एक खास उपलब्धि रही। जोकोविच को पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ खेलते हुए बाएं पैर की मांसपेशियों में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें मैच से रिटायर होना पड़ा था। अब पूरी तरह फिट होकर कोर्ट पर वापसी करने वाले जोकोविच और वर्डास्को का अगला मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त ब्रिटिश-फिनिश जोड़ी हेनरी पैटन और हैरी हेलियोवारा से होगा।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट आज से

एजेंसी, कराची

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी बुधवार से यहां पाकिस्तान में शुरु होगी। 2017 के बाद हो रहे इस टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के आधार पर कर रहा है। ऐसे में भारतीय टीम के मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। भारत ने सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट के लिए पाक जाने से इंकार कर दिया था। इसमें विश्व की आठ टीम भाग ले रही हैं। सभी 4-4 टीमों को दो समूहों में बंटा गया है और सभी को आपस में तीन-तीन लीग मैच खेलने होंगे। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला गत विजेता पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होगा। वहीं भारतीय टीम अपना पहला मैच 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश से खेलेगी। टूर्नामेंट में भारत और पाक का मुकाबला भी 23 फरवरी को दुबई में ही होगा।

ग्रुप ए : पाकिस्तान : मोहम्मद रिजवान (कप्तान), बाबर आजम, फखर जमान, कामरान गुलाम, सऊद शकील, तैयब ताहिर, फहीम अशरफ, खुशदिल शाह, सलमान अली आगा, उस्मान खान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, मोहम्मद हसनैन, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी।

न्यूजीलैंड : मिशेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग।

बांग्लादेश : नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), सौम्य सरकार, तन्जीद हसन, तौहीद हृदोय, मुश्फिकुर रहीम, मोहम्मद महमुदुल्लाह, जेकर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन इमोन, नसुम अहमद, तन्जीम हसन साकिब, नाहिद राणा।

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रवींद्र जड़ेजा, वरुण चक्रवर्ती।

ग्रुप बी : दक्षिण अफ्रीका : टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जोरजी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेलटन, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल सॉल्ट, मार्क वुड।

ऑस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मैथ्यू शॉर्ट, एडम ज़म्पा।

अफगानिस्तान : हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्ला उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोती, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, फरीद मलिक, नवीद जादरान।

भारतीय टीम इस बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी : क्लार्क

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम इस बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी। क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलास एकदिवसीय सीरीज में शानदार शतक लगाने के साथ ही फार्म में आ गये हैं और वह इस सीरीज में सबसे अधिक रन बनाएंगे। भारतीय टीम को हालांकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के टीम से बाहर होने के कारण ट्रॉफ का कमजोर दावेदार माना जा रहा है पर क्लार्क इससे सहमत नहीं हैं। क्लार्क का मानना है कि भारतीय टीम पाकिस्तान और दुबई में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब को जीतने में कामयाब होगी। इस पूर्व बल्लेबाज ने ये भी कहा है कि रोहित टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनेंगे। भारतीय टीम ने हाल ही में इंग्लैंड को वनडे सीरीज में 3-0 से हराया था जिससे वह आत्मविश्वास से भरी हुई नजर आ रही है। रोहित ने इस दौरान कटक में खेले गए मैच में 90 गेंद में 119 रन की आक्रामक पारी खेली थी। पिछले कुछ महीनों से खराब फॉर्म से गुजर रहे रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में 122 रन बनाए। क्लार्क ने कहा कि रोहित को रन बनाते हुए देखकर अच्छा लगा और उम्मीद है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की ओर से अहम भूमिका निभाएंगे। माइकल क्लार्क ने कहा, मैं कहा है कि भारतीय टीम ट्रॉफी जीतेगी क्योंकि रोहित ने लय हासिल कर ली है। उसको पिछली सीरीज में रन बनाते हुए देखकर अच्छा लगा। मुझे लगता है कि निश्चित तौर पर भारत को उसकी जरूरत है। साथ ही कहा कि बुमराह के बाहर होने से अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा के अलावा वरुण चक्रवर्ती जैसे युवा गेंदबाजों के पास अपनी क्षमताएं दिखाने का अच्छा अवसर है।

ला लीगा: बार्सिलोना विवादास्पद जीत के साथ ला लीगा में शीर्ष पर लौटा

एजेंसी, मैड्रिड

एफसी बार्सिलोना ने सोमवार रात को रेयो वैलेकैनो पर 1-0 की संकीर्ण और विवादास्पद जीत के साथ ला लीगा के शीर्ष स्थान पर वापसी की। बार्सा के लिए एकमात्र गोल रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने पेनल्टी के जरिए किया, लेकिन मैच में कई विवादास्पद फैसले देखने को मिले, जिनमें रेयो की पेनल्टी अपील की अनदेखी और एक संदिग्ध ऑफसाइड के चलते उनका गोल खारिज किया जाना शामिल था। पहले हाफ में बार्सिलोना ने अधिक आक्रमण किए, जिसमें लेवांडोव्स्की और रफिन्हा के प्रयास गोल में तब्दील नहीं हो सके। हालांकि, 27वें मिनट में बार्सा को पेनल्टी मिली, जब रेयो के पाथे सिस को इनिगो मार्टिनेज को रोकने के लिए दोषी ठहराया गया। रेयो के गोलकीपर ऑगस्टो बटाला ने गेंद को पकड़ लिया था, लेकिन रेफरी मेलेरो लोपेज़ ने फाउल करार देते हुए पेनल्टी दी, जिसे लेवांडोव्स्की ने गोल में बदलकर बार्सा को बढ़त दिला दी। मैच में रेयो के खिलाड़ियों ने रेफरी के फैसलों पर नाराजगी जताई। पेनल्टी से पहले अब्दुल मुमिन पर हेक्टर फोर्ट के स्पष्ट शर्ट-पुल को नजरअंदाज कर दिया गया। वहीं, पहले हाफ के अंत में जॉर्ज डे फ्रुटोस का गोल ऑफसाइड करार देकर खारिज कर दिया गया, जबकि रिप्ले में दिखा कि रैंडी एनकेटा, जिन्हें ऑफसाइड बताया गया था, गोल में कोई भूमिका नहीं निभा रहे थे। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। रेयो के लिए वोज्शिएक स्ज़ेसनी ने शानदार बचाव किए, जबकि बार्सा के दानी ओलमो का प्रयास भी गोलकीपर बटाला के शानदार बचाव के कारण नाकाम रहा। चोट समय में जॉर्ज डे फ्रुटोस के पास बराबरी का मौका था, लेकिन वह एड्रियन एम्बार्बा के क्रॉस को सही ढंग से हेडर में बदलने में नाकाम रहे। इस जीत के साथ बार्सिलोना गोल अंतर के आधार पर ला लीगा तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया, जबकि रेयो की नौ मैचों से चली आ रही अजेय लय टूट गई।

चेन्नई में 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का भव्य आगाज

एजेंसी, चेन्नई

चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सोमवार को 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की भव्य शुरुआत हुई। तमिलनाडु सरकार के समर्थन से आयोजित इस ऐतिहासिक आयोजन का समापन 20 फरवरी को होगा। इस चैंपियनशिप में देशभर से 1,476 पैरा-एथलीटों ने भाग लिया है, जो 30 टीमों के तहत 155 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस इवेंट को देश की सबसे बड़ी पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में से एक माना जा रहा है। प्रतियोगिता में देश के शीर्ष पैरा-एथलीटों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिनमें टोक्यो पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल (भाला फेंक F64), मरियप्पन थंगावेलु (ऊंची कूद T63) और नवदीप सिंह (भाला फेंक F41) जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। यह आयोजन भारतीय पैरालंपिक समिति (PCI) और तमिलनाडु पैरालंपिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन (TNPSA) के संयुक्त प्रयासों से हो रहा है। PCI अध्यक्ष देवेन्द्र झाझरिया ने इस चैंपियनशिप को भारतीय पैरा एथलेटिक्स के लिए एक नया मील का पत्थर बताते हुए कहा, "चेन्नई में यह चैंपियनशिप पैरा खेलों के लिए नए मानक स्थापित करेगी। 155 स्पर्धाओं में 1,476 एथलीटों की प्रतिस्पर्धा यह दर्शाती है कि भारत में पैरा खेलों की लोकप्रियता और प्रतिस्पर्धात्मकता तेजी से बढ़ रही है। विश्व स्तरीय सुविधाओं और समावेशिता की प्रतिबद्धता के साथ, हम भारतीय पैरा एथलेटिक्स के एक नए युग की ओर बढ़ रहे हैं।" चैंपियनशिप के सफल आयोजन में तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आयोजकों को उम्मीद है कि यह इवेंट देश में पैरा स्पोर्ट्स को और मजबूत करेगा और भविष्य के अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए नए सितारों को तैयार करेगा।

ला लीगा: रियल वलाडोलिड ने कोच डिएगो कोका को बर्खास्त किया, अल्वारो रुबियो बने नए कोच

एजेंसी, मैड्रिड

स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में संघर्ष कर रहे क्लब रियल वलाडोलिड ने सोमवार को मुख्य कोच डिएगो कोका को बर्खास्त कर दिया। उनकी जगह क्लब की बी-टीम के कोच और पूर्व खिलाड़ी अल्वारो रुबियो को नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। यह फैसला वलाडोलिड की सेविला के खिलाफ 0-4 की करारी हार के 24 घंटे बाद आया। इस हार के बाद टीम 24 मैचों में केवल 15 अंकों के साथ तालिका में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गई है। अर्जेंटीना के कोच डिएगो कोका ने यूरोप में पहली बार कोचिंग की थी। उन्हें 1 दिसंबर को पाउलो पेज़ोलानो की जगह नियुक्त किया गया था, लेकिन उनके कार्यकाल में टीम ने आठ मैचों में सिर्फ एक जीत दर्ज की। वलाडोलिड ने ला लीगा के सात मैचों में सिर्फ तीन अंक जुटाए और कोपा डेल रे में तीसरे स्तर की टीम ऑरेन्से के खिलाफ हार का सामना किया। कोका की एकमात्र जीत 11 जनवरी को रियल बेटिस के खिलाफ आई थी। रविवार को सेविला के खिलाफ मिली करारी हार के बाद कोका ने अपनी निराशा जाहिर करते हुए कहा था, "मैं माफी मांगता हूं, जो कुछ मैदान पर हुआ, उससे मैं शर्मिंदा हूं। हमने टीम को सही दिशा देने की कोशिश की, लेकिन 0-4 की हार के बाद कोई बहाना नहीं बचता। मैं इस नतीजे की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।"

वलाडोलिड ने जारी किया बयान क्लब ने आधिकारिक बयान में कहा,

"हम कोका और उनके तकनीकी स्टाफ को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देते हैं और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।"

रुबियो ने पहले भी टीम की कमान संभाली थी। नए कोच अल्वारो रुबियो इससे पहले भी पाउलो पेज़ोलानो की बर्खास्तगी और कोका की नियुक्ति के बीच टीम की अस्थायी रूप से कमान संभाल चुके हैं। तब उनके नेतृत्व में वलाडोलिड ने दो जीत और एक हार दर्ज की थी। अब वह स्थायी रूप से टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे और टीम को लीग में बचाने की चुनौती का सामना करेंगे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374
बोकारो, बुधवार, 19 फरवरी, 2025

रहस्यमयी प्लेन ऑफ जार, जिनका रहस्य पता करने में वैज्ञानिक भी असफल हुए

यह दुनिया रहस्यों से भरी पड़ी है, जिनके बारे में समय-समय पर हमें पता चलता रहता है। हालांकि दुनिया में आज भी ऐसी कई रहस्यमय चीजें हैं, जिनका रहस्य पता करने में वैज्ञानिक भी असफल साबित हुए हैं। ऐसा ही एक रहस्य एशियाई देश लाओस में है, जिसे प्लेन ऑफ जार यानी जार का मैदान कहते हैं। यहां बड़े-बड़े पत्थरों से बने हजारों रहस्यमय मटके मौजूद हैं, जो पूरी दुनिया को हैरान करते हैं।

लाओस के शियांगखुआंग प्रांत में 90 से अधिक ऐसी जगहें हैं, जहां 400 से अधिक पत्थर के जार यानी मटके हैं। कई मटकों के ऊपर तो पत्थर के ढक्कन भी मिले हैं। बताया जाता है कि इन मटकों की ऊंचाई एक से तीन मीटर तक है।
वियतनाम युद्ध के दौरान 1964 से 1973 के बीच अमेरिकी वायु सेना ने शियांगखुआंग प्रांत में 26 करोड़ से अधिक क्लस्टर बम गिराए थे। हालांकि इनमें से कई करोड़ ऐसे थे, जो फटे ही नहीं थे। पत्थरों के मटके वाले कई इलाकों में ये बम आज भी वैसे के वैसे ही पड़े हुए हैं। हालांकि कुछ जगहों से इन बमों को हटा लिया गया है।
पुरातत्वविदों का मानना है कि ये हजारों रहस्यमय पत्थर के बने मटके लौह युग के हैं। हालांकि उस समय ये क्यों बनाए गए थे, इसका रहस्य आज भी स्पष्ट नहीं है। लेकिन कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि शायद इनका इस्तेमाल अंतिम संस्कार के वक्त अस्थि कलश के तौर पर किया जाता होगा। इस रहस्यमय और अनोखी जगह को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल का दर्जा मिला है। लाओस की सरकार ने इसके लिए बहुत पहले आवेदन कर दिया था, जिसके बाद छह जुलाई 2019 को इसे विश्व के धरोहर स्थलों में शामिल किया गया।

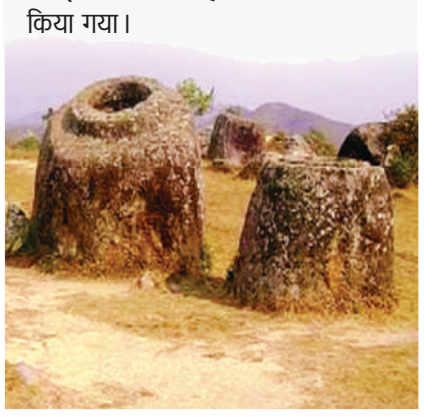

दुनिया की इन जगहों पर इंसानों को जाने की नहीं है इजाजत

दुनिया में बेहद कम लोग होंगे, जिन्हें घूमने का शौक नहीं होगा। लोगों की चाहत होती है कि वह धरती की हर जगह पर जाएं। लोग खूबसूरत समुद्री तट, भूतिहा जगह और रहस्यमयी जगहों पर भी जाना चाहते हैं। दुनियाभर में घूमने-फिरने की खूबसूरत जगहों के बारे में सभी लोगों ने सुना होगा और जानते होंगे। लेकिन क्या आप कुछ जगहों के बारे में जानते हैं, जहां पर पर्यटकों के जाने पर पाबंदी है। इनमें से एक स्थान भारत में भी स्थित है। आज हम आपको इन जगहों के बारे में बताते हैं...

एरिया-51

अमेरिका के नवादा में रेगिस्तान के बीच स्थित एरिया-51 एक खुफिया जगह है। इस जगह के बारे में तरह-तरह के दावे किए जाते हैं। एरिया-51 में किसी को भी आने-जाने की इजाजत नहीं है। यहां पर हमेशा कड़ी सुरक्षा रहती है। कुछ कांस्पिरेसी थ्योरी में दावा किया जाता है कि अमेरिका ने एरिया-51 में एलियन को कैद रखा है। बताया जाता है कि यहां अमेरिका एलियन पर प्रयोग कर रहा है। इस जगह के बारे में अमेरिका के लोगों को भी नहीं पता था, लेकिन साल 2013 में अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए ने पहली बार दुनिया को एरिया-51 के बारे में बताया। एरिया 51 को आधिकारिक तौर पर मिलिट्री टेस्टिंग साइट और एयरफोर्स फैसिलिटी सेंटर के रूप में जाना जाता है। लेकिन अमेरिकी वायुसेना की इस टेस्टिंग साइट को रहस्यमयी माना जाता है जिसकी हमेशा चर्चा होती है।

चेर्नोबिल

वर्तमान समय में यूक्रेन एक युद्ध क्षेत्र बना है और ऐसे में दूसरे देशों के लोग यहां नहीं जा रहे हैं। लेकिन यूक्रेन का चेर्नोबिल अपवर्जन क्षेत्र 1986 की परमाणु आपदा की जगह होने की वजह से धरती की सबसे प्रसिद्ध निषिद्ध जगहों में से एक है। लंबे समय तक विकिरण की वजह से यहां के सबसे ज्यादा प्रदूषित जगहों पर लोगों को जाने की अनुमति नहीं है।

स्वालबार्ड ग्लोबल सीड वॉल्ट

नॉर्वेजियन आर्कटिक के पर्माफ्रॉस्ट में स्वालबार्ड ग्लोबल सीड वॉल्ट स्थित है। यह स्थान भविष्य में दुनिया में होने वाली विनाशकारी घटनाओं की आशंकाओं को देखते हुए पौधों के बीजों को संरक्षित करने का एक वैश्विक भंडार है। इसका उद्देश्य जैव विविधता की रक्षा करना है। यहां पर आम लोगों के जाने की अनुमति नहीं है।

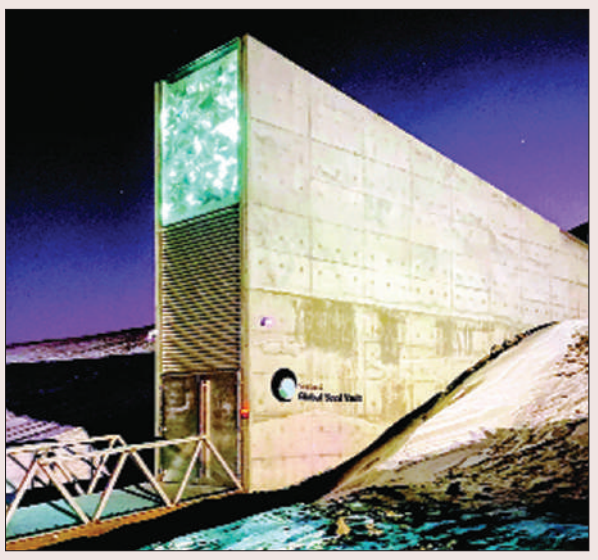

सेंटिनल द्वीप

भारत के उत्तर सेंटिनल द्वीप पर बाहरी लोगों के जाने की सख्त मनाही है। अंडमान के उत्तरी सेंटिनल द्वीप पर निग्रिटो समुदाय के लोग रहते हैं। इनका बाहरी दुनिया से कोई संपर्क नहीं है और यह पूरी तरह से अलग-थलग रहते हैं। उत्तरी सेंटिनल द्वीप सेंटिनली जनजाति की मूल जनजाति का घर है। यह स्थान एक संरक्षित क्षेत्र है। जनजाति की जीवनशैली और बाहरी लोगों को संभावित नुकसान से बचाने के लिए यहां पर बाहरी लोगों के जाने की इजाजत नहीं है।

स्नेक आइलैंड

ब्राजील के तट पर इल्हा दा क्यूइमाडा ग्रांडे एक छोटा सा भूभाग है। इस स्थान को आमतौर पर स्नेक आइलैंड के नाम से जाना जाता है। यहां पर बहुत जहरीले सांप पाए जाते हैं। सांपों की वजहों से यह जगह खतरनाक स्थानों में शामिल है। ब्राजील की सरकार ने लोगों और सांपों की इस दुर्लभ प्रजाति की सुरक्षा के लिए इस द्वीप पर लोगों के जाने पर बैन लगा दिया है।

दुनिया का सबसे खतरनाक पक्षी कैसोवेरी

हर किसी को पक्षी पसंद होते हैं। आसमान में उड़ते हुए देखना और इनकी आवाज सुनना हर किसी को पसंद होता है। वैसे तो पक्षियों की प्रजातियां बहुत सारी होती हैं। हर पक्षी अपने आप में खास होता है। किसी की आवाज मधुर होती है तो किसी का रंग शानदार होता है। कोई शांत पक्षी होते हैं तो कोई हिसंक भी होते हैं। मगर, एक ऐसा पक्षी भी है जो समय आने पर किसी की जान भी ले सकता है। अगर उसे ये लगता है कि किसी इंसान या अन्य प्राणी से उसको जान का खतरा है, तो वो अपनी आत्मरक्षा में उसपर जानलेवा हमला भी कर देता है। ये पक्षी इतना खतरनाक है कि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में इसको सबसे खतरनाक पक्षी का खिताब इसके नाम दर्ज है। आइए जानते हैं कि इस पक्षी का क्या नाम है और ये कहां पाया जाता है - इस पक्षी का नाम कैसोवेरी है और इसके पैर के पंजे किसी खंजर से कम नहीं होते हैं। इस पक्षी के पैरों के अंगूठों में अंदर की तरफ छुरे जैसा एक पंजा होता है जो इतना खतरनाक होता है कि जिससे ये किसी इंसान का पेट तक चीर सकता है। जब ये पक्षी आक्रामक हो जाता है तो ये सीधे अपने पंजों से हमला करके अपने दुश्मन को परास्त कर सकता है। ये पक्षी ऑट्रेलिया और पश्चिमी अफ्रीका के गिनी देश में पाए जाते हैं। इस पक्षी के शरीर के ऊपर नीले रंग के धब्बे होते हैं। मादा कैसोवेरी का औसत वजन 59 किलोग्राम और नर कैसोवेरी का वजन 34 किलोग्राम तक हो सकता है। ये पक्षी अपने परिवार के साथ रहना पसंद करता है। इन्हें तैरना बहुत अच्छे तरीके से आता है और ये मछली खाते हैं। इन्हें पानी के आस-पास रहना पसंद होता है। इनकी आंखे बहुत खतरनाक होती हैं। इन्हें देखने पर हमेशा ऐसा लगता है कि ये कभी भी हमला कर सकती हैं। इनके सिर पर एक केस्कूय होता है जो देखने में किसी मुकुट जैसा लगता है। दरअसल, ये केस्कूय इनके सिर पर चोट लगने से बचाता है। इस पक्षी के इतना हिंसक होने के बाद भी पुराने जमाने में लोग इसे मांस और पंखो के लिए पालते थे। मगर, ये पक्षी कबूतर या मुर्गोयों की तरह छोटा या पालतू नहीं,बल्कि आकार में बड़ा और हिंसक होता है। ये अपने अंडों के आस-पास भी किसी को आने नहीं देता है। ये अपने अंडों की रक्षा के लिए घोंसलों को भी छोड़कर कहीं नहीं जाते हैं। जब तक इनके बच्चे अंडों से बाहर नहीं आ जाते तब तक ये ज्यादा खाना भी नहीं खाते हैं। हालांकि, फिर भी शिकारी इनका शिकार कर ही लेते हैं। वर्तमान में कैसोवेरी पक्षियों को पपाया न्यूगिनी में उनके पंखों के लिए पाला जाता है। इनके अंडों को नेशनल फ़ूड का भी दर्जा मिला है।

दुनियाभर के नो फ्लाइंग जोन जहां प्लेन उड़ाना है सख्त मना

दुनियाभर में कई सारे नो फ्लाइंग जोन है, इसे बनाने का कारण भी बहुत रोचक है। चलिए जान लेते हैं उन जगहों के बारे में जहां से प्लेन उड़ाना है सख्त मना है।

बस और रेलवे के अलावा आने जाने के लिए दूसरा साधन है प्लेन। प्लेन का सफर भले ही बस और रेलवे से महंगा हो, लेकिन इससे आप काफी जल्दी अपना सफर खत्म कर सकते हैं। प्लेन में बैठने का हर किसी का सपना होता है, भारत में आज भी बहुत से ऐसे लोग हैं, जो प्लेन में बैठने के सुख से वंचित हैं। आज भी लोग अपने छत से प्लेन को जाते देख खुश होते हैं, लेकिन क्या आपको पता है दुनिया में ऐसी कई जगह है, जिसके ऊपर से प्लेन नहीं उड़ाए जाते। चलिए इन जगहों के बारे में जान लेते हैं, जिसे नो फ्लाइंग जोन कहा जाता है।

तिब्बत

तिब्बत को दुनिया की सबसे ऊंची जगह में से एक कहा गया है , जहां प्लेन उड़ाने की परमिशन नहीं दी गई है। तिब्बत की एवरेज ऊंचाई लगभग 16000 फीट तक है, यहां सिर्फ कुछ ही कमर्शियल फ्लाइट को काफी ऊंचाई से उड़ान भरने की इजाजत है। यहां मौजूद ऊंची पहाड़ियों की वजह से इसे नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है।

डिज्नी पार्क

बचपन में आप सभी ने मिक्की माउस कार्टून में डिज्नी पार्क देखा होगा। बता दें कि डिज्नी पार्क का एरिया नो फ्लाइंग जोन है। कैलिफोर्निया के डिज्नीलैंड और फ्लोरिडा के वाल्ट डिज्नी वर्ल्ड के 3000 फीट ऊपर तक, किसी को भी प्लेन या हेलीकॉप्टर को उड़ाने की इजाजत नहीं है। अमेरिकन गवर्नमेंट ने इस एरिया को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया है।

मक्का

इस्लाम धर्म के प्रमुख धर्म स्थल या तीर्थ स्थल मक्का के ऊपर से भी प्लेन को उड़ाने की इजाजत नहीं है। सऊदी अरब के सरकार ने मक्का आने वाले लोगों की सुरक्षा और धर्म स्थल की खासियत को देखते हुए इसे नो फ्लाइंग जोन घोषित किया है।

ताजमहल

सातवें अजूबे में से एक ताजमहल को भी नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। साल 2006 में ताजमहल को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया था। ताजमहलके ऊपर से किसी भी प्लेन को उड़ाने की परमिशन नहीं है।

माचू पिचू

दुनिया की खास जगह में से एक माचू पिचू में प्लेन नहीं उड़ा सकते, यह जगह भी नो फ्लाइंग जोन के लिस्ट में शामिल है। यहां ऐसे पेड़-पौधे और जीव पाए जाते हैं, जो पृथ्वी पर और कहीं नहीं पाए जाते हैं। यहां के इकोसिस्टम को बचाने के लिए इस जगह को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है।

बकिंघम पैलेस

यूनाइटेड किंगडम स्थित बकिंघम पैलेस भी नो फ्लाइंग जोन प्लेस की लिस्ट में शामिल है। ब्रिटेन के शाही घराने का दफ्तर और घर है, जहां ब्रिटेन के राजा और रानी रहते हैं। पैलेस और शाही परिवार की सुरक्षा को देखते हुए इसे नो फ्लाइंग जोन की लिस्ट में रखा गया है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

क्या राम चरण के साथ माइथोलॉजिकल फिल्म कर रहे नागेश भट? निर्देशक ने बताया सच

कई दिनों से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि साउथ सुपरस्टार राम चरण किल के निर्देशक खिल नागेश भट के साथ एक माइथोलॉजिकल फिल्म में काम करने वाले हैं, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर फैंस भी अपना उत्साह साझा कर रहे थे। हालांकि, अब इस पर खुद निर्देशक निखिल नागेश ने चुप्पी तोड़ी है और इस खबर का सच बताया है।

खबरों पर क्या बोले नागेश भट

निर्देशक निखिल नागेश भट ने आखिरकार राम चरण के साथ माइथोलॉजिकल फिल्म बनाने की अफवाहों को खारिज कर दिया है। हाल ही में उन्होंने बातचीत के दौरान इन खबरों का खंडन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह बिलकुल सच नहीं है। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि यह एक बड़े बजट की फिल्म है, जो भारतीय पौराणिक कथाओं के सबसे महत्वपूर्ण पात्रों में से एक की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

किल की सफलता पर जताई खुशी

नागेश भट ने 2024 को एक स्मारक वर्ष बताया और भारत और विदेशों में अपनी परियोजना किल को मिली सकारात्मक प्रशंसा के बारे में बात की। उन्होंने कहा, किल को भारत और विदेश दोनों जगह आलोचनात्मक प्रशंसा मिलने के बाद मुझे लगता है कि मैं एक ऐसी दुनिया में आ गया हूं, जहां कहानियां सीमाओं को पार कर सकती हैं और स्थानीय और वैश्विक स्तर पर दर्शकों से जुड़ सकती हैं। सफलता से अधिक, कहानी कहने की मान्यता ने इस वर्ष को विशेष बना दिया है।

अगली परियोजना पर साझा की जानकारी

अपनी अगली परियोजना के बारे में नागेश भट ने कहा, मैं फिलहाल एक नई कहानी पर काम कर रहा हूं। हालांकि अभी इस बारे में ज्यादा कुछ बताना जल्दबाजी होगी, लेकिन मैं वादा कर सकता हूं कि यह एक्शन के प्रति मेरे प्यार के अनुरूप ही होगी, लेकिन भावनात्मक रूप से और भी गहरी होगी। यह एक ऐसी फिल्म है, जो मुझे ऐसी चुनौती देगी जैसी किसी अन्य परियोजना ने पहले नहीं दी और मैं इसके साथ कहानी कहने के नए आयामों को तलाशने के लिए उत्साहित हूं।

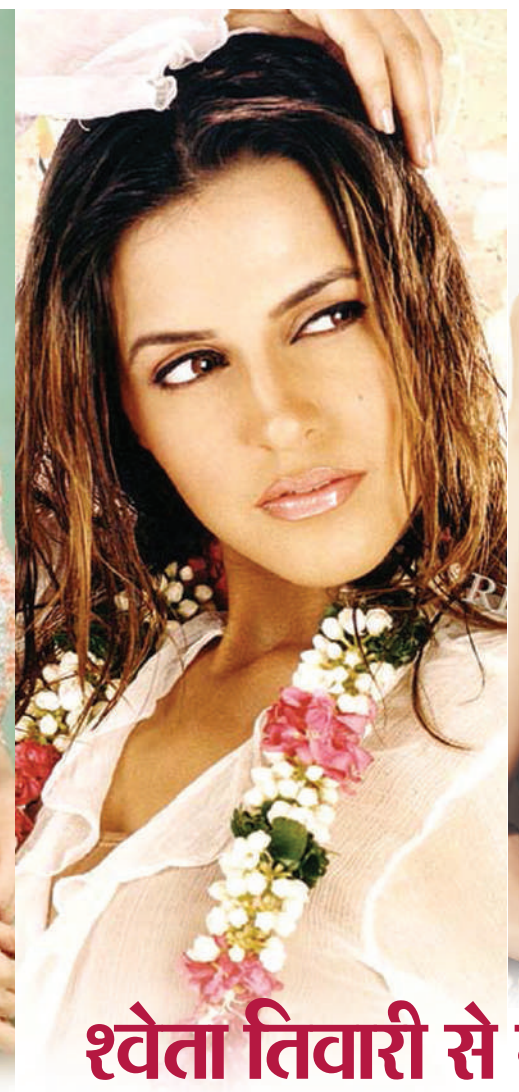

श्वेता तिवारी से नेहा धूपिया तक, पाकिस्तान में अपने अभिनय का झंडा बुलंद कर चुके हैं ये सितारे

कला एक ऐसी चीज है, जो सरहदों से परे मानी जाती है। यही वजह है कि कलाकार अक्सर अपनी सीमाओं से दूर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते नजर आते हैं। बॉलीवुड की कई हस्तियां हॉलीवुड फिल्मों में दमखम दिखा चुकी हैं तो वहीं, टीवी जगत के सितारे भी कम नहीं हैं। छोटे पर्दे के कई ऐसे चर्चित कलाकार हैं, जिन्होंने भारतीय टीवी शो में तो अपनी पहचान स्थापित की ही, साथ ही पाकिस्तानी सीरियल्स और फिल्मों में भी अपने अभिनय का जादू चला चुके हैं।

श्वेता तिवारी

टीवी शो कसौटी जिंदगी की से घर-घर में पहचान बनाने वाली श्वेता सिंह आज एक्टिंग की दुनिया का बड़ा नाम हैं। उन्होंने कई टीवी सीरियल्स और रियलिटी शो के अलावा बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है। दिलचस्प बात यह है कि एक्ट्रेस पाकिस्तानी फिल्म में भी काम कर चुकी हैं। श्वेता का एहसान खान समेत कई पाकिस्तानी स्टार्स के साथ एक पाकिस्तानी मूवी 'सल्तनत' में नजर आईं थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म की शूटिंग दुबई में हुई थी।

किरण खेर

अभिनेत्री किरण खेर भी पाकिस्तानी फिल्म में अपने अभिनय का दमखम दिखा चुकी हैं। वह पाकिस्तानी फिल्म खमोश पानी (2003) में नजर आई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए किरण को स्विट्ज़रलैंड के लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था।

सारा खान

टीवी शो विदाई के जरिए पॉपुलर हुईं सारा खान ससुराल सिमर का और बिग बॉस में नजर आई थीं। इसके अलावा सारा पाकिस्तानी एक्टर नूर हसन के साथ पाकिस्तानी सीरियल ये कैसी मोहब्बत है में नजर आ चुकी हैं।

नेहा धूपिया

अभिनेत्री नेहा धूपिया का नाम भी लिस्ट में शामिल है। नेहा बॉलीवुड के साथ-साथ पाकिस्तानी फिल्म इंडस्ट्री में भी अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं। बता दें कि नेहा ने प्यार ना करना फिल्म में आइटम नंबर किया था।

अरबाज खान

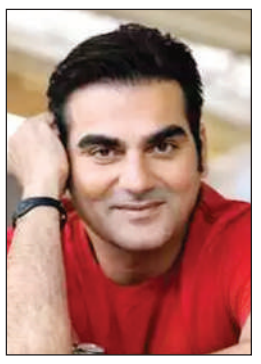

एक्टर अरबाज खान पाकिस्तानी फिल्म गॉडफादर में नजर आए थे। इस फिल्म में अरबाज ने शाकीर खान का रोल निभाया था। इसके अलावा दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने भी अपने अभिनय का दमखम पाकिस्तानी फिल्म इंडस्ट्री में दिखाया है। बता दें कि अभिनेता ने पाकिस्तानी फिल्म खुदा में काम किया था। यही नहीं, इसके अलावा अभिनेता ने फिल्म जिंदा भाग में भी लीड रोल निभाया था।

आईफा 2025 में शामिल होंगी कैटरीना कैफ

अभिनेत्री कैटरीना कैफ अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी (आईफा) अवॉर्ड्स 2025 में शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि वह इस इवेंट में शामिल होने के लिए उत्साहित हैं। आईफा इस साल अपनी सिल्वर जुबली मना रहा है। आईफा के साथ अपने लगाव को व्यक्त करते हुए कैटरीना ने इस कार्यक्रम को अपने लिए बेहद खास बताया। अभिनेत्री ने कहा, आईफा हमेशा मेरे लिए एक ग्लोबल इवेंट मात्र से कहीं बढ़कर रहा है। यह प्यार, उत्साह और शानदार पलों से भरा सफर है, जिसने सिनेमा और मेरे प्रशंसकों के साथ मेरे जुड़ाव को आकार दिया है। मुझे शुरू से ही यह सहज लगता है, यह एक ऐसी जगह है, जहां हम भारतीय सिनेमा के जादू, कहानी कहने के जुनून और वैश्विक मंच पर एक साथ आने की खुशी का जश्न मनाते हैं। कैटरीना ने कहा, मेरा आईफा का सफर कभी न भूल पाने वाली यादों से भरा रहा है और इस सिल्वर जुबली का हिस्सा बनना वाकई सम्मान की बात है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आईफा वीकेंड और अवार्ड्स में भारतीय सिनेमा के शानदार 25 वर्षों का जश्न मनाना रोमांचक है। मैं आईफा के शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, जो पुरानी यादों, खुशी और प्रशंसकों की एनर्जी से भरा होगा। मैं बेहद उत्साहित हूं और इस इवेंट में शामिल होने और बॉलीवुड के सबसे बड़े वैश्विक मंच पर और भी यादों भरे पल बिताने के लिए उत्साहित हूं। आईफा अवार्ड्स का आयोजन 8-9 मार्च 2025 को जयपुर एग्जिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में होगा। इस साल के कार्यक्रम में शाहरुख खान और कार्तिक आर्यन पहली बार आईफा को होस्ट करेंगे। करण जौहर मुख्य कार्यक्रम की मेजबानी करेंगे, जबकि अपारशक्ति खुराना भी आईफा में उनके साथ रहेंगे। फिल्म निर्माता-अभिनेता राकेश रोशन को आईफा में उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

एक्शन फिल्म गांधारी के लिए परफेक्ट हैं तापसी पन्नू

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपकमिंग फिल्म 'गांधारी' में खूब एक्शन करती नजर आएंगी। फिल्म निर्माता-लेखिका कनिका ढिल्लों ने बताया कि तापसी में एक अलग तरह की फुर्ती है, वह एक्शन फिल्म के लिए परफेक्ट हैं। कनिका ने एक्शन सीन्स को बेहतरीन तरीके से निभाने के लिए तापसी की सराहना की। उन्होंने कहा, टीम एक सीन की शूटिंग कर रही थी, जिसमें तापसी के किरदार को एक दीवार पर चढ़ना था।बिना किसी बॉडी डबल या रिहर्सल के (हालांकि सभी सुरक्षात्मक उपाय अपनाए गए थे) तापसी एक ही टेक में पैंथर की तरह दीवार पर चढ़ गईं! मैं उस दिन सेट पर थी और जैसे ही शॉट कट हुआ, पूरा सेट तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा! उन्होंने कहा, यह देखना काफी प्रभावशाली था, तापसी में एक खास तरह की फुर्ती और चपलता है, जो उन्हें 'गांधारी' के लिए एकदम सही बनाती है। वह इस तरह के किरदार से सभी को आश्चर्यचकित करने जा रही हैं, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है। कनिका ने फिल्म के अन्य कलाकारों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, इश्वाक के फिल्म से जुड़ने से फिल्म में प्रतिभा की एक नई लहर और कहानी में कई परतें जुड़ी हैं और मैं दर्शकों को देवाशीष मखीजा के अद्भुत निर्देशन में तैयार और तापसी-इश्वाक स्टारर जादू को दर्शकों के सामने रखने के लिए उत्साहित हूं। 'गांधारी' एक रोमांचक कहानी का वादा करती है, जिसके बैकग्राउंड में मनोरंजन, रहस्य और हाई एक्शन हैं। दर्शक तापसी पन्नू को एक मिशन पर निकली ऐसी मां के किरदार में देखेंगे, जो मजबूत है। कनिका ढिल्लों तापसी के साथ कई फिल्मों में साथ काम कर चुकी हैं, जिनमें 'मनमर्जियां', 'हसीन दिलरुबा', 'फिर आई हसीन दिलरुबा' शामिल हैं। कनिका ढिल्लों के बैनर कथा पिक्चर्स के बैनर तले 'गांधारी' का निर्माण हुआ है, जिसके निर्देशक देवाशीष मखीजा हैं। तापसी की बात करें तो वह आखिरी बार मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी 'खेल खेल में' फिल्म में नजर आई थीं। साल 2016 की रिलीज इतालवी फिल्म 'परफेक्ट स्ट्रेंजर्स' पर बनी फिल्म में तापसी के साथ अक्षय कुमार, फरदीन खान, वाणी कपूर, एमी विर्क, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल अहम रोल में हैं।

स्ट्रगल तो हमेशा रहता है ओटीटी से बदली किस्मत

बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष करना हर कलाकार के लिए एक लंबा सफर होता है। हाल ही में बातचीत में एक्टर तनुज विरवानी ने अपने करियर, संघर्ष, संतुष्टि और पिता बनने के अनुभव पर खुलकर बात की। बता दें, तनुज इनसाइड एज, कोड रू मुरशिद जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुके हैं। हाल ही में वे फिल्म लेट्स मीट में भी दिखाई दिए।

संघर्ष और संतुष्टि की कहानी

शुरुआत के 10-12 सालों में मैंने बहुत कुछ देखा। ऐसे मौके भी आए जब लगा कि अब बैग पैक कर लेना चाहिए और पापा के बिजनेस में लग जाना चाहिए। शुरुआती दो-तीन फिल्मों के बाद कुछ भी काम नहीं कर रहा था। वो दौर बहुत मुश्किल था। तब वेब सीरीज का सहारा भी नहीं था, सिर्फ फिल्में और टेलीविजन थे। लेकिन फिर ओटीटी प्लेटफॉर्म ने मुझे एक सेकंड इनिंग्स दी। इनसाइड एज मेरे लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। उसके बाद से मुझे अलग-अलग जॉनर में काम करने का मौका मिला।

क्या अपने सफर से संतुष्ट हैं?

संतुष्ट तो अभी भी नहीं हूं। भूख अभी भी बहुत है। इच्छा यही है कि अच्छे लोगों के साथ काम करूं और हर सेट पर जाकर कुछ नया सीखूं। मैं ट्रेन्ड ऐक्टर नहीं हूं, मैंने कहीं से भी एक्टिंग सीखी नहीं है। जो कुछ भी सीखा, दूसरों को देखकर, फिल्में देखकर, सेट पर रहकर सीखा। मेरे लिए जर्नी ही सबसे बड़ी सीख है। हर नया प्रोजेक्ट मेरे लिए एक नया चैलेंज होता है। मैं हर बार खुद को प्रूव करना चाहता हूं।

क्या कोई स्पेशल जॉनर ज्यादा पसंद है?

जहां पैसे मिलते हैं... (हंसते हुए) मजाक कर रहा हूं। सच कहूं तो मुझे हर तरह के किरदार पसंद हैं। अगर मैं किसी डार्क, नेगेटिव या साइकोटिक रोल को निभा रहा हूं, तो उसके बाद मैं कुछ हल्का, मजेदार करना पसंद करता हूं। जैसे 'लेट्स मीट' जैसी फिल्में। इससे संतुलन बना रहता है। अभी क्या है? मैं रणबीर कपूर या शाहरुख खान नहीं हूं कि मेरे सामने सैकड़ों स्क्रिप्ट्स रखी होती हैं। जो मौके मिलते हैं, उन्हीं में से सबसे अच्छा चुनने की कोशिश करता हूं। यह किसी भी एक्टर के लिए रोमांचक दौर है क्योंकि वेब स्पेस तेजी से बढ़ रहा है और सिनेमा के अलग-अलग फॉर्मेट्स पर खूब काम हो रहा है। रणबीर कपूर और रणवीर सिंह जैसे सुपरस्टार्स बड़े नाम हैं, लेकिन असली वजह यह है कि वे अपने किरदार निभाते हैं और इसी वजह से हम उन्हें पसंद करते हैं।

फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और संघर्ष

तनुज मानते हैं कि इंडस्ट्री में बदलाव आया है, लेकिन स्ट्रगल कभी खत्म नहीं होता। ओटीटी ने काफी चीजें बदली हैं। अब हीरो वही नहीं होता, जिसे हर वक्त परफेक्ट दिखना होता है। अब आम आदमी भी हीरो बन सकता है। यही बदलाव मुझे पसंद है, क्योंकि अब किरदारों को निभाने का मौका मिलता है। लेकिन इंडस्ट्री में आपको हमेशा प्रोएक्टिव रहना पड़ता है। स्ट्रगल तो हमेशा रहता है। बस, आपको पता होना चाहिए कि कौन-कौन सी स्क्रिप्ट मार्केट में है, कौन-कौन से शोज या फिल्में बन रही हैं। अगर आप अपने घर बैठकर सोचते हैं कि काम खुद चलकर आएगा, तो ऐसा नहीं होता। आपको लोगों से मिलना पड़ता है, ऑडिशन देना पड़ता है। मेरा मानना है कि जितना ज्यादा ऑडिशन देंगे, आपकी एक्टिंग उतनी ही निखरेगी। मुझे लगता है कि आजकल लोगों के पास चॉइस बहुत हैं। इसलिए हर ऐक्टर को अपने टैलेंट को लगातार निखारते रहना चाहिए।

एलनाज नौरोजी के हाथ लगी हॉलीवुड फिल्म

एलनाज नौरोजी बॉलीवुड फिल्मों और हिंदी वेब सीरीज में काफी समय से एक्टिव हैं। वह ईरानी-जर्मन मूल की मॉडल हैं, जो भारत में रहती हैं। हाल ही में एलनाज नौरोजी के हाथ एक हॉलीवुड फिल्म लगी है। इस फिल्म में उन्हें जाचरी लेवी और लियाम निसन के साथ काम करने का मौका मिलेगा। इससे पहले वह 'कंधार' नाम की एक हॉलीवुड फिल्म कर चुकी हैं। एलनाज के बॉलीवुड करियर की बात है तो वह 'सेक्रेड गेम्स' में जोया का किरदार निभा चुकी हैं। एक्ट्रेस हिंदी फिल्म 'हैलो चार्ली' और 'जुग जुग जीयो' में भी नजर आ चुकी हैं। एलनाज म्यूजिक वीडियो का भी हिस्सा रह चुकी हैं। वह साल 2018 में गुरु रंधावा के म्यूजिक वीडियो 'मेड इन इंडिया' में भी दिखी थीं।